जबलपुर शनिवार 22 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण शुक्ल पक्ष दशमीं
वर्ष 32 अंक 55 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 27.2°C
न्यूनतम तापमान 23.0°C
सूर्योदय - 5.49 | सूर्यास्त - 6.37

तीन महीने से राशन को तरसे ग्रामीण, कलेक्टर ... ⏩ 4

रिश्ते को सुधारने से पहले उसके दर्द को .. ⏩ 7

छात्र छात्राओं को विधिक सेवाएं, एसिड ... ⏩ 8

बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में 15 साल बाद मेडल पक्का

नई दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन के लिए वर्ल्ड चैम्पियनशिप से बड़ी खबर आई है। तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप महिला डबल्स क्वार्टरफाइनल में चीन की जिया यी फान और झांग शू शियान को हरा दिया। इस जीत से भारत का 15 साल बाद महिला डबल्स में वर्ल्ड चैम्पियनशिप मेडल पक्का हो गया। चोट के बाद वापसी कर रहीं तृषा ने गायत्री के साथ शानदार प्रदर्शन किया। नई दिल्ली में खेले गए महिला डबल्स क्वार्टरफाइनल में भारत की गैरवरीय तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने शानदार वापसी करते हुए चीन की जोड़ी को 16-21, 21-15, 21-13 से हराया। इस जीत के साथ तृषा और गायत्री अंतिम चार में पहुंच गई हैं और एक मेडल तय कर लिया है। (विस्तृत खबर पेज 10 पर)

82.86 लाख की जमीन का 1.07 करोड़ में किया सौदा

मुख्यमंत्री ने कटनी सीएसपी नेहा पच्चीसिया को किया सस्पेंड

कटनी (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कटनी की नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) नेहा पच्चीसिया को तत्काल सस्पेंड करने के आदेश दिए हैं। कार्रवाई के बाद पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर कटनी स्थित सीएसपी कार्यालय भी सीज कर दिया गया है। सीएम ऑफिस के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से इसकी जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था और पुलिस प्रशासन से जुड़े मामलों में लापरवाही, दबाव या पद का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। मामला हत्या के नामजद आरोपी रमेश लोधी की कन्हवारा स्थित जमीन से जुड़ा है। जबलपुर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनु बेनीवाल की जांच रिपोर्ट के बाद सीएसपी नेहा पच्चीसिया क्षितिज राज और मारूफ अहमद के खिलाफ कुठला थाने में एफआईआर दर्ज की गई। कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कन्हवारा निवासी आकाश पिता रमेश लोधी ने शिकायत दी थी कि तत्कालीन कुठला थाना प्रभारी राजेन्द्र मिश्रा एवं सीएसपी द्वारा डरा धमका कर उसके पिता रमेश लोधी को 15 अप्रैल से जमीन की रजिस्ट्री मारूफ अहमद हनफी के नाम पर करवा दी गई। शासन द्वारा जमीन की निर्धारित न्यूनतम राशि 82 लाख रुपये है। जमीन का सौदा 1.07 करोड़ में तय हुआ था, जिसमें सिर्फ 15 लाख बैंक चेक से मिले है। बाकी रकम 92 लाख रुपये आज तक नहीं मिले। रमेश लोधी को यह भरोसा दिलाया गया था कि रजिस्ट्री करवाने के उपरांत 7 दिन में शेष राशि 92 लाख रूपए दिए जायेंगे। पुलिस जांच में मारूफ को इस सौदे में फ्रंटमैन बताए जाने की बात सामने आई है। जांच में यह भी सामने आया कि जमीन की रकम में सीएसपी के करीबी बताए जा रहे क्षितिज राज बारापात्रे के खातों से फंडिंग की गई थी।

सीएसपी ऑफिस भी सीज

सीएसपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर कार्यालय को सीज किया गया। वहीं, दो एसआई समेत सीएसपी के रीडर, ड्राइवर और गनमैन को सस्पेंड कर दिया गया है। एफआईआर के बाद सीएसपी नेहा पच्चीसिया को जबलपुर डीआईजी कार्यालय में अटैच किया गया है। पुलिस के मुताबिक, कार्रवाई का उद्देश्य जमीन सौदे से जुड़ी केस डायरी और डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखना है।

पुलिस थाने में गरमाई...पैलेट गन की लड़ाई

राहुल गांधी के 6 घंटे धरने के बाद दर्ज की गई साहिल की एफआईआर

नई दिल्ली

राहुल गांधी के 6 घंटे धरने के बाद दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्र साहिल की एफआईआर दर्ज कर ली। लेकिन मामला अज्ञात पर दर्ज किया गया है। साहिल का आरोप है कि पैलेट गन के छर्रे लगने से उसकी आंख की रोशनी चली गई। एफआईआर दर्ज करवाने तक राहुल संसद मार्ग थाने के बाहर ही बैठे रहे और एफआईआर के बाद छात्र के साथ थाने से निकले। राहुल शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे से थाने पहुंचे थे। जब राहुल की मांग नहीं मानी गई, तो वे डीसीपी से मिले। बातचीत का नतीजा न निकलने पर धरने पर बैठ गए। बोले- जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होगी, हटूंगा नहीं। राहुल ने साहिल को लगे छर्रे दिखाकर कहा था- 'ये छर्रे सबूत हैं, साहिल के शरीर से निकले हैं। अगर पुलिस ने गन नहीं चलाई तो किसने चलाई।' राहुल के साथ प्रियंका गांधी, अधीर रंजन चौधरी, सलमान खुर्शीद और जयराम रमेश भी मौजूद थे। एफआईआर दर्ज होने के बाद राहुल ने कहा कि जब दिल्ली में इतने घंटे धरना देना पड़ा तो देश के बाकी हिस्सों में छात्रों और रेप पीड़ितों का क्या हाल होगा। एफआईआर दर्ज करने में हुई देरी पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि ऊपर से न्याय में रुकावट डाली जा रही थी। राहुल बोले- यह न्याय की दिशा में पहला कदम है। इस युवक के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है।

ये न्याय की तरफ पहला कदम है

एफआईआर लिखे जाने के बाद साहिल के परिवार के साथ बाहर आए राहुल गांधी ने कहा कि हमने यहां आकर कुछ नया नहीं किया। लेकिन हमें यहां 8 घंटे लग गए, अपनी शिकायत दर्ज करवाने के लिए। ये न्याय की तरफ पहला कदम है। राहुल ने कहा- पुलिसवाले शिकायत दर्ज करना चाहते थे, लेकिन उन्हें ऊपर से रोककर रखा गया था। हम सुबह 11 या 11.30 बजे यहां पहुंचे थे। हम इतने समय से यहीं हैं। अब लगभग पौने सात बज रहे हैं, तब जाकर एफआईआर दर्ज हुई है। राहुल ने कहा, आखिरी मंजूरी, यानी फाइनल ओके, गृह सचिव और खुद अमित शाह से मिलनी थी। उसके बाद ही एफआईआर दर्ज हो पाई।

साहिल अकेला नहीं है : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सरकार पर छात्रों के खिलाफ पुलिस बर्बरता और साहिल को पैलेट गन से घायल किए जाने के मामले में जवाबदेही से बचने का आरोप लगाते हुए कहा है कि राष्ट्रवाद पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले असलियत में देश के युवाओं के सबसे बड़े दुश्मन हैं। खड़गे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि साहिल अकेला नहीं है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी हर पीड़ित युवा के साथ खड़ी है। साहिल की आवाज दबने नहीं दी जाएगी और उसे न्याय दिलाने की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ी जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, छात्रों की गूँज नहीं थमेगी।

साहिल की मां की शिकायत पर दर्ज हुआ केस

दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान घायल साहिल की मां की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है। पुलिस द्वारा दर्ज की गई इस एफआईआर के मुताबिक अज्ञात आरोपियों पर बीएनएस की धारा 118 और 125 के तहत आरोप लगाए गए हैं। धारा 118 जानबूझकर खतरनाक हथियारों या खतरनाक साधनों से किसी को चोट पहुंचाने पर लगाई जाती है। वहीं, धारा 125 किसी भी ऐसे लापरवाही या उतावलेपन भरे काम पर लागू होती है, जिससे दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा खतरे में पड़ जाए।

जांच के बीच में प्रदर्शन क्यों: रविशंकर

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी के धरने को ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को समझ आ गया है कि वंदे मातरम के मुद्दे पर उसका रुख गलत था। प्रसाद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने रुख को लेकर फंस गई है और इसी से ध्यान हटाने के लिए राहुल गांधी धरना दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल ने बिना अनुमति और पूर्व सूचना के प्रदर्शन किया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब मामले की जांच पहले से चल रही है, तो कांग्रेस ने जांच के दौरान प्रदर्शन क्यों किया। प्रसाद ने कहा कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट की ओर से बनाई गई हाईपावर्ड कमेटी के सामने भी है।

चीनी की बढ़ती कीमतों पर सरकार का बयान

इथेनॉल नहीं, कम उत्पादन जिम्मेदार!

नई दिल्ली। भारत में चीनी के दाम तेजी से बढ़े हैं। सरकार ने अब इसकी वजह साफ की है। सरकार के मुताबिक चीनी महंगी होने का मुख्य कारण इथेनॉल उत्पादन नहीं है। इसके पीछे कम उत्पादन और बढ़ी मांग जैसे कई कारण हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 20 जुलाई को चीनी की कीमत 48.18 रुपये प्रति किलो थी। 20 अगस्त को यह बढ़कर 55.70 रुपये प्रति किलो हो गई। यानी करीब एक महीने में कीमत में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने इथेनॉल को लेकर स्थिति साफ की है। मंत्रालय ने कहा कि चीनी की कीमत बढ़ने को इथेनॉल उत्पादन से जोड़ना सही नहीं है। सरकार के मुताबिक इथेनॉल के लिए चीनी डायवर्ट करने की हिस्सेदारी भी घटी है। 2022-23 में यह करीब 12 फीसदी थी। 2025-26 में यह घटकर करीब 9 फीसदी रह गई है। वहीं देश में बनने वाले इथेनॉल का करीब तीन चौथाई हिस्सा अब अनाज से आता है। इसमें मक्का प्रमुख है। ऐसे में चीनी की मौजूदा कीमत बढ़ने की वजह इथेनॉल को बताना सही नहीं है। सरकार के मुताबिक इस साल चीनी का उत्पादन उम्मीद से कम रहने वाला है। मौजूदा सीजन में करीब 306 लाख टन उत्पादन का अनुमान है। शुरुआत में करीब 343 लाख टन प्रोडक्शन का अनुमान लगाया गया था। गन्ने की फसल में बीमारी और ज्यादा बारिश से नुकसान हुआ है। गन्ने में रेड रॉट और टॉप बोरर बीमारी का असर पड़ा है। कई इलाकों में ज्यादा बारिश के कारण जलभराव भी हुआ। इससे उत्पादन प्रभावित हुआ। हालांकि सरकार का कहना है कि देश में पर्याप्त चीनी स्टॉक मौजूद है। यह स्टॉक अक्टूबर में नया पेराई सीजन शुरू होने तक घरेलू मांग पूरी करने के लिए पर्याप्त है।

तेलंगाना सीएम को अमेरिका जाने की परमिशन नहीं

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को अमेरिका जाने की केंद्र से मंजूरी नहीं मिली है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। सीएमओ के मुताबिक, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाला तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल अमेरिका दौरा नहीं कर सकेगा। विदेश मंत्रालय ने राजनीतिक आधार पर क्लियरेंस देने से इनकार किया है। रेवंत रेड्डी फिलहाल लंदन में हैं। उन्हें अमेरिका के बोस्टन जाना था और 30 अगस्त को हैदराबाद लौटना था, लेकिन अब वे 23 अगस्त को सीधे हैदराबाद लौटेंगे। हालांकि, रेड्डी ने अधिकारियों को अमेरिका जाए बिना वहां के संस्थानों के साथ सभी एमओयू और साझेदारी समझौते पूरे करने के निर्देश दिए हैं।

मप्र में स्वाइन फ्लू से महिला की मौत

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के इंदौर में स्वाइन फ्लू से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मेडिकल रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू संक्रमण की पुष्टि हुई है। महिला को कोई दूसरी बीमारी नहीं थी। मृतक की पहचान सरोज नागर (60) के रूप में हुई है। स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। बैठक में दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और दिल्ली सरकार के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में फ्लू की मौजूदा स्थिति, अस्पतालों की तैयारियों, जांच और इलाज की सुविधाओं के साथ बीमारी को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर चर्चा की गई।

समुद्री लुटेरों के कब्जे में 22 भारतीय नाविक

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार यमन और सोमालिया तट के पास समुद्री लुटेरों के कब्जे में लिए गए दो वाणिज्यिक जहाजों में सवार सभी 22 भारतीय सुरक्षित हैं। शुक्रवार को प्रेस वार्ता में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी दी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, दो जहाज हैं; दोनों पर विदेशी झंडे लगे हैं और उन पर भारतीय नाविक सवार हैं। इनमें कुल 22 (एक जहाज पर 16 और दूसरे पर छह) भारतीय हैं। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, ये 22 नाविक सुरक्षित हैं।

बांग्लादेशी प्रधानमंत्री के भारत दौरे पर कन्फ्यूजन

राष्ट्रपति भवन ने एक ही घंटे में वापस लिया स्वागत वाला मैसेज

नई दिल्ली। बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान के भारत दौरे पर कन्फ्यूजन दिख रहा है। शुक्रवार को भारत के राष्ट्रपति भवन ने एक बयान जारी करके शनिवार को होने वाली 'चेंज ऑफ गार्ड' सेरेमनी को रद्द करने की घोषणा की थी, ताकि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के औपचारिक स्वागत की पूरी रिहर्सल की जा सके। लेकिन बाद में इस घोषणा को वापस ले लिया गया, जिससे इस हाई-प्रोफाइल दौरे की स्थिति को लेकर और उलझन पैदा हो गई है। इस घोषणा को वापस लेने से 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले नई दिल्ली और ढाका के बीच चल रहे राजनयिक तनाव का पता चलता है। बांग्लादेश की ओर से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की हालिया मांग के कारण दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। राष्ट्रपति भवन से जारी एक नए बयान में कहा गया है कि '21 अगस्त, 2026 को इस शनिवार को गार्ड बदलने की रस्म नहीं होगी' इस विषय पर जारी प्रेस विज्ञप्ति को वापस ले लिया गया है। यह बयान भारत के राष्ट्रपति भवन द्वारा बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के स्वागत की पूरी रिहर्सल के लिए साप्ताहिक समारोह को रद्द करने की घोषणा के एक घंटे बाद आया। इससे पहले वापस लिए गए बयान में कहा गया था, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के औपचारिक स्वागत की पूरी रिहर्सल के कारण, इस शनिवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में गार्ड बदलने की रस्म नहीं होगी। इससे ये मैसेज गया था कि बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान आने वाले रविवार को भारत आ रहे हैं। लेकिन एक ही घटे के बाद राष्ट्रपति भवन ने इस संदेश को वापस ले लिया है।

अब पीएचडी के लिए मास्टर डिग्री की जरूरत नहीं

स्नातक के बाद करें पीएचडी

नई दिल्ली (वार्ता)

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी) पूरा करने वाले छात्रों के लिए बिना मास्टर डिग्री के सीधे पीएचडी में दाखिला का रास्ता खोल दिया है, जिससे शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए योग्य छात्र सीधे आवेदन कर सकेंगे। यह नियम 2026-27 अकादमिक सत्र के लिए एक खास उपाय के तौर पर लागू होगा। यह उन छात्रों के लिए है जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्नातक पाठ्यचर्या रूपरेखा (यूजीसीएफ) 2022 के तहत विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए पहले चार साल के अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम को पूरा कर रहे हैं। संशोधित नियमों के तहत जो छात्र कम से कम 7.5 क्युमुलेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज (सीजीपीए) के साथ चौथा साल पूरा करेंगे, वे सीधे पीएचडी कार्यक्रम के लिए आवेदन करने के योग्य होंगे। अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी के छात्रों के लिए योग्यता की सीमा 7.0 सीजीपीए तय की गई है, जो विश्वविद्यालय के दाखिला नियमों के अधीन होगी। डीयू ने बताया कि पहले एफवाईयूपी बैच में 75,948 छात्र शामिल थे, जिन्हें 2022-23 अकादमिक सत्र में दाखिला मिला था। इनमें से 40,005 छात्रों ने तीन साल पूरे किए और 2025 में अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम छोड़ दिया, जबकि 35,943 छात्रों ने चौथे साल में पढ़ाई जारी रखने का विकल्प चुना। इन आंकड़ों में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के जरिए नामांकित हुए छात्र भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय ने कहा कि चौथा साल शोध, उद्यमिता और अकादमिक रूप से मजबूत पढ़ाई पर अधिक जोर देने के लिए डिजाइन किया गया है, साथ ही अंडरग्रेजुएट शिक्षा को वैश्विक डिग्री ढांचे के करीब लाया गया है।

चीन की हिस्सेदारी नियम में ढील

भारत को मिले 4895 करोड़ रुपये के 29 एफडीआई प्रस्ताव

नई दिल्ली

भारत सरकार के एक महत्वपूर्ण निर्णय के बाद देश में विदेशी निवेश में तेजी आई है। मई 2026 में नियमों में ढील दिए जाने के बाद 20 अगस्त, 2026 तक 29 एफडीआई प्रस्तावों की सूचना मिली है। इन प्रस्तावों के तहत कुल 4,895.65 करोड़ रुपये, जो 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है, का प्रस्तावित निवेश भारत में आएगा। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में दी। पहले, भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले किसी भी देश की मामूली हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों को निवेश के लिए सरकारी मंजूरी लेनी पड़ती थी। हितधारकों की मांग पर सरकार ने इन नियमों में संशोधन किया। संशोधित नियमों के अनुसार, जिन विदेशी कंपनियों में चीन या हांगकांग की 10 फीसदी तक हिस्सेदारी है, वे स्वचालित मार्ग से भारत में निवेश कर सकती हैं, बशर्ते वे क्षेत्रीय शर्तों का पालन करें। हालांकि, यह छूट चीन, हांगकांग या भारत से भूमि सीमा साझा करने वाले अन्य देशों में पंजीकृत संस्थाओं पर लागू नहीं होगी। भारत से भूमि सीमा साझा करने वाले देशों में चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान शामिल हैं। वित्त मंत्रालय ने 1 मई, 2026 को फेमा के तहत इन बदलावों को अधिसूचित किया था। ये 29 निवेश विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए हैं। इनमें सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना और संचार, विनिर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, डेटा केंद्र और परिवहन सेवाएं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। इन निवेशों की रिपोर्ट मॉरीशस, संयुक्त राज्य अमेरिका, कोरिया, जापान, सिंगापुर, लक्ज़मबर्ग और केमैन आइलैंड्स जैसे देशों के निवेशकों या संस्थाओं से मिली है। यह दर्शाता है कि भारत वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। सरकार की नीतिगत बदलावों ने विदेशी पूंजी को आकर्षित करने में मदद की है।

नियम बदलने से क्या लाभ हुआ?

मई में अधिसूचित संशोधित ढांचे ने भारत में विदेशी निवेश के प्रवाह को काफी सुगम और तेज किया है। इसने ऐसे मामलों में पूर्व सरकारी मंजूरी की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है। निवेशक इकाई अब स्वचालित मार्ग से आगे बढ़ सकती है, बशर्ते वे लागू रिपोर्टिंग आवश्यकताओं का पालन करें। यह सुधार निवेशकों को अधिक निश्चितता प्रदान करता है। इससे लेनदेन का समय कम होता है और भारत में कारोबार करने में आसानी और मजबूत होती है। सरकार का लक्ष्य निवेश प्रक्रिया को सरल बनाना है।

क्या है नए नियमों का आधार?

प्रेस नोट 2 ऑफ 2026 और फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट रूल्स, 2019 में 1 मई, 2026 को हुए संशोधन के साथ, लाभार्थी स्वामित्व परीक्षण अब निवेशक इकाई के स्तर पर लागू होता है। निवेशक इकाई सरकार को प्रासंगिक जानकारी की रिपोर्ट करने के बाद किसी अन्य मंजूरी के बिना निवेश के साथ आगे बढ़ सकती है। यह ढांचा भूमि सीमा साझा करने वाले देशों के गैर-नियंत्रक स्वामित्व (10 फीसदी तक) वाले मामलों में पूर्व सरकारी मंजूरी की आवश्यकता को हटाता है। इससे निवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति आई है।

रितश्रम ट्रस्ट ने हितकारिणी महिला महाविद्यालय को भेंट की वेंडिंग मशीन, बांटे सेनेटरी पैड

महिला स्वास्थ्य और मासिक धर्म जागरूकता के उद्देश्य से हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

वर्ष 1999 में स्थापित रितश्रम ट्रस्ट, वाराणसी ने महिला स्वास्थ्य और माहवारी (मासिक धर्म) जागरूकता के उद्देश्य से स्कूलों और कॉलेजों में एक विशेष पहल की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत शैक्षणिक संस्थानों में सेनेटरी पैड और सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन का वितरण किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य नीलेश पांडे, शासी निकाय के अध्यक्ष हर्ष जैन जी, हितकारिणी डेंटल कॉलेज के डीन डॉ. रोहित मिश्रा के साथ डॉ. कौशल पति त्रिपाठी उपस्थित रहे।

दान किए एक साल तक के सेनेटरी पैड्स

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और इसके वैज्ञानिक पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया गया। अतिथियों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें समाज में बिना किसी शर्म या संकोच के, गर्व से सिर उठाकर चलने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्राओं को ट्रस्ट की ओर से नि:शुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए गए।

माहवारी स्वच्छता को सुलभ बनाने के लिए रितश्रम ट्रस्ट द्वारा हितकारिणी महिला महाविद्यालय को सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन के साथ-साथ संस्था की छात्राओं के लिए आगामी एक साल तक के सेनेटरी पैड्स का दान दिया गया।रितश्रम ट्रस्ट का यह कदम छात्राओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। संस्था भविष्य में भी अन्य स्कूलों और कॉलेजों में इस अभियान को निरंतर जारी रखेगी ताकि देश की कोई भी बेटी बुनियादी स्वच्छता सुविधाओं से वंचित न रहे।

समय सीमा पर हो नागरिकों की समस्याओं का निराकरण

अधिकारियों के साथ हुई बैठक में महापौर, अध्यक्ष ने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम के जोन कार्यालयों में जनसुविधाओं को बेहतर बनाने और प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने संभागीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर श्री अन्नू के साथ निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, एमआईसी सदस्य डॉ सुभाष तिवारी और जोन अध्यक्ष अतुल जैन दानी, वर्षा मनोज सैन, पार्षद श्रीमती प्रतिभा भापकर एवं संभागीय अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे। महापौर ने कहा कि शहर का प्रत्येक नागरिक हमारे लिए 'देवतुल्य' है। ऐसे में नगर निगम के किसी भी कार्यालय में आने वाले प्रत्येक नागरिक को पूरा सम्मान और आदर-सत्कार मिलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों के जरूरी कार्यों और समस्याओं का तय समय-सीमा के भीतर तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान महापौर अन्नू, निगम अध्यक्ष रिकुंज विज और एम.आई.सी. सदस्यों ने योजना, लोककर्म, पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था जैसे प्रमुख नागरिक सरोकारों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। महापौर श्री अन्नू ने कहा कि आने वाले समय में जोन कार्यालयों में आने वाले हर नागरिक की शिकायत और समस्या को सीधे कंप्यूटर में दर्ज किया जाएगा, जिससे कार्यों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग हो सके और कोई भी फाइल लंबित न रहे। संभाग क्रमांक 6 और 14 के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आश्वस्त किया कि नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी और सभी सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा। महापौर और निगम अध्यक्ष के संभाग 6 व 14 पहुंचने पर वहां उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों में विशेष उत्साह देखा गया। इस पहल से न केवल कार्यप्रणाली में तेजी आएगी, बल्कि आम जनता और नगर निगम के बीच विश्वास और भी मजबूत होगा।

भव्य सांस्कृतिक आयोजन के साथ होगी भगवान जगन्नाथ की आराधना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जय जगन्नाथ मिशन अन्तर्राष्ट्रीय के संस्थापक डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि सितम्बर 2026 में जबलपुर में भगवान जगन्नाथ को समर्पित भव्य एवं दिव्य धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा। इस विशेष आयोजन में भगवान जगन्नाथ चेतना और मानसिक स्वास्थ्य पुस्तक का विमोचन भी किया जाएगा। इस पुस्तक के रचयिता डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी हैं। पुस्तक में भगवान जगन्नाथ की आध्यात्मिक चेतना को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव, चिंता, सकारात्मक सोच और जीवन में आनंद से जोड़ने का प्रयास किया गया है। आयोजन का प्रमुख आकर्षण उड़ीसा के प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ भक्ति संगीत एवं भजनों के गायकों की विशेष प्रस्तुति होगी।

भक्तिमय संगीत के माध्यम से जबलपुरवासियों को भगवान जगन्नाथ की भक्ति, प्रेम, समरसता और मानव कल्याण का संदेश दिया जाएगा। जय जगन्नाथ मिशन अन्तर्राष्ट्रीय का उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की समावेशी चेतना, मानव सेवा, सामाजिक समरसता और मानसिक प्रसन्नता के संदेश को देश-विदेश तक पहुंचाना है। आगामी आयोजन इसी उद्देश्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। शरद काबरा, रामजी अग्रवाल, संजय राणा, अभय तिवारी, अभिनव पुरुषोत्तम, डॉ. आर.के. चतुर्वेदी, विजय केसरवानी, मनोज शर्मा, अर्चना तिवारी, रामजियन सिंह, अरविन्द खरे, कमलेश तिवारी, राजीव तिवारी, मनोज सराफ सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

हितकारिणी वूमेंस कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में मनाया गया अक्षय ऊर्जा दिवस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी वूमेंस कॉलेज ऑफ़ एजूकेशन में प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी के निर्देशन में अक्षय ऊर्जा दिवस धूमधाम से मनाया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्वागत वक्तव्य के साथ हुआ। प्राचार्य डॉ सुलक्षणा त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में अक्षय ऊर्जा के महत्व को बताते हुए कहा कि अक्षय ऊर्जा पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में सहायक है,इसके द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है और जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम की जा सकती है। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ाना, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना व रोजगार एवं स्थानीय आर्थिक विकास के अवसर उत्पन्न किये जा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह संदेश दिया कि ऊर्जा का संरक्षण केवल सरकार या किसी संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को अपनी दैनिक आदतों में ऊर्जा बचाने के प्रयास करने चाहिए। बिजली के उपकरणों को आवश्यकतानुसार ही चालू करना, प्राकृतिक प्रकाश का उपयोग करना तथा सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को अपनाकर ऊर्जा की बचत की जा सकती है। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रभारी डॉ तृप्ति श्रीवास्तव द्वारा विद्यार्थियों को अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों तथा उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल विद्युत, बायोमास तथा भू-तापीय ऊर्जा के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि अक्षय ऊर्जा प्राकृतिक रूप से लगातार उपलब्ध होती रहती है और इसके उपयोग से पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम की जा सकती है। विद्यार्थियों ने ऊर्जा संरक्षण तथा पर्यावरण सुरक्षा से संबंधित संदेश प्रस्तुत किए।

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा समिति की सदस्य डॉ निधि माथुर द्वारा किया गया। लगभग 20 छात्राओं द्वारा निबंध प्रतियोगिता में सहभागिता की गई। तत् पश्चात अक्षय ऊर्जा का उपयोग करने हेतु महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों , कर्मचारियों एवं छात्राओं को प्राचार्य डॉ सुलक्षणा त्रिपाठी द्वारा अक्षय ऊर्जा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने की शपथ दिलाई गई। सभी ने यह शपथ ली कि वह अक्षय ऊर्जा का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करेंगे और पर्यावरण को बचाने का प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं उपस्थित सभी प्रतिभागियों को ऊर्जा संरक्षण और अक्षय ऊर्जा के अधिकाधिक उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता, जिम्मेदारी और सतत विकास की भावना विकसित करने में उपयोगी रहा।

अंततः सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे ऊर्जा का अनावश्यक उपयोग नहीं करेंगे तथा अपने परिवार और समाज में भी अक्षय ऊर्जा एवं ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाएँगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, जया सामदेकर, ऋषभ भट्ट, लाइब्रेरियन ज्योति शर्मा एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, अविनाश लखेरा, प्रेमलता चौबे, विजय दहायत, प्रीति नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

विजय रजक बने जबलपुर संभाग प्रभारी

छात्र संघ चुनाव के लिए कांग्रेस ने कसी कमर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

प्रदेश कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे की सहमति से आगामी सितम्बर माह में होने छात्र संघ चुनाव होने की संभावना को देखते हुए अपने प्रभारियो की नियुक्ति कर दी है। जिसके चलते जबलपुर संभाग का प्रभारी विजय रजक को नियुक्त किया गया है, विजय रजक जबलपुर जिले के सबसे लंबे समय तक एनएसयूआई के अध्यक्ष रहे है। विजय की छात्र राजनीति की समझ को देखते हुए संभाग के 8 जिलों पर वर्तमान छात्र संघ चुनाव हेतु छात्र नेताओं व जिले के वरिष्ठ नेताओं में समन्वय, चुनावी कॉलेजो का चयन कर जल्द कार्यकारणी गठन, जमीनी दौरा, सीधा संवाद व प्रत्याशी चयन का कार्य मुख्य रूप से करना होगा, किसी भी प्रकार की कानूनी मदद व चुनावी मार्गदर्शन की कमेटी भी बनाने की जिम्मेदारी विजय को सौपी गई है। अपनी नियुक्ति पर विजय ने संगठन के वरिष्ठ नेताओ का आभार व्यक्त किया है, व जिले के छात्र नेताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए महाकौशल कॉलेज परिसर में स्वागत किया है।

लगातार हो रही बारिश से मौसम हुआ ठंडा-ठंडा, कूल-कूल

तापमान में आई भारी गिरावट, जारी रहेगा बारिश का सिलसिला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। जिसके प्रभाव से अगले 24 घंटों के दौरान जबलपुर संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारे पड़ सकती हैं। शुक्रवार को भी झिर-झिराता पानी और नमीं भरी हवाओं ने मौसम को ठंड-ठंडा कूल-कूल कर दिया है। शुक्रवार को सुबह से जारी हल्की बारिश से तापमान में भी गिरावट आई है। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। कभी भी किसी भी क्षण तेज बारिश हो सकती है। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से जानकारी के अनुसार पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर बना हवा के कम दबाव का क्षेत्र प्रभावी होने से पिछले दिनों शहर में जोरदार बारिश हुई, उसके बाद से पिछले कई दिनों से आसमान पर बादल छाए हुए हैं। इससे वातावरण में नमीं बनी हुई है। जोरदार बारिश के दौर के बाद पानी की फुरफुराहट और कभी मध्यम गति की बारिश का दौर जारी है। जिससे पानी में घुलकर नम हुई हवाएं ठंडक का एहसास करा रही हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम न्यूनतम तापमान 24.3 डिग्री सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 96 प्रतिशत और सायंकाल 95 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.49 व सूर्यास्त 6.37 बजे हुआ। पिछले 24 घंटों के दौरान 12.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 470.5 मिमी (लगभग 18 इंच) दर्ज गई की गई। पिछले वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री दर्ज किया गया था। **फोटो: अनिल तिवारी**

20 लाख किया जाए बिजली कार्मिकों को दुघर्टना बीमा, बिना शर्त मिले अनुकंपा नियुक्ति

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड प्रबंधन ने तकनीकी कर्मचारियों के लिए बड़ी बेहतरीन पहल की है। मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में कार्यरत नियमित, संविदा और आउटसोर्सिंग तकनीकी श्रेणी के कर्मचारियों के लिए 15 लाख रुपये की दुर्घटना बीमा योजना के विश्लेषण के लिए मुख्यालय स्तर पर 5 सदस्यीय सभी प्रबंध संचालक, ऊर्जा सचिव, सीएमडी से राकेश डीपी पाठक, यूके पाठक, दिनेश दुबे, अनूप वर्मा, उमाशंकर दुबे, केदारनाथ अग्निहोत्री, सीताराम कुरचानिया, अवनीश तिवारी, मोहित पटेल, योगेश पटेल, राजेश मिश्रा, दीपक मेमने, मोहन श्रीवास आदि ने अनुरोध किया है कि यह पहली बार बहुत ही बेहतरीन योजना का बनाने की शुरुआत हुई है।

सभी बिजली कंपनियां अपनी -अपनी कंपनी में ऐसे ही योजना बनाएं। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि इस योजना के किंयावित होने सभी बिजली कंपनियों के नियमित, कंपनी कैडर, संविदा, सबसे ज्यादा दुर्घटना के शिकार हो कर अपाहिज होने और जान गंवाने वाले आउट सोर्स कर्मचारियों के लिए उनके और उनके आश्रित परिवार के अतुल्यनीय निर्णय होगा।

एपीएन स्कूल का छात्र अलंकरण समारोह हुआ सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

एपीएन सीबीएसई सीनियर सेकेंडरी स्कूल सदर कैंट में आयोजित इन्वेस्टिचर सेरेमनी (छात्र परिषद अलंकरण समारोह) में अत्यंत गरिमामय वातावरण में सफल आयोजन किया गया। समारोह का उद्देश्य नवनिर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को उनके पदों की जिम्मेदारी सौंपना और उनमें नेतृत्व क्षमता एवं अनुशासन की भावना को बढ़ाना था। मुख्य अतिथि जितेंद्र सिंह की आगवानी स्कूल कैडेट्स द्वारा की गई तथा स्कूल छात्रों द्वारा मनमोहक बैंड का प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जितेंद्र सिंह एएसपी क्राइम ब्रांच रहे, विद्यालय के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव, विद्यालय के प्राचार्य करण खुराना तथा उपप्राचार्य डॉ. वरिमा नागपाल बोकारे द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, देशभक्ति गीत और प्रेरणादायक नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिसने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। समारोह के मुख्य चरण में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बैच और सैश पहनाकर एवं विद्यालय ध्वज दे कर सम्मानित किया गया।

मच्छर जनित रोगों से बचाव के लिए जिनसार के विद्यार्थियों ने चलाया जागरूकता अभियान

अंजुमन इस्लामिया हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों को बताए सुरक्षा के उपाय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च द्वारा 20 अगस्त को अंजुमन इस्लामिया हायर सेकेंडरी स्कूल में मच्छर जनित रोगों की रोकथाम हेतु जागरूकता विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समुदाय में मच्छर जनित रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इनके बचाव के लिए आवश्यक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी उपायों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए मच्छर जनित रोगों से बचाव एवं रोकथाम के संबंध में स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की। विद्यार्थियों ने बताया कि आसपास की स्वच्छता बनाए रखना, घर एवं परिसर में पानी जमा न होने देना, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना तथा व्यक्तिगत सुरक्षा के उपाय अपनाना मच्छर जनित संक्रमणों की रोकथाम में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

स्वच्छता बनाए रखने किया प्रेरित- विद्यार्थियों ने स्कूल के प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए उन्हें मच्छरदानी एवं आवश्यकतानुसार मच्छर निरोधक साधनों के उपयोग, आसपास पानी जमा न होने देने तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि वे अपने परिवार एवं समुदाय के अन्य सदस्यों तक भी मच्छर जनित रोगों से बचाव संबंधी जानकारी पहुंचाएं। कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च के मार्गदर्शन एवं निरंतर सहयोग से संभव हुआ। कार्यक्रम का समन्वय मोहम्मद अलीम (नर्सिंग फैकल्टी) एवं हेमलता ठाकुर (नर्सिंग फैकल्टी) द्वारा किया गया। समन्वयकों ने विद्यार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कार्यक्रम की योजना एवं संचालन को सुचारु रूप से सुनिश्चित किया। कार्यक्रम जानकारीपूर्ण एवं संवादात्मक रहा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को मच्छर नियंत्रण, व्यक्तिगत सुरक्षा, पर्यावरणीय स्वच्छता एवं रोगों की रोकथाम के प्रभावी उपायों की जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को अपने घर एवं आसपास के क्षेत्र को मच्छर मुक्त एवं स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया। समग्र रूप से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शनिवार 22 अगस्त 2026

माइंड मैप: कम समय में पूरे अध्याय को दोहराने की स्मार्ट तकनीक

परीक्षा के समय विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है, कम समय में अधिक से अधिक पाठ्यक्रम का प्रभावी रिवीजन करना। ऐसे में माइंड मैप एक उपयोगी और आसान तकनीक साबित हो सकता है। इसमें किसी बड़े अध्याय या विषय को मुख्य शब्दों, छोटे वाक्यों, चित्रों और आपस में जुड़ी शाखाओं के माध्यम से एक पेज पर व्यवस्थित किया जाता है।

मुख्य विचार से करें शुरुआत

माइंड मैप बनाते समय पेज के बीच में अध्याय या विषय का मुख्य नाम लिखें। इसके बाद उससे जुड़ी प्रमुख अवधारणाओं को अलग-अलग शाखाओं में बांटें। उदाहरण के लिए इतिहास के किसी अध्याय में प्रमुख घटनाएं, तिथियां, स्थान, व्यक्तित्व और परिणाम अलग-अलग शाखाओं में लिखे जा सकते हैं।

कम शब्द, ज्यादा जानकारी

माइंड मैप में लंबे उत्तर लिखने के बजाय महत्वपूर्ण शब्द और संकेत लिखे जाते हैं। इससे विद्यार्थी पूरे उत्तर की संरचना को जल्दी याद कर सकते हैं। परीक्षा से पहले एक नजर में पूरे अध्याय का दोहराव संभव हो जाता है।

चित्र और रंग बनाएं यादगार

चित्र, प्रतीक, तीर और अलग-अलग रंगों का प्रयोग माइंड मैप को अधिक आकर्षक बनाने के साथ याददाश्त में भी मदद करता है। विज्ञान के किसी अध्याय में चित्रों और प्रक्रिया के क्रम का उपयोग किया जा सकता है, जबकि गणित में सूत्रों को अलग शाखाओं में रखा जा सकता है।

रिवीजन का समय होता है कम

जहां सामान्य नोट्स दोबारा पढ़ने में काफी समय लग सकता है, वहीं माइंड मैप के जरिए मुख्य बिंदुओं को तेजी से दोहराया जा सकता है। विशेष रूप से परीक्षा के अंतिम दिनों में यह तकनीक काफी उपयोगी हो सकती है।

हर विषय के लिए उपयोगी

माइंड मैप केवल किसी एक विषय तक सीमित नहीं है। हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, इतिहास, भूगोल और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों में इसका उपयोग किया जा सकता है। विद्यार्थी प्रत्येक अध्याय के लिए एक अलग माइंड मैप तैयार कर अपनी व्यक्तिगत रिवीजन फाइल भी बना सकते हैं।

अपना माइंड मैप खुद बनाएं

माइंड मैप का सबसे अधिक लाभ तब मिलता है जब विद्यार्थी इसे स्वयं तैयार करते हैं। अध्याय पढ़ने के बाद अपनी समझ के अनुसार मुख्य बिंदु लिखने से जानकारी लंबे समय तक याद रहने की संभावना बढ़ती है। जरूरत पड़ने पर डिजिटल टूल या एआई की सहायता से विचारों को व्यवस्थित किया जा सकता है, लेकिन अंतिम माइंड मैप अपनी समझ से बनाना अधिक प्रभावी है।

ऑनलाइन टीचिंग: आसान, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं

आज का युग तकनीक और इंटरनेट का है। शिक्षा के क्षेत्र में भी मोबाइल, कंप्यूटर, टैबलेट और इंटरनेट का उपयोग तेजी से बढ़ा है। ऑनलाइन अध्ययन ने विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को अधिक सुलभ, सुविधाजनक और व्यापक बनाया है। हालांकि इसके सकारात्मक प्रभावों के साथ कुछ चुनौतियां भी सामने आई हैं।

शिक्षा हुई आसान और सुलभ

ऑनलाइन टीचिंग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि स्टुडेंट्स घर बैठे विभिन्न विषयों की वीडियो, नोट्स, ई-बुक और अभ्यास सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। कठिन विषय को वे अपनी सुविधानुसार बार-बार देखकर या पढ़कर समझ सकते हैं।

ज्ञान का बढ़ा दायरा

इंटरनेट स्टुडेंट्स के लिए ज्ञान का विशाल स्रोत है। पाठ्यपुस्तकों के अलावा वे विज्ञान, इतिहास, साहित्य, कला, भाषा और तकनीक जैसे अनेक विषयों की अतिरिक्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इससे उनकी जिज्ञासा और सामान्य ज्ञान का विस्तार होता है।

तकनीकी ज्ञान का विकास

ऑनलाइन अध्ययन विद्यार्थियों को स्वयं सीखने के लिए प्रेरित करता है। विषयों की खोज, ऑनलाइन टेस्ट, डिजिटल पुस्तकालय और विभिन्न शैक्षणिक प्लेटफ ॉर्म के उपयोग से उनमें आत्मनिर्भरता, समस्या-समाधान क्षमता और तकनीकी दक्षता विकसित होती है।

पढ़ाई बनी रोचक

वीडियो, चित्र, एनीमेशन, ऑडियो और इंटरएक्टिव गतिविधियों के कारण कठिन विषय भी सरल और रोचक लगने लगते हैं। विशेष रूप से विज्ञान और गणित जैसे विषयों को दृश्य माध्यम से समझना विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हो सकता है।

परीक्षा तैयारी में मददगार

विद्यार्थी ऑनलाइन पुराने प्रश्नपत्र, मॉडल पेपर और अभ्यास प्रश्न हल कर अपनी तैयारी का आकलन कर सकते हैं। इससे कमजोर विषयों की पहचान कर उन पर अधिक ध्यान देना संभव होता है।

लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और शारीरिक गतिविधियां कम हो सकती हैं। सोशल मीडिया, गेम और मनोरंजन की सामग्री विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई से भटका सकती है। अत्यधिक ऑनलाइन अध्ययन सामाजिक संवाद को भी प्रभावित कर सकता है।

शिक्षक-विद्यार्थी संवाद का महत्व

ऑनलाइन शिक्षा में शिक्षक से संपर्क संभव है, लेकिन आमने-सामने की कक्षा जैसा संवाद हमेशा नहीं हो पाता। इसलिए शिक्षक का मार्गदर्शन, नियमित बातचीत और पारंपरिक कक्षा का महत्व बना रहता है।

चित्रा परिहार
प्राचार्य, हितकारिणी उ.मा. शाला, गोरखपुर, जबलपुर।

एआई: सीखने का साथी, सोचने की क्षमता का विकल्प नहीं

आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा और दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनती जा रही है। पढ़ाई के लिए जानकारी जुटाने, कठिन विषयों को समझने, भाषाएं सीखने, रचनात्मक कार्य करने और समस्याओं के समाधान तलाशने में एआई विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साधन साबित हो रही है। लेकिन जरूरी है कि विद्यार्थी इसका उपयोग अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए करें, न कि अपनी सोच को इसके हवाले कर दें।

सीखने का सहायक बनाएं

विद्यार्थी कठिन विषय को समझने, अलग-अलग उदाहरण प्राप्त करने, अपने विचार व्यवस्थित करने और अभ्यास करने के लिए एआई की सहायता ले सकते हैं। इससे सीखने की प्रक्रिया सरल और रोचक हो सकती है। हालांकि किसी असाइनमेंट, प्रोजेक्ट या परीक्षा की तैयारी में एआई से मिली सामग्री को बिना समझे सीधे अपनाना उचित नहीं है।

सोचें, फिर एआई की मदद लें

एआई पर अत्यधिक निर्भरता से स्वयं सोचने, विश्लेषण करने और समस्या का समाधान खोजने की आदत कमजोर हो सकती है। इसलिए विद्यार्थियों के लिए यह सूत्र उपयोगी है, 'पहले स्वयं सोचें, फिर इसकी सहायता लें।' इससे जिज्ञासा, धैर्य और रचनात्मक सोच का विकास बना रहेगा।

डिजिटल जिम्मेदारी भी जरूरी

एआई से प्राप्त जानकारी की सत्यता जांचना, व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचना और कॉपी-पेस्ट के बजाय अपनी समझ से उत्तर तैयार करना विद्यार्थियों की जिम्मेदारी है। शैक्षणिक ईमानदारी बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

शिक्षक और अभिभावक दें सही मार्गदर्शन

विद्यालय और अभिभावकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। शिक्षकों को विद्यार्थियों को एआई के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग की जानकारी देनी चाहिए। अभिभावकों को केवल नियंत्रण के बजाय संवाद के माध्यम से तकनीक के सकारात्मक उपयोग के लिए प्रेरित करना चाहिए।

प्रियंका पाठक खुरासिया
प्राचार्य
हितकारिणी कन्या उ.मा. शाला, बीटी तिराहा गढ़ा, जबलपुर।

कांवड़ यात्रा और भगवान शिव की उपासना

भारतीय संस्कृति में कांवड़ यात्रा आस्था, भक्ति और समर्पण का महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है। यह यात्रा मुख्य रूप से सावन माह में निकाली जाती है। इस दौरान शिवभक्त पवित्र नदियों से जल लेकर भगवान शिव के मंदिरों तक पैदल यात्रा करते हैं और शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं। कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि श्रद्धा, अनुशासन, सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है।

भगवान शिव को महादेव, भोलेनाथ और शंकर के नाम से जाना जाता है। वे अपने भक्तों की सच्ची श्रद्धा और भक्ति से शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं। इसलिए उन्हें भोलेनाथ कहा जाता है। सावन माह में भगवान शिव की पूजा और जलाभिषेक करने से सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालु कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और विश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं। यात्रा मार्ग में अनेक स्थानों पर सेवा शिविर लगाए जाते हैं, जहां यात्रियों को भोजन, पानी, चिकित्सा और विश्राम की सुविधाएं दी जाती हैं। इससे समाज में सहयोग और भाईचारे की भावना मजबूत होती है।

भगवान शिव की उपासना हमें सादगी, संयम, दया और समानता का संदेश देती है। सावन और कांवड़ यात्रा हमें पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जल बचाने की प्रेरणा भी देते हैं।

कंचन बलैया
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर।

आत्मा की निर्मलता का सौंदर्य है योग

योग केवल देह को साधने की प्रक्रिया नहीं, वह देह को चेतना से, श्वास को प्राण से और व्यक्ति को विराट जीवन से जोड़ने वाला सेतु है। यह बाह्य जगत् से पलायन नहीं, अपने अंतर्जगत् में अवगाहन की यात्रा है। जब मन की चंचल तरंगें शांत होकर आत्मा के निर्मल दर्पण में विलीन होने लगती हैं, तब योग अपने वास्तविक सौंदर्य में प्रकट होता है।

विद्यार्थी-जीवन में योग का महत्व और भी गहरा है। शाला में योग को केवल प्रार्थना अथवा शारीरिक अभ्यास तक सीमित न रखकर जीवन-पद्धति के रूप में समझाया जाना चाहिए। आसन, प्राणायाम और ध्यान के साथ विद्यार्थियों को यह भी बताया जाए कि योग मन को एकाग्र, विचारों को व्यवस्थित और व्यवहार को संतुलित करता है। कुछ क्षणों का सजग श्वास-अभ्यास भी अध्ययन से पूर्व मन को स्थिर कर सकता है।

योग की पहली शिक्षा है अपने भीतर उपस्थित होना। विद्यार्थी यदि प्रतिदिन कुछ समय श्वास पर ध्यान दे, शरीर को सक्रिय रखे, पर्याप्त विश्राम करे और अपने विचारों का निरीक्षण करे, तो धीरे-धीरे उसमें आत्मानुशासन और एकाग्रता विकसित होती है। योग जीवन से अलग कोई अतिरिक्त क्रिया नहीं; भोजन, अध्ययन, खेल, विश्राम और व्यवहार में संतुलन स्थापित करना भी योग ही है।

अध्ययन में तर्कशक्ति बढ़ाने के लिए योग विशेष रूप से सहायक हो सकता है। स्थिर मन किसी विषय को अधिक स्पष्टता से देखता है। विद्यार्थी केवल उत्तर याद करने के स्थान पर प्रत्येक तथ्य के पीछे 'क्यों', 'कैसे' और 'यदि ऐसा न हो तो?' जैसे प्रश्न उठाएँ। ध्यान मन को एकाग्र करता है और प्रश्न करने की प्रवृत्ति बुद्धि को विश्लेषणशील बनाती है। इस प्रकार योग स्मरणशक्ति के साथ विवेक और तार्किक दृष्टि को भी पुष्ट करता है।

योग का सौंदर्य स्थिरता और गति के उस अद्भुत समन्वय में है, जहाँ बाहर शरीर संयमित होता है और भीतर चेतना जाग्रत। साधना की प्रत्येक अवस्था मनुष्य से अनावश्यक को हटाकर उसके भीतर छिपी संभावनाओं को प्रकाशित करती है।

इसलिए विद्यार्थी के लिए योग केवल स्वस्थ शरीर का अभ्यास नहीं, स्वच्छ विचार, संयमित जीवन, सजग बुद्धि और निर्मल अंतःकरण की साधना है। जब श्वास में लय, विचार में स्पष्टता और आचरण में संतुलन उतरता है, तब शिक्षा केवल ज्ञानार्जन नहीं रहतीकृवह व्यक्तित्व के निर्माण की साधना बन जाती है। यही योग का वास्तविक सौंदर्य है और यही उसकी जीवनोपयोगी सार्थकता।

राजेश पाठक 'प्रवीण'
साहित्यकार एवं चिंतक
जबलपुर।

शब्द पहेली - 8954

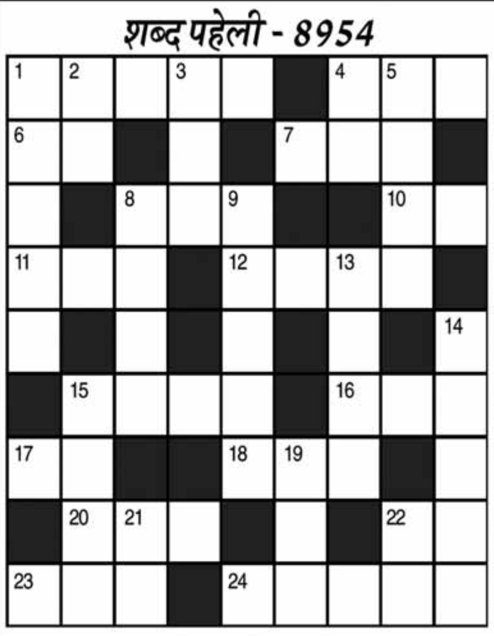

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8953 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में आम जन की समस्याओं का हो रहा है निराकरण

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिविर के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिया जा रहा

उमरिया (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से जहां एक ओर आम जन की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया जा रहा है । मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी गांव गांव पहुंचकर समस्याओं का निराकरण कर रहे है। उमरिया जिले का तीसरा शिविर पाली विकासखंड के अमिलिहा में आयोजित हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में उपस्थित आवेदकों ने अपने आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रेषित करते हुए शीघ्र समाधानकारक कार्यवाही करने तथा शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। शिविर में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी,सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, डीएफओ विवेक सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता सहित प्रशासनिक अधिकारी , जनप्रतिनिधि व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अमिलिहा में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों के लगाए गए स्टॉलों में आवेदकों ने अपने आवेदन प्रस्तुत किए जिनका पंजीकरण किया गया। शिविर में आधार कार्ड के तीन, संबल के दो, किसान के वाय सी के एक, आयुष विभाग के 43, एन आर एल एम के 20, उद्यानिकी के 2, ई विकास टोकन के 2, पशु पालन विभाग अंतर्गत केसीसी 13 एवं आचार्य विद्या सागर योजना के एक, आहार अनुदान के एक तथा मत्स्य पालन के 2 आवेदनों का पंजीकरण किया गया । शिविर में 32 व्यक्तियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया ।इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि अभियान के दौरान अधिकारी गांव गांव पहुंचकर लोगो की समस्याएं एवं शिकायते सुन रहे है तथा विभिन्न शासकीय संस्थाओं का भी निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों को दूर करने की आवश्यक कार्यवाही भी की जा रही है। उन्होने ग्रामीण जनों से शिविर में आकर विभागों से संबंधित आवेदन देने एवं समस्याएं बताने की अपेक्षा की। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम जन की समस्याओ के निराकरण में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य किया जा जाए। शिविर आयोजन से पूर्व कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह के साथ पाली विकासखंड के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों का भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया । उन्होंने मालाचुआ में आरोग्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों की शिकायत पर तीन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ को नोटिस देकर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए ।साथ ही पशु चिकित्सालय के नियमित न खुलने की शिकायत पर एव्हीएफओ के विरूध्द कार्यवाही हेतु कलेक्टर व्दारा निर्देशित किया गया। उन्होने ग्राम पंचायत में बनाई जा रही 65 मीटर सडक के निर्माण कार्य का अवलोकन किया तथा ग्रामीणों की श्मशान घाट में अतिक्रमण किए जाने की शिकायत पर एसडीएम को जांच के निर्देश दिए। उन्होंने वृध्द महिला ममता चौधरी को पेंशन सहित अन्य पात्र योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने इस दौरान उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने सीनियर बालक जन जातीय छात्रावास का निरीक्षण करते हुए अधीक्षक को स्पष्ट निर्देश दिए कि छात्रावास में सभी व्यवस्थाएं एक सप्ताह में दुरूस्त करें अन्यथा एक सप्ताह बाद निरीक्षण में कमी पाए जाने पर कडी कार्यवाही की जाएगी। उन्होने विद्यालय परिसर में निर्मित अतिरिक्त भवन को शिक्षा विभाग को हस्तांतरित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने शाहपुर ग्राम में आजीविका ग्राम संगठन की महिलाओ से संवाद कर उनके व्दारा संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की ।स्व सहायता समूह की महिलाओ ने बताया कि कुल 15 समूह कार्यरत है। समूहों व्दारा खेती, मनिहारी एवं किराना व्यवसाय का कार्य संपादित किया जा रहा है ।कलेक्टर ने उचित मूल्य दुकान , सामूहिक स्वच्छता परिसर एवं उप स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया ।

जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर ने निर्मल ग्राम पंचायत औढ़ेरा में आम जनों से संवाद करते हुए शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी प्राप्त की। ग्रामीण जनों ने बताया कि ग्राम में 121 व्यक्तियो को पेंशन का लाभ मिल रहा है ।साथ ही नियत समय पर उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न की उपलब्धता भी हो रही है। कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पंजीयन, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव की सूची प्रदर्शित करने तथा फार्मर आईडी तथा पीएम मान धन के रजिस्ट्रेशन की बात कही। उन्होने कुसमहाखुर्द में पंचायत भवन एवं आंगनबाडी भवन का निरीक्षण किया ।निरीक्षण के क्रम में कलेक्टर ने माध्यमिक एकीकृत शाला कांचोदर में बच्चों से पठन पाठन एवं मध्यान्ह भोजन वितरण के संबंध में जानकारी ली ।बच्चों ने बताया कि अभी सामाजिक अध्ययन की पुस्तके प्राप्त नही हुई है। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि दो दिवस में जिले के सभी विद्यालयो में सभी विषयो की पुस्तके उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें । उन्होने ग्राम पंचायत में एक माह में हर घर में नल के माध्यम से जल उपलब्ध कराने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। उप स्वास्थ्य केंद्र में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ओपीडी रजिस्टर देखा तथा दवाई वितरण की जानकारी प्राप्त की । उन्होने कन्नाबहरा में निर्माणाधीन 50 सीटर आदिवासी बालक छात्रावास का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। शाहपुर के प्रगतिशील कृषक शैलेंद्र व्दिवेदी व्दारा की जा रही समन्वित कृषि प्रणाली के तहत अदरक , मक्का, केला एवं सब्जियों की खेती का निरीक्षण किया तथा विभागीय अधिकारियो को निर्देश दिए कि अन्य किसानो को भी समन्वित कृषि के लिए जागरूक किया जाए। उन्होने आमगार गांव में कृषक शंकराचार्य अग्निहोत्री व्दारा 15 एकड मे लगाए गए कोदो की फसल का अवलोकन किया । किसान ने बताया कि उसके व्दारा एक एकड में कोदो के साथ अमरू की भी खेती की जा रही है । इस दौरान एसडीएम मीनाक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रिया अग्रवाल, सीईओ जनपद कन्हई कुंवर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

23 अगस्त को निकलेगी 12वीं जय हिन्दू राष्ट्र कांवड़ यात्रा

हटा (स्वतंत्र मत)। सावन माह के पावन अवसर पर 12वीं जय हिन्दू राष्ट्र कांवड़ यात्रा का आयोजन रविवारए 23 अगस्त को किया जाएगा। पिछले 11 वर्षों से श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित हो रही। इस यात्रा में इस वर्ष भी बड़ी संख्या में शिवभक्तों के शामिल होने की संभावना है। यात्रा सुबह करीब 6 बजे हटा के पुरानी मछरयाई क्षेत्र स्थित शंकरजी के चबूतरा, मां विंध्यवासिनी मंदिर से प्रारंभ होगी। यहां से कांवड़िए तीनबत्ती तिगड्डा, पेट्रोल पंप, अंधियारा बगीचा और दमोह नाका होते हुए आगे बढ़ेंगे। इसके बाद यात्रा रुसल्ली, सोजना, कुड़ाई, देवडोंगरा और हिंडोरिया होते हुए प्रसिद्ध तीर्थस्थल बांदकपुर पहुंचेगी। यात्रा का अंतिम पड़ाव देव श्री जागेश्वर नाथ मंदिर रहेगा जहां शिवभक्त भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। आयोजकों के अनुसार यात्रा के शाम करीब 5 बजे बांदकपुर पहुंचने की संभावना है। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने को देखते हुए आयोजक मंडल ने पुलिस अधीक्षक दमोह को आवेदन देकर सुरक्षा, यातायात और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने की मांग की है। आयोजकों ने प्रशासन को आश्वस्त किया है कि यात्रा के दौरान जारी सभी निर्देशों और नियमों का पालन किया जाएगा।

अवैध मदिरा जब्त

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत सरईटोला घंघरी में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अवैध मदिरा जप्त की है। जानकारी अनुसार सीमा कोल पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए उसके पास से 7 लीटर कच्ची महुआ शराब शराब जप्त की है, जिसकी कीमत 700 रुपये है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है।

आरोपी के कब्जे से देशी प्लेन जब्त

उमरिया। इंदवार थाना अंतर्गत पड़खुरी में पुलिस ने आरोपी सुखनंदन प्रजापति पर कार्यवाही करते हुए उसके पास से 16 पाव देशी प्लेन मदिरा जप्त की है जिसकी कीमत 1120 रु0 है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

मारपीट करने पर मामला कायम

उमरिया। नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम छादाकला आरोपी द्वारा फरियादी से गाली गलौज मारपीट की गई। जानकारी अनुसार पुलिस ने इस मामले में फरियादि फुलेल सिंह की शिकायत पर आरोपी राकेश सिंह पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

एक्सीडेंट करने पर मामला कायम

उमरिया। चंदिया थाना अंतर्गत वार्ड क्र0 1 चंदिया में वाहन चालक द्वारा वाहन को लापरवाही पूर्वक चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया गया। जानकारी अनुसार अहमद रजा की शिकायत पर पुलिस ने अब्दुल वाहिद खान पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

राजस्व अधिकारियों की बैठक आज

उमरिया । कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक 22 अगस्त को पूर्वान्ह 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में संबंधितों को नियत समय पर उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

पिकअप से टकराए बाइक सवार की हुई मौत

उमरिया। जिला मुख्यालय के रमपुरी मोहल्ले में एक युवक की दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई है। घटनां गुरुवार की शाम साढ़े छ: बजे की है जब बाइक सवार युवक दिलीप चौहान सामने से आ रहे पिकअप वाहन से टकरा गया, और गंभीर रूप से घायल हो गया, मृतक दिलीप चौहान के सर में गंभीर चोट आने से उसकी मौत हो गई, घटना के बाद गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया जहाँ डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, बताया गया है की मृतक घंघरी में रहता था।

तीन महीने से राशन को तरसे ग्रामीण, कलेक्टर से लगाई गुहार

उमरिया (स्वतंत्र मत)

जिले की ग्राम पंचायत माली और रोहनिया में खाद्यान्न राशन वितरण व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों की परेशानी सामने आई है। गोंड समाज महासभा, जिला समिति उमरिया ने इस मामले को लेकर कलेक्टर को पत्र सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि जनपद पंचायत करकेली की ग्राम पंचायत माली में करीब तीन महीने से ग्रामीणों को राशन नहीं मिल पा रहा है। इससे गांव के जरूरतमंद परिवारों के सामने खाने-पीने की दिक्कत खड़ी होने की बात कही गई है। वहीं जनपद पंचायत मानपुर की ग्राम पंचायत रोहनिया में भी राशन वितरण को लेकर परेशानी होने का उल्लेख किया गया है।महासभा के जिलाध्यक्ष दलबीर सिंह ने खाद्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि संबंधित पंचायतों में राशन वितरण नियमित क्यों नहीं हो पा रहा है और इसके पीछे वास्तविक कारण क्या है। साथ ही जिला मुख्यालय से राशन दुकानों और भंडारण व्यवस्था को दुरुस्त कर समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की गई है। संगठन ने प्रशासन से संबंधित विभाग की ओर से लिखित जवाब दिलाने की भी मांग रखी है। पत्र में राशन वितरण में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए ग्रामीणों को जल्द से जल्द खाद्यान्न उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है

बाढ़ आती है तो नींद नहीं आती

बाहकल में चंदन नदी में तेजी से हो रहा कटाव, स्कूल टोला के ग्रामीणों को सता रहा डर

कटंगी(स्वतंत्र मत)। की वर्षा आधारित चंदन नदी आज अस्तित्व के संकट से जूझ रही है। रेत के अवैध और वैध उत्खनन की मार से नदी कई स्थानों पर लगभग खत्म हो चुकी है। जहां कहीं नदी का नामोनिशान बचा है, वहां उसके किनारे तेजी से कट रहे हैं। इस कटाव ने नदी किनारे दशकों से बसे ग्रामीणों और किसानों की नींद उड़ा दी है। कटंगी तहसील की ग्राम पंचायत बाहकल के स्कूल टोला में हालात सबसे बदतर हैं। यहां नदी के तेज बहाव और किनारों के कटाव के कारण 50 साल पुरानी बसाहट पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जो दूरी कभी घरों से नदी तक 100 मीटर थी वो अब घटकर सिर्फ 10 मीटर रह गई है। स्कूल टोला में करीब 5 दशक पहले लोगों ने बसाहट शुरू की थी। उस समय चंदन नदी यहां से काफी दूर बहती थी। ग्रामीणों ने नदी से लगभग 100 मीटर की दूरी पर मकान बनाए थे। बच्चे नदी किनारे खेलते थे महिलाएं कपड़े धोती थीं। लेकिन पिछले 10-15 सालों में सब कुछ बदल गया। श्यामलाल राउत, जो स्कूल टोला में अपने परिवार के साथ निवास करते है वह बताते है कि पहले नदी बहुत चौड़ी थी और किनारे पर रेत के ऊंचे-ऊंचे टीले थे। हम सोचते थे नदी कभी पास नहीं आएगी। लेकिन अब हालात ये हैं कि घर की पिछली दीवार से 10-12 कदम की दूरी पर ही खाई बन गई है। जब भी नदी में बाढ़ आती है तो पूरी रात जागते हैं। लगता है अभी मकान जमींदोज हो जाएगा। 50 साल की गाढ़ी कमाई एक पल में बह जाएगी। शकुंतला कौरे ने बताया कि उनका घर भी खतरे की जद में है। उनका कहना है कि हमारा शौचालय तो पहले ही कटाव में चला गया। अब घर के पीछे की जमीन भी धंस रही है। इस साल बारिश कम हुई है इसलिए थोड़ी राहत है, वरना पिछले साल तो रात-रात भर पानी का शोर सुनते थे। नदी दिन-ब-दिन गहरी होती जा रही है। हम पंचायत में कई बार गए, रिटेनिंग वॉल बनाने की मांग की, लेकिन सिर्फ तारीख मिलती है। गांव के बाबूलाल ओगारे ने बताया कि उनके घर का पिछला हिस्सा कभी भी गिर सकता है। मिट्टी लगातार कट रही है। अगर इसी तरह कटाव हुआ तो 2-3 साल में आधा गांव नदी में समा जाएगा। बाहकल के एक दूसरे हिस्से में रिटेनिंग वॉल बनी है, वहां कटाव रुक गया है। हमारी भी मांग है कि हमारे यहां भी वैसी ही दीवार बना दी जाए।

नक्सलवाद खत्म, बदहाली बरकरार! बैगा बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन?

मंत्री विजय शाह बोले—नक्सल प्रभाव के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं, अब कमियां दूर करेंगे; कांग्रेस का पलटवार— विधानसभा में उठेगा बच्चों की मौत की आवाज

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

बैहर-बिरसा के बैगा अंचल में मासूम बच्चों की मौतों ने अब राजनीतिक रंग ले लिया है। एक ओर सरकार प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत करने और हरसंभव मदद का भरोसा दे रही है, वहीं विपक्ष मौतों के आंकड़ों, स्वास्थ्य विभाग की कथित लापरवाही और मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर सरकार पर हमलावर है। सरकारी आंकड़ों में जहां 8 बच्चों की मौत बताई जा रही है, वहीं कांग्रेस 22 बच्चों की मौत का दावा कर रही है। जिसको लेकर भाजपा सरकार के मंत्री और विपक्षी दल कांग्रेस के नेता भी उन क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार पहले इन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर पीड़ित परिवार को 50-50 हजार की घोषणा कर चुके हैं अब आदिवासी नेता विक्रांत भूरिया भी 22 अगस्त को उन पीड़ित परिवारों से मिले वहीं भाजपा सरकार के मप्र शासन के जनजाति कार्य विभाग मंत्री कुंवर विजय शाह भी पहुंचे और उन्होंने सुविधाओं की कमीयों का ठिकरा नक्सल समस्या बताई और सुधार का आश्वासन दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह प्रभावित बैगा गांव कुंडेकसा पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सरकार हर मौत को गंभीरता से ले रही है। हम मौत के आंकड़ों पर बात नहीं करते, हमारे लिए एक-एक बच्चे की मौत महत्वपूर्ण है। हर मौत दुखदायी है। मंत्री ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आने तक इलाज और आवश्यक सुविधाओं का खर्च जनजातीय कार्य विभाग उठाएगा तथा विभाग को जल्द फंड उपलब्ध कराया जाएगा। मंत्री विजय शाह ने स्वास्थ्य सेवाओं की कमियों के सवाल पर लंबे समय तक रहे नक्सल प्रभाव को जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना था कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण पहले डॉक्टर और नर्स यहां आने से कतराते थे। अब स्थिति बदल रही है और स्वास्थ्यकर्मी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र में स्वास्थ्य अमले के रिक्त पद जल्द भरने का आश्वासन दिया। सरकार का कहना है कि प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीमें कैंप लगाकर जांच और उपचार कर रही हैं। आईसीएमआर की रिपोर्ट में खसरा और मलेरिया संक्रमण सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमण नियंत्रण के लिए गतिविधियां तेज की हैं।

विपक्ष का पलटवार— नक्सलवाद खत्म, अब किसे दोष देंगे?-कांग्रेस ने मंत्री के नक्सलवाद वाले तर्क पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस नेता विक्रांत भूरिया ने आरोप लगाया कि जब जिले में नक्सल प्रभाव पर काफी हद तक नियंत्रण हो चुका है, तब भी बैगा अंचल में स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं का संकट बना हुआ है। भूरिया का सवाल है कि अगर नक्सलवाद स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी की वजह था, तो अब नक्सल प्रभाव समाप्त होने के बाद भी बैगा गांवों में व्यवस्थाएं क्यों नहीं सुधरीं? उन्होंने सरकार से कथित लापरवाही की जिम्मेदारी तय करने की मांग की।

मौतों के आंकड़ों पर भी भिड़े पक्ष-विपक्ष-इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा बच्चों की मौतों के आंकड़े बन गए हैं। सरकार की ओर से 8 मौतों की जानकारी सामने आई है, जबकि कांग्रेस 22 बच्चों की मौत का दावा कर रही है। विपक्ष का आरोप है कि वास्तविक आंकड़े सामने नहीं लाए जा रहे हैं। विक्रांत भूरिया ने कहा कि मृतक परिवारों से मुलाकात के दौरान कई गंभीर समस्याएं सामने आईं। उनके अनुसार ग्रामीणों ने मच्छर नियंत्रण के लिए छिड़काव नहीं होने, मच्छरदानी वितरण नहीं होने और लंबे समय से पोषण आहार नहीं मिलने की शिकायत की है। स्वास्थ्य केंद्रों की दूरी और टीकाकरण व्यवस्था पर भी उन्होंने सवाल उठाए।

कांग्रेस बोली मुआवजा और जिम्मेदारी तय हो

कांग्रेस ने मृतक परिवारों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने, प्रभावित गांवों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, नियमित टीकाकरण, पोषण आहार, मच्छर नियंत्रण और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं मजबूत करने की मांग की है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह मामला विधानसभा में भी प्रमुखता से उठाया जाएगा।

सवाल अब सरकार से जिम्मेदार कौन?-बैगा बच्चों की मौतों को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। सरकार जहां नक्सलवाद के पुराने प्रभाव को स्वास्थ्य व्यवस्था की कमजोरी की वजह बता रही है, वहीं विपक्ष सवाल कर रहा है कि नक्सल प्रभाव समाप्त होने के बाद भी व्यवस्थाओं में सुधार क्यों नहीं हुआ। आईसीएमआर रिपोर्ट में खसरा और मलेरिया संक्रमण की पुष्टि के बाद मामला और गंभीर हो गया है। ऐसे में सियासी बयानबाजी से आगे बढ़कर अब यह तय करना जरूरी है कि मासूमों की मौतों के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था में कहां चूक हुई, वास्तविक मौतों का आंकड़ा क्या है और जिम्मेदारी किसकी तय होगी। बैगा अंचल के ग्रामीणों को अब आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर डॉक्टर, दवा, टीका, पोषण, मच्छर नियंत्रण और समय पर उपचार चाहिए। यही इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा और सीधा सवाल है।

नारायणगंज में जन विश्वास अभियान : कलेक्टर ने किया भ्रमण
जबावदारों को दिए निर्देश, छात्राओं ने बांधी राखी

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश में जारी जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को कलेक्टर ने नारायणगंज क्षेत्र का भ्रमण कर शासकीय योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उचित मूल्य दुकान, आंगनबाड़ी केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और लोक सेवा केन्द्र पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। भ्रमण की शुरुआत मंगलगंज में सहकारी समिति द्वारा संचालित पीडीएस वितरण केन्द्र से हुई। यहां कलेक्टर ने मौजूद ग्रामीणों से सीधा संवाद कर फीडबैक लिया। ग्रामीणों ने सहकारी समिति से उर्वरक मिलने और ग्राम की मैपिंग में आ रही तकनीकी समस्या से अवगत कराया।

इस पर कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि इसका शीघ्र निराकरण कराया जाएगा। इसके पश्चात कलेक्टर ग्राम चिरईडोंगरी के नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र पहुंचे। उन्होंने केन्द्र में बच्चों के वजन सैम-मैम श्रेणी के बच्चों की स्थिति खेलकूद सामग्री और पोषण आहार की उपलब्धता की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से उपस्थिति और वितरण पंजी का भी अवलोकन किया। उन्होंने सीडीपीओ को निर्देशित किया कि सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में बाल पंजी को नियमित रूप से अद्यतन किया जाए

ताकि बच्चों की सही ट्रैकिंग हो सके। नारायणगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पंजीयन काउंटर ओपीडी दवा वितरण केन्द्र एनआरसी और दवा स्टोर का निरीक्षण किया। जनरल वार्ड में भर्ती मरीजों से उन्होंने आत्मीय चर्चा कर उनका कुशलक्षेम पूछा और मिल रही सुविधाओं के बारे में जाना। एनआरसी में भर्ती बच्चों के परिजनों से भी उन्होंने भोजन देखभाल और परामर्श सुविधाओं पर फीडबैक लिया।

भ्रमण के अंतिम चरण में कलेक्टर नारायणगंज के लोक सेवा केन्द्र पहुंचे। उन्होंने कहा कि लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से लोगों को बहुत कम शुल्क में शासकीय सेवाएं मिलती हैं लेकिन जानकारी के अभाव में लोग लाभ नहीं ले पा रहे हैं। उन्होंने केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया कि योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें और आवश्यकता पड़ने पर गांव में मुनादी कराकर लोगों को जागरूक करें।

प्रोजेक्ट संकल्प बैठक में दिए निर्देश

जिले के विद्यार्थियों को जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने हेतु संचालित प्रोजेक्ट संकल्प की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता में जिला योजना भवन में आयोजित हुई। कलेक्टर ने पिछले दो टेस्ट के आंकड़ों की समीक्षा करते हुए कहा कि अभी और अधिक मेहनत की आवश्यकता है।

उन्होंने निर्देश दिए कि मासिक टेस्ट में ए प्लस और ए ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाई जाए। टेस्ट के बाद संकुल प्राचार्य परिणाम का विश्लेषण कर बी ग्रेड वाले विद्यार्थियों की कमजोरी चिन्हित करें और उस पर विशेष फोकस करें। उन्होंने कहा कि मंडला को छोड़कर अन्य सभी विकास खण्डों में स्थिति

संतोषजनक नहीं है। अगली मासिक समीक्षा में संकुल वार रिव्यू किया जाएगा।

बालिकाओं ने कलेक्टर को बांधा रक्षासूत्र

कलेक्टर ने नारायणगंज स्थित रानी दुर्गावती सीनियर कन्या छात्रावास और मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल कूड़ामैली का निरीक्षण किया। छात्रावास निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किचन पेयजल आरओ रोटी मेकर मशीन और साफ-सफाई का जायजा लिया। उन्होंने छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण की जानकारी ली और निर्देश दिए कि सभी 50 छात्राओं की आभा आईडी बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उनके स्वास्थ्य का नियमित रिकॉर्ड रखा जा सके। इस दौरान कलेक्टर ने बालिकाओं से नाश्ता भोजन और साफ-सफाई को लेकर फीडबैक भी लिया। इस दौरान कलेक्टर सीईओ जिला पंचायत और सहायक आयुक्त ने छात्रावास में उपस्थित छात्राओं से रक्षासूत्र बंधवाया।

विद्यार्थियों से की चर्चा

मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल कूड़ामैली के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कहा कि एक ही परिसर में स्कूल और कॉलेज के संचालन से परेशानी होगी दोनों के लिए पृथक-पृथक प्रवेश व निर्गम द्वार बनाए जाएं। इस पर एसडीएम निवास सीएल वर्मा ने बताया कि स्कूल की एक अन्य बिल्डिंग शीघ्र रिक्त हो रही है और आगामी दो माह में कॉलेज को उस भवन में शिफ्ट कर दिया जाएगा। कलेक्टर ने कक्षाओं में विद्यार्थियों से चर्चा की और प्रोजेक्ट संकल्प की जानकारी ली। उन्होंने प्राचार्य को प्रोजेक्ट संकल्प पर और अधिक ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही स्कूल में स्थित अटल टिंकरिंग लैब का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

हर्षोल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

नारी विकास समिति के द्वारा हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस का पर्व मनाया गया। नारी विकास समिति की सचिव श्रीमती अर्चना जैन के सुगढ़ संचालन में कार्यक्रम का प्रारम्भ भारत माता के पूजन वंदन और तिरंगे की वन्दना से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोनी समाज की अध्यक्ष नीता डोंगसरे ने की। मुख्य अतिथि की आसन्दी पर श्रीमती निधि अग्रवाल विराजी थीं। श्रीमती अनीता दुबे ने विशिष्ट अतिथि का पद सुशोभित किया। निधी अग्रवाल ने प्रारंभिक उद्बोधन में नादियों में सिक्के फेंकने के दुष्परिणामों और बच्चों पर इसके दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला। रजनी खरबंदा, दिव्या खत्री और नवनीता दुबे ने कराओके पर देशभक्ति गीतों की स्वर लहरियां बिखेरीं। सविता मोदी की देशभक्ति पर आधारित कविता ने कार्यक्रम में चार चांद लगाए सपना बाजपेयी ने परंपरागत राधा कृष्ण की भक्ति और सावन के पर्व को संजो कर भजन की प्रस्तुति दी। नीता खरबंदा की मित्रता और देश प्रेम की शायरियों ने सबका मन जीत लिया। अर्चना

जैन की कविता शानदार लहराता झण्डा त्रिरंग समझा न मैंने मैं कैसी स्वतंत्र ने धूम मचा दी। लक्ष्मी अग्रवाल ने झूमकर नृत्य किया तो सीमा सोनी और नीता डोंगसरे के नृत्य की थाप के साथ सबके कदम थिरक उठे।

आकांक्षा साहू ने भी देश प्रेम गीत प्रस्तुति किया। लक्ष्मी अग्रवाल ने सभी को स्वल्पाहार से आनंदित किया।अंत में महिलाओं को मजेदार देशप्रेम और सावन गीतों पर आधारित अन्ताक्षरी खिलाई गई जिसमे सभी बहनों ने उल्लास के साथ झूम कर सहभागिता की। अनीता धनेश्वर को समिति की सदस्यता लेने पर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी बहनों को तिरंगा बैच लगाकर तिलक वंदन किया गया। सभी प्रतिभागियों को अर्चना जैन के सौजन्य से पुरस्कृत किया गया। साथ ही अंताक्षरी के विजेताओं लक्ष्मी अग्रवाल, सीमा सोनी और पिंकी अग्रवाल को निशा पमनानी द्वारा निर्मित गिफ्ट हैंपर से पुरस्कृत किया गया। इन सबके साथ ही नारी विकास समिति की आजीवन सदस्य बहनों का एक सामूहिक फोटो बैनर का भी लोकार्पण किया गया। यहां पर मिली राय, प्रीति दुबे, ज्योति वीरानी,ममता अग्रवाल,लक्ष्मी पिंकी अग्रवाल,रेखा सिहानी अनीता धनेश्वर, सरिता चौरसिया मीना चौरसिया, अनीता राय, प्रमिला अग्रवाल, प्रीति प्रजापति, अर्चना अग्रवाल, प्रीति पमनानी, मालती अग्रवाल, अनीता गोयल, सरिता गोयल,रश्मि मिश्रा, माधुरी ठाकुर , माया सचदेव , सुनीता पमनानी, पूजा खरबंदा, साक्षी भिरयानी, संजू लता सिंगौर, माया डोंगसरे,संगीता तिवारी ने सहभागिता की।

वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में स्थित ईवीएम एवं वीवीपेट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान वेयरहाऊस की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान प्रशिक्षु आईएएस शैलेन्द्र चौधरी सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना एवं निर्वाचन अधीक्षक अरूण कुशवाहा, उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस ने दी भावभीनी श्रृद्धांजलि

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी घुघरी द्वारा देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जन्मजयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया।

उपस्थित कार्यकर्ताओं को उद्बोधित करते हुए विधायक नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि राजीव गांधी के आधुनिक भारत के निर्माण में दिए गए योगदान पंचायती राज सशक्तिकरण और संचार क्रांति की शुरुआत पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रदेश महासचिव आदिवासी कांग्रेस कमल सिंह मरावी, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नेतराम साहू, घुघरी ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द कुमार कुशराम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता मरावी, श्रीमती रुक्मिणी सोनवानी, संजय पटेल, अरविन्द झारिया, पंकज झारिया, मेवा धुर्वे, दरबारी नरते, फूल सिंह मरावी, मोहन यादव, देवेन्द्र दीक्षित, आनंद सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नियम उल्लंघन पर हो कार्यवाही

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के नेतृत्व में जिले की कानून व्यवस्था अवैध खनन यातायात प्रबंधन तथा नशा मुक्ति अभियान की समीक्षा संबंधी बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अवैध खनिज खनन एवं परिवहन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए बताया गया कि वर्ष 2026-27 में अब तक अवैध खनन तथा परिवहन के 72 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

संगठित चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

थाना कोतवाली पुलिस ने चोरी की एक वारदात का त्वरित खुलासा करते हुए एक संगठित चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है गिरोह से जुड़े दो अन्य आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए 16 डीजे बॉक्स बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही चोरी की वारदात में प्रयुक्त बोलेरो पिकअप वाहन भी पुलिस ने जब्त किया है।

बरामद एवं जब्त किए गए सामान की कुल अनुमानित कीमत करीब 10 लाख 15 हजार रुपये बताई गई है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार चोरी की घटना सामने आने के बाद पुलिस टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की पहचान और चोरी गए सामान की

बरामदगी के लिए लगातार प्रयास शुरू किए थे। थाना कोतवाली क्षेत्र निवासी हेमंत परते पिता स्वर्गीय लोचन परते उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम ग्वारी की रिपोर्ट पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। पुलिस को घटना के समय क्षेत्र में एक सफेद रंग की पिकअप वाहन दिखाई देने की जानकारी मिली। पुलिस ने इसी वाहन को जांच की महत्वपूर्ण कड़ी मानते हुए आसपास के ग्रामों में वाहन की तलाश शुरू की। वाहन मालिक से पूछताछ की गई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अंकित सिंगरोर, हिमांशु सरवटे और योगेश राजपूत को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ की गई जिसमें चोरी की वारदात और चोरी किए गए सामान के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 16 डीजे बॉक्स बरामद किए। इनकी अनुमानित कीमत करीब 4 लाख 15 हजार रुपये बताई गई है। इसके अलावा घटना में इस्तेमाल की गई बोलेरो पिकअप, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपये है को भी पुलिस ने जब्त कर लिया। इस प्रकार पुलिस ने कुल करीब 10 लाख 15 हजार रुपये का सामान बरामद एवं जब्त किया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अंकित सिंगरोर पिता संतोष सिंगरोर, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम पदमी मलार थाना टिकरिया, हिमांशु सरवटे पिता केशव सरवटे, उम्र 23 वर्ष, निवासी पतला मझगांव थाना टिकरिया तथा योगेश राजपूत पिता शिवराज राजपूत, उम्र 26 वर्ष, निवासी नारायणगंज मंगल भवन के पास थाना टिकरिया शामिल हैं। पुलिस के अनुसार इस मामले में दो अन्य आरोपी भी संलिप्त हैं जो फिलहाल फरार हैं। कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शफीक खान के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में सउनि माया राम धुर्वे, प्रधान आरक्षक पूरन इड़पाचे, प्रधान आरक्षक विकास पटेल, आरक्षक रमेश, मृदुल, प्रियांश और यमुना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके अलावा साइबर टीम से सुरेश भटेरे, धीरू एवं रूकधारिया ने तकनीकी जांच में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

विपणन सहकारी समिति प्रबंधक की मनमानी पर अधिकारी मौन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। विपणन सहकारी समिति में लगभग आठ हजार रूपये का मासिक वेतन भोगी कर्मचारी के पास आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त निर्मित तीन बहु मंजिला भवन जिसकी लागत अनुमानित करोड़ो रूपये बताई जा रही है। लोगों का कहना है कि बिना कोई काम किए राजा के जैसे विलासिता के सुख भोग रहै है । उक्त तीन मंजिला भवन में स्थापित ऊँ सांईराम साड़ी सेन्टर नैनपुर में समिति के उपार्जन एवं पी. ड़ी एस. योजना से प्राप्त कमीशन की राशि वर्ष 2024-25, व वर्ष 2025-26 में 4 जून 2024 से 12 जनवरी 2026 तक मनमाने ढंग से आहरण कर निजी उपयोग हेतु लाखों रूपयों के कपड़े खरीद कर स्टाक भर के दिखावा के लिए कपड़े का व्यवसाय किया जा रहा है। समिति के उपार्जन एवं पी. ड़ी एस. योजना से प्राप्त होने वाले कमीशन की राशि वर्ष 2025-26 में 14 मई 2025 से 14 जून 2025 तक मनमाने ढंग से आहरण कर निजी उपयोग हेतु चार पहिया वाहन खरीदा गया है जो परिवहन विभाग में 18 मई 2025 को पंजीकृत है। उक्त समस्त व्यय विपणन सहकारी समिति मर्यादित नैनपुर में पदस्थ प्रभारी प्रबंधक की आय से कई गुना अधिक अर्जित है एवं आय से अधिक अर्जित सम्पति है।

प्रबंधक पर आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का आरोप
ईओडब्ल्यू से जांच की मांग

सूत्रों का कहना है कि इस मामले में एक नहीं अनेक शासकीय गेर शासकीय लोग सामिल है। समिति के सदस्यो की वार्षिक आम सभा का आयोजन भी नहीं किया जा रहा है अधिकारियों के संरक्षण में समिति में मनमानी किया जा रहा है । आय से अधिक सम्पत्ति प्रबंधक के पास कहा से केसे आई इस विषय पर ईओडब्ल्यू को जांच कर कार्रवाई करना शासन के हित में होगा।

पुष्पांजलि अर्पित कर श्रृद्धांजलि दी

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी निवास द्वारा रेस्टहाउस निवास में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के निर्माता स्व. राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर सद्भावना दिवस के रूप में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रृद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निवास में मरीजों को फल एवं बिस्किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष संजय जायसवाल, विनोद सोनी, गोलू रजक, अरविंद उइके, अभिलाष चौकसे, विवेक साहू, समीर साहू, कृष्णा मरावी, सहित कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांसद ने किया अनय इंडस्ट्रीज का शुभारंभ

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

औद्योगिक क्षेत्र में नारायणगंज का बढ़ता कदम रोजगार और विकास के आयाम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा ऑटोक्लूड एयरटेल कांक्रीट ब्लाक इंडस्ट्रीज का शुभारंभ किया गया। इस नए उद्योग की शुरुआत स्थानीय निर्माण क्षेत्र को आधुनिक पर्यावरण अनुकूल सामग्री मुहैया कराएगी उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा कहा गया कि एएसी ब्लॉक उद्योग की स्थापना से क्षेत्र के बुनियादी ढांचा को मजबूती मिलेगी। यह उद्योग न केवल निर्माण कार्यों को गति देगा बल्कि पर्यावरण अनुकूल तकनीकी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाये बिना मजबूत और टिकाऊ ब्लाक तैयार करती है। कार्यक्रम अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि उद्योगपति वर्ग व्यापारी बंधु सहित स्थानीय जन शामिल हुए सभी द्वारा अनय इंडस्ट्रीज के संचालक अभय साहू को क्षेत्र विकास के लिए नए औद्योगिक स्थापना की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गई। इस दौरान रतनसिंह ठाकुर, संतोष सोनी, चंद्रशेखर तिवारी,भूपेंद्र वरकड़े, रघुनंदन विश्वकर्मा, मनोज मिश्रा, राजा साहू, गुलाब परस्ते, मृदु साहू, किशन तेकाम, आसाराम भारतीया, अविनाश शर्मा, वीरेंद्र नामदेव, सुशांत अग्रवाल, राजेश सोनी, राजाराम साहू सहित बड़े संख्या में स्थानीय जन शामिल रहे।

संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता सम्पन्न

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। नगर परिषद बिछिया क्षेत्रांतर्गत संदीपनी विद्यालय बिछिया में संभागीय स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह एवं खेल भावना के साथ किया गया। प्रतियोगिता में संभाग के विभिन्न जिलों से प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा अपनी शतरंज प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी, अध्यक्षता नीरज भट्ट ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि शशिकांत श्रीवास्तव उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल एकाग्रता एवं रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विभिन्न आयु वर्गों में अंडर-14 वर्ग में जबलपुर, अंडर-17 वर्ग में बालाघाट तथा अंडर-19 वर्ग में सिवनी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

आयोजन के दौरान माखन सिंद्राम सहायक संचालक, अशोक झारिया, प्राचार्य, शैलेश तिवारी कंधी मरकाम सहित विद्यालय एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

नैनपुर से मुंबई तक रेल वन की डिजिटल आवाज बने विलियम केरी
रचनात्मक पहल से रेलवे के डिजिटल संदेशों को मिली नई पहचान

नैनपुर(स्वतंत्र मत)।

छोटे से नगर नैनपुर से निकलकर मुंबई में अपनी रचनात्मक पहचान बनाने वाले विलियम केरी ने रेल वन मोबाइल एप्लीकेशन के डिजिटल प्रचार-प्रसार को एक नया और प्रभावी आयाम दिया है। आधुनिक तकनीक, ए आई टूल्स और रचनात्मक सोच के माध्यम से उन्होंने रेलवे की यात्री सेवाओं एवं डिजिटल सुविधाओं को सरल और आकर्षक तरीके से आम यात्रियों तक पहुंचाने का प्रयास किया है।

कहानियों, लघुकथाओं, रैप गीतों, टैगलाइन और स्लोगनों के माध्यम से तैयार उनकी प्रचार सामग्री सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से लोगों तक पहुंच रही है। उनकी चर्चित टैगलाइन ज्ज्जब हो यात्रा का मन, इस्तेमाल करें रेलवनज्ज को मध्य रेल द्वारा मोबाइल कॉलर ट्यून के रूप में भी प्रसारित किया गया है। इसी थीम पर तैयार रैप वीडियो को मुंबई की लोकल ट्रेनों और मल्टीप्लेक्स में भी प्रदर्शित किया जा रहा है।

डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने वाली उनकी टैगलाइन ज्ज्जब भुगतान के लिए उपलब्ध है क्यू आर तो यात्री क्यों करे इंतजारज्ज भी मध्य रेल की कॉलर ट्यून के माध्यम से यात्रियों तक पहुंच रही है।

वर्ष 1998 से मुंबई में रह रहे और नैनपुर से संबंध रखने वाले श्री केरी की इस रचनात्मक पहल को मध्य रेल के मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री विपणन) कार्यालय द्वारा सराहा गया है। उनकी पहल यह दर्शाती है कि तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और जनहित की भावना के मेल से एक साधारण संदेश भी व्यापक जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

नैनपुर जैसे छोटे नगर से निकले विलियम केरी आज रेल वन के डिजिटल प्रचार को नई आवाज देने में अपनी रचनात्मक भूमिका निभा रहे हैं, जो स्थानीय प्रतिभाओ के लिए भी प्रेरणादायी उदाहरण है।

संपादकीय

क्यों कड़वी हो रही चीनी

त्योहारी मौसम शुरू होने से पहले ही चीनी के दामों में तेजी आई है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मिल दरों में बढ़ोतरी के साथ ही चीनी की औसत खुदरा कीमत भी 13 प्रतिशत बढ़कर 18 अगस्त को 52.3 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जो एक साल पहले 46.34 रुपये प्रति किलोग्राम थी। नए 2026-27 सत्र (अक्टूबर-सितंबर) के लिए शुरुआती स्टॉक के 50 लाख टन की घरेलू जरूरत से कम रहने की संभावना है। यह उछाल किसी अचानक आई घटना का नतीजा नहीं है, बल्कि खेत के मुहाने से शुरू होकर केंद्र सरकार की इथेनॉल नीति और शेयर बाजार के फर्श तक फैले एक गहरे अर्थशास्त्र की परिणति है। पिछले लगातार दो सालों से चीनी का उत्पादन घटने और मानसून की बेरुखी के कारण मंडियों में सप्लाई का दबाव बढ़ता चला गया है। खेती के जमीनी गणित में एक बड़ा बदलाव आया है। सरकार द्वारा गन्ने के फेयर एंड रेमुनरेटिव प्राइस में लगभग 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद किसान और मिल दोनों ही अब इथेनॉल के मुकाबले सीधे चीनी बनाने और बेचने को प्राथमिकता दे रहे हैं। साल 2022-23 के बाद से सरकार ने तेल कंपनियों द्वारा खरीदे जाने वाले इथेनॉल की दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। नतीजा यह है कि जब बाजार में चीनी 4,800 रुपये प्रति क्विंटल के रिकॉर्ड भाव पर बिक रही है, तो मिलों के लिए गन्ने के रस या बी-हैवी मोलासेस से इथेनॉल बनाना सरासर नुकसान का सौदा बन चुका है। ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, अगर इथेनॉल की दरें नहीं बढ़ीं, तो उत्पादन ठप हो जाएगा। त्योहारी सीजन में चीनी की मांग अपने चरम पर होती है, लेकिन इस बार सप्लाई चेन का गणित बेहद नाजुक मोड़ पर खड़ा है। आगामी 1 अक्टूबर को शुरू होने वाले नए पेराई सत्र से पहले देश का ओपनिंग स्टॉक घटकर महज 3.3 से 3.5 मिलियन टन रह जाने की आशंका है, जो पिछले कई दशकों का सबसे निचला स्तर है। इसके साथ ही, भारत का कुल चीनी उत्पादन इस साल घटकर 27.9 मिलियन टन रहने का अनुमान है, जबकि देश की घरेलू खपत 28.5 मिलियन टन से अधिक है। यानी खपत के मुकाबले उत्पादन कम होने और त्योहारी मांग में भारी उछाल के कारण खुदरा बाजार में कीमतें लगातार ऊपर चढ़ रही हैं। सप्लाई संकट और बढ़ती कीमतों का सबसे अप्रत्याशित असर शेयर बाजार के गलियारों में देखा जा रहा है। घरेलू मंडियों में ऊंची दरों और अंतरराष्ट्रीय बाजार में 10 महीने के उच्चतम स्तर के दम पर डालमिया भारत, बलरामपुर चीनी और त्रिवेणी इंजीनियरिंग जैसी चीनी कंपनियों के शेयर 8 प्रतिशत तक उछल गए हैं। निवेशकों को उम्मीद है कि मिलें इथेनॉल उत्पादन से ध्यान हटाकर महंगी चीनी सीधे बेचेंगी, जिससे उनके कैश-फ्लो और मार्जिन में तत्काल सुधार होगा। हालांकि, बाजार विश्लेषक यह भी चेतावनी दे रहे हैं कि अगर सरकार ने महंगाई रोकने के लिए निर्यात बंदिशों और सख्त स्टॉक लिमिट को और कड़ा किया, तो यह तेजी क्षणिक साबित हो सकती है। सरकार एक तरफ 2026-27 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का राष्ट्रीय लक्ष्य हासिल करना चाहती है, तो दूसरी तरफ त्योहारी सीजन में आम जनता को महंगी चीनी के आक्रोश से बचाना चाहती है। सरकार ने 30 नवंबर तक डीलरों पर 4,000 क्विंटल की सख्त स्टॉक लिमिट लागू कर दी है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासनिक बंदिशें और आदेश उस बुनियादी कमी को दूर कर पाएंगे जो सीधे खेतों और मिलों के अर्थशास्त्र से पैदा हो रही है? हालांकि, खाद्य मंत्रालय देश भर की मिलों द्वारा बेचे जा रहे चीनी के स्टॉक पर कड़ी नजर रख रहा है। लेकिन अगर सरकार ने इथेनॉल खरीद दरें नहीं बढ़ाईं और चीनी के दाम ऐसे ही चढ़ते रहे, तो हरित ईंधन का सपना अधूरा रह जाएगा और आम उपभोक्ता की मिठास कड़वी बनी रहेगी।

नेपाल जो पहले हिंदू राष्ट्र था

एक बार फिर दुनिया का इकलौता हिंदू राष्ट्र बनेगा

मनोज कुमार अग्रवाल

नेपाल जो पहले हिंदू राष्ट्र था और फिर धर्मनिरपेक्ष बन गया वहां एक बार फिर देश को हिंदू राष्ट्र के तौर पर पहचान दिलाने की मांग उठने लगी है। नेपाली कांग्रेस के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के गुट की एक कॉन्फ्रेंस इस फ़ैसले के साथ खत्म हुई कि नेपाल की राष्ट्रीय पहचान के तौर पर सनातन धर्म को बढ़ावा दिया जाएगा। हाल ही में संपन्न इस कांफ्रेंस में पार्टी की राजनीतिक दिशा, संवैधानिक मुद्दों, अगले आम अधिवेशन और देश के मौजूदा हालात से जुड़े पांच बड़े फ़ैसले लिए गए। धर्म से जुड़ा फ़ैसला घोषणापत्र के तीसरे बिंदु में शामिल था। देउबा गुट ने कहा कि नेपाल की पारंपरिक धार्मिक और सांस्कृतिक प्रथाएं उसकी राष्ट्रीय पहचान का अहम हिस्सा हैं। उसने कहा कि देश में लंबे समय से चली आ रही धार्मिक सहिष्णुता, सामाजिक सद्भाव और लोगों व धार्मिक समुदायों को अपनी आस्था मानने की आज़ादी की रक्षा की जानी चाहिए। घोषणापत्र में नेपाल में मौजूद हिंदू, बौद्ध, किरात और प्रकृति धार्मिक परंपराओं की रक्षा करने की भी बात कही गई।

11 महीने पहले सत्ता के विरुद्ध जेन-जी की अभूतपूर्व क्रांति देखने वाला नेपाल कुछ समय शांत रहने के बाद एक आबार फिर असहज है। इस बार मुद्दा धर्मनिरपेक्षता बनाम हिंदू राष्ट्र है।नेपाल के सातों प्रांतों में हिंदू राष्ट्र की मांग जोर पकड़ती जा रही है। बागमती प्रांत के काठमांडू से हिंदू राष्ट्र के लिए बड़ा जनाधार जुटाने को जिस हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत हुई है, उसकी जड़ कोशी प्रांत के सुनसरी जिले से जुड़ती है, जो हाल ही में सांप्रदायिक हिंसा की चपेट में आया था।हाल ही में कांवड़ यात्रा के दौरान हुई गोलीबारी में दो कांवड़ियों की मौत के बाद इस मुद्दे को लेकर बहस और तेज हो गई है। नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग हाल ही में सुनसरी जिले की हिंसा के बाद और तेज हो गई है। नेपाल के 15 से ज्यादा हिंदू संगठन एक साथ आ गए हैं। ये सभी संगठन देश को फिर से वैदिक सनातन हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग कर रहे हैं।

आपको बता दें कि ऐतिहासिक पृष्ठभूमि देखें तो नेपाल एकजुट हिंदू राज्य के तौर पर नेपाल का इतिहास 1768 से शुरू होता है, जब राजा पृथ्वी नारायण शाह ने कई छोटे राज्यों को मिलाकर आधुनिक नेपाल की नींव रखी। शाह राजवंश के शासन में नेपाल लगभग 240 वर्षों तक हिंदू राजशाही बना रहा। देश की सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान में हिंदू धर्म की मुख्य भूमिका रही,सन् 1768 से 2008 तक दुनिया का

आधिकारिक हिंदू राष्ट्र था।2001 में शाही परिवार के नरसंहार ने राजशाही में जनता के भरोसे को और कम कर दिया। 2008 में, कई वर्षों के राजनीतिक संघर्ष और शांति प्रक्रिया के बाद, नेपाल की नवनिर्वाचित संविधान सभा ने औपचारिक रूप से राजशाही को खत्म कर दिया इसके बाद देश का नया संविधान आया और नेपाल को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बना दिया गया।नेपाल की जनगणना के अनुसार, देश में 81त्न से अधिक हिंदू आबादी है। संयुक्त हिंदू मोर्चा, हिंदू सम्राट सेना और महाकाल युवा शक्ति जैसे 15 से ज्यादा संगठन एक साझा मंच पर हैं। नेपाल को दोबारा आधिकारिक रूप से हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए।

तराई और मधेस क्षेत्रों सहित कई जगहों पर रैलियां निकालकर सरकार को 15 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा गया है।राजनीतिक प्रतिक्रियापूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के सनातन पहचान और हिंदू होने के बयानों से यह बहस और गरमा गई है।वर्तमान सरकार और प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि अभी उनकी प्राथमिकता संघीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को बचाना है। उनका मानना है कि इस मांग से देश की मौजूदा संवैधानिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

नेपाल के पूर्व पीएम व नेपाली कांग्रेस (नेकां) के नेता शेर बहादुर देउबा ने देश में सनातन धर्म को राष्ट्रीय पहचान देने का फैसला किया है। इससे नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की घोषणा बलवती हुई है। देउबा नेतृत्व में नेकां गुट के 14वें राष्ट्रीय सम्मेलन में इसे देश की राष्ट्रीय पहचान के रूप में आगे बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया गया।देउबा ने कहा, सनातन धर्म को ही नेपाल की पहचान बनाएं। बयान से सियासी माहौल गरमा गया है। हालांकि प्रस्ताव में हिंदू, बौद्ध, किरात और प्रकृति आधारित धार्मिक परंपराओं के संरक्षण समेत सभी धर्म समुदायों की आजादी, सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव पर भी जोर दिया गया।

सम्मेलन के समापन समारोह में देउबा ने मैं हिंदू हूं के नारे के साथ अपनी राजनीति की दिशा स्पष्ट कर दी। नेपाल के पूर्व पीएम ने कहा, मैं किसी का विरोधी नहीं हूं। लेकिन अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा, बस मुझे यह कहने का अधिकार हो कि मैं हिंदू हूं। उनका बयान सनातन पहचान को लेकर चल रही बहस के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सनातन धर्म को नेपाल की राष्ट्रीय पहचान बता हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग तेज हो गई है। पूर्व पीएम के पार्टी लाइन से हटकर बयान देने से नेपाली कांग्रेस में विभाजन का खतरा भी उत्पन्न हो गया है। नेपाल में हुए आम चुनाव के बाद पूर्व पीएम करीब पांच माह से विदेश थे।नेपाली कांग्रेस की कमान गगन थापा के हाथ में आ जाने से शेर बहादुर देउबा गुट अपने को उपेक्षित महसूस कर रहा था। इसी बीच उनके नेपाल वापसी के बाद काठमांडू के राष्ट्रीय अधिवेशन में नेपाल के अधिकांश जिलों से समर्थक जुटे। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बीपी कोइराला के पुत्र शशांक कोइराला का भी समर्थन मिला। हालांकि नेपाली कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष गगन थापा व कार्यकारिणी के प्रमुख सदस्यों ने इस सम्मेलन से अपने को किनारे रखा। सम्मेलन में प्रधानमंत्री का संबोधन नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित करने के लिए चलाए जा रहे आंदोलन को संजीवनी दे दिया।

नेपाल के कपिलवस्तु क्षेत्र के सांसद अभिषेक शाह ने कहा कि देउबा को यह समझने में काफी देर लगी कि वह हिंदू हैं। उन्होंने बताया कि वे लोग काफी पहले से नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग करते रहे हैं।

शाह ने स्पष्ट किया कि वह सनातनी राष्ट्र के समर्थक हैं, लेकिन राजतंत्र के पक्षधर नहीं हैं। रुपनदेही और कपिलवस्तु में सक्रिय महाकाल युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मराज विश्वकर्मा का कहना है कि पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके शेर बहादुर देउबा का यह कहना नेपाल में हिंदू राष्ट्र की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत है।

हिंसात्मक घटनाएं बढ़ने और हिंदुओं की आबादी पर आ रहे संकट के बीच नेपाल उस इतिहास की ओर बढ़ना चाहता है, जो 2008 में धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनने से पहले था यानी हिंदू राष्ट्र और राजशाही व्यवस्था।

सूत्रों की मानें तो हिंदू राष्ट्र और राजशाही की बहाली के मुद्दे को लेकर करीब 50 संगठन नेपाल के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय हैं और गोलबंदी में जुटे हैं। बागमती प्रांत से होते हुए उत्तराखंड की सीमा से लगे सुदूर पश्चिम प्रांत के जिलों तक हस्ताक्षर अभियान पहुंच चुका है इसकी कमान शाही युवा शक्ति नेपाल (आरवाईपी) ने संभाली है। उन प्रवासी नेपाली नागरिकों को भी इस मुहिम से जोड़ा जा रहा है। नेपाल की 80 प्रतिशत आबादी से छह माह में हस्ताक्षर कराने का लक्ष्य है। अब तक 20 लाख हस्ताक्षर आफलाइन कराए जा चुके हैं और 80 हजार आनलाइन पार कर चुके हैं।

नेपाली कांग्रेस के कुछ पुराने और वरिष्ठ नेताओं ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। उनका साफ कहना है कि यह उनके पुराने राजनीतिक रुख में बड़ा बदलाव माना जाएगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि नेपाली कांग्रेस खुद उस राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा रही है जिसने नेपाल को धर्मनिरपेक्ष गणराज्य बनाया था। राष्ट्रीय सभा के दौरान इस मुद्दे पर कई नेताओं के बीच मंच पर तीखी बहस तक हुई। पूर्व उपाध्यक्ष बिमलेंद्र निधि ने प्रस्ताव की भाषा पर आपत्ति जताई और कहा कि इसे संविधान में मौजूद धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था के अनुरूप होना चाहिए।

नेपाल उन देशों में नहीं रहा जो हमेशा से धर्मनिरपेक्ष रहा है। पहले यह देश हिंदू राष्ट्र के तौर पर पहचाना जाता था। यहां नेपाल में लंबे समय तक हिंदू राजशाही था और दुनिया का एकमात्र आधिकारिक हिंदू राष्ट्र माना जाता था। अब नेपाल एक बार फिर हिन्दू राष्ट्र की मान्यता पर आगे बढ़ रहा है देखना है कि वहाँ इस पहल को अंजाम तक पहुंचने में कितने पड़ाव पार करने है?

सड़क पर पैदल चलना भी मौलिक अधिकार, फिर फुटपाथ क्यों बेहाल?

सुनील कुमार महला

सड़क पर पैदल चलना मौलिक अधिकार है, लेकिन आज भारत के कई शहरों में पैदल चलना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। दरअसल, आज भी बहुत से शहरों में फुटपाथ या तो बने ही नहीं हैं, या उन पर अतिक्रमण, पार्किंग और निर्माण सामग्री के कारण लोगों के चलने की जगह नहीं बचती। ऐसे में यहां पर प्रश्न यह उठता है कि जब किसी व्यक्ति के पास सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल चलने की जगह ही नहीं है, तो उसे वास्तव में आवागमन की आजादी कैसे मिल सकती है?

उक्त संदर्भ में यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि कुछ समय पहले ही यानी कि 19 जून 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह कहा है कि सुरक्षित और निर्धारित पैदल मार्ग पर चलना भी संविधान के अनुच्छेद 19(1)(डी) के तहत आवागमन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। वास्तव में, यह मामला उस दुखद घटना से जुड़ा हुआ था, जिसमें पांच साल के एक बच्चे की सड़क पर टैंकर की चपेट में आने से मौत हो गई थी। वहां न फुटपाथ था और न ही सड़क पार करने की सुरक्षित व्यवस्था। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज कई भारतीय शहरों में फुटपाथ पर अतिक्रमण, टूटे या गायब फुटपाथ, सड़क पार करने के लिए अपर्याप्त क्रॉसिंग, तेज रफ्तार वाहन और यातायात नियमों का उल्लंघन पैदल यात्रियों के लिए जोखिम बढ़ाते हैं और हमारे देश में पैदल यात्रियों की सुरक्षा अभी भी एक गंभीर चुनौती है। आंकड़ों की बात करें तो सरकारी भारत में सड़क दुर्घटनाएँ-2023 के अनुसार, वर्ष 2023 में 35,221 पैदल यात्रियों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई, जो कुल सड़क दुर्घटना मौतों का 20.4त्न थी।सच तो यह है कि आज पर्याप्त पैदल यात्री बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता है?। यहां पाठकों को बताता चलूं कि फुटपाथों का निर्माण और रखरखाव मुख्यत: राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के दायरे में आता है, इसलिए सरकारों और संबंधित निकायों को इन पर ध्यान देना चाहिए। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वैसे विश्व में सड़क की गुणवत्ता, फुटपाथ, पैदल पार-पथ, ट्रैफिक नियंत्रण और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के मामलों में नीदरलैंड को दुनिया के सबसे अच्छे उदाहरणों में गिना जाता है। सच तो यह है कि नींदरलैंड पैदल चलने के लिए दुनिया में एक अग्रणी देश है, जहां पैदल

और साइकिल यात्रियों के लिए अलग एवं सुरक्षित मार्ग, कम गति वाले क्षेत्र और बेहतर सड़क डिजाइन उपलब्ध हैं। नींदरलैंड के बाद डेनमार्क विशेषकर कोपेनहेगन में पैदल यात्रियों के लिए सुव्यवस्थित फुटपाथ, क्रॉसिंग और ट्रैफिक-शांत क्षेत्र हैं। वहीं पर स्वीडन विश्व में कम पैदल मृत्यु दर और मजबूत सड़क-सुरक्षा व्यवस्था के कारण अग्रणी देशों में शामिल है।नॉर्वे(यूरोप में) तथा फिनलैंड भी पैदल मार्गों और सड़क पार करने की सुरक्षित व्यवस्था के मामले में विश्व में अहम् और महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना चाहूंगा कि 19 जून 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सड़क पर पैदल चलने के संदर्भ में जो फैसला दिया है,इस फैसले का सीधा सा संदेश यही है कि सरकार और स्थानीय निकायों की यह जिम्मेदारी है कि ये लोगों को सुरक्षित फुटपाथ और सड़क पार करने की उचित सुविधा उपलब्ध कराएं। वास्तव में,सच तो यह है कि नगर निगम, नगरपालिका, शहरी विकास प्राधिकरण और पंचायतों को आगे आकर इस दिशा में गंभीरता और संवेदनशीलता से काम करना होगा।बहरहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो, आंकड़े हमारी चिंताएं बढ़ाते हैं। यह बहुत ही दुखद है कि सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में लगभग 20 प्रतिशत से अधिक लोग पैदल यात्री होते हैं। कई शहरों में फुटपाथ टूटे हुए, संकरे, असुरक्षित या लगातार बाधित पाए गए हैं। यानी समस्या केवल फुटपाथ बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित, चौड़ा, समतल और सभी के लिए सुगम बनाने की है। वास्तव में,इसके लिए यह बहुत ही जरूरी है कि फुटपाथों पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग न हो, वहां पर पर्याप्त रोशनी हो, सड़क पार करने के लिए सुरक्षित क्रॉसिंग बने और दिव्यांगजनों के लिए रैंप तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध हों। सड़क की खुदाई या निर्माण कार्य के दौरान भी पैदल यात्रियों के रास्ते को पूरी तरह बंद नहीं किया जाना चाहिए।

निष्कर्षत: यह बात कही जा सकती है कि सड़कें केवल वाहनों के लिए नहीं हैं। पैदल यात्री, बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और दिव्यांगजन सभी सड़क के बराबर अधिकार रखते हैं। सुरक्षित फुटपाथ उपलब्ध कराना सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों के मौलिक अधिकार और सरकार की जिम्मेदारी का हिस्सा है।

अखिलेश यादव के वार पर जयंत चौधरी का संयमित पलटवार, पश्चिमी यूपी की राजनीति में नया उबाल

नीरज कुमार दुबे

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी का नाम लिए बिना ऐसा तंज कसा है जिसकी गूंज सीधे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सियासी मैदान तक पहुंच गई। अखिलेश ने कहा, कहां-कहां से आ गए थे, चवन्नी का रुपया बना दिया, फिर भी। दरअसल अखिलेश ने अपने इस बयान के जरिये पुराने साथी को राजनीति में आगे बढ़ाने का दावा किया और फिर साथी द्वारा उन्हें छोड़ देने पर अपनी शिकायत दर्ज कराई लेकिन इस दौरान उनके जो तेवर रहे उसने पश्चिमी यूपी की सियासत को गर्मा दिया है। रालोद कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आये हैं और अखिलेश यादव के पुतले फूंक रहे हैं। यही नहीं, रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने भी अखिलेश पर पलटवार करते हुए दर्शा दिया है कि एक्शन का रिएक्शन तत्काल होगा। हालांकि अखिलेश के तंज पर जयंत चौधरी ने पलटवार तल्खी की बजाय बेहद नपे-तुले अंदाज में किया। उन्होंने कहा, वो अपनी बात कहें तो अच्छा है। उनके साथ खड़े होने वाले हर सहयोगीज् इस तरह की बयानबाजी से सोचने को मजबूर हो रहे हैं। जयंत ने आगे कहा,लोकतंत्र है, यहां जनता सबको बनाती है और सबको बिगाड़ती है। जब उनसे पूछा गया कि अखिलेश उन्हें इतना क्यों याद कर रहे हैं, तो उन्होंने गेंद वापस अखिलेश के पाले में डालते हुए कहा, राष्ट्रये तो आप लोग उनसे जाकर पूछिए। यह सिर्फ दो नेताओं की निजी राजनीतिक नोकझोंक नहीं है। इसके पीछे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बदलते जातीय गठबंधन समीकरण की पूरी पटकथा पढ़ी जा सकती है। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा और रालोद ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। इस गठबंधन में जाट-मुस्लिम समीकरण को साधने की कोशिश साफ दिखाई दी थी। अखिलेश यादव ने जयंत चौधरी को राज्यसभा भेजने में भी भूमिका निभाई। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पूर्व प्रधानमंत्री और जयंत के दादा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने के बाद रालोद ने एनडीए का दामन थाम लिया। अब जयंत भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा हैं और केंद्र सरकार में राज्यमंत्री हैं। यही बदलाव अखिलेश के मौजूदा हमले को राजनीतिक धार देता है। सपा प्रमुख लगातार पीडीए यानि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के सामाजिक समीकरण को मजबूत करने की कोशिश में हैं। पश्चिमी यूपी में उनकी चुनौती इसलिए भी बड़ी है यहां सपा का पारंपरिक मुस्लिम-यादव आधार पूर्वांचल या मध्य यूपी की तरह निर्णायक नहीं रहा है। ऐसे में गुर्जर, दलित, अन्य पिछड़ी जातियों और गैर-जाट मतदाताओं को जोड़ना सपा की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

जयंत चौधरी का रालोद इस गणित में छोटी पार्टी जरूर है, लेकिन पश्चिमी यूपी में उसका प्रभाव उसके चुनावी आंकड़ों से कहीं ज्यादा राजनीतिक वजन रखता है। जाट समुदाय में चौधरी चरण सिंह की विरासत और रालोद की पकड़ अब भी गठबंधन राजनीति के लिए अहम है। भाजपा के साथ जयंत की मौजूदगी एनडीए को पश्चिमी यूपी में जाट समर्थन को साधने का अतिरिक्त आधार देती है। यही कारण है कि अखिलेश का चवन्नी वाला तंज महज पुरानी दोस्ती का हिसाब नहीं, बल्कि नए सामाजिक समीकरणों की जंग भी माना जा रहा है। दिलचस्प यह है कि अखिलेश ने हाल में अपने नेताओं-कार्यकर्ताओं को चुनावी समय में सोच-समझकर बयान देने की नसीहत दी थी, ताकि भाजपा को कोई राजनीतिक लाभ न मिले। इसके तुरंत बाद जयंत पर निशाना साधना बताता है कि सियासी प्राथमिकताएं कभी-कभी रणनीतिक संयम पर भारी पड़ जाती हैं। उधर, जयंत ने तीखा पलटवार करने की बजाय संयम चुना। शायद इसलिए कि वह अखिलेश के बनाए जाट बनाम गैर-जाट नैरेटिव में फंसना नहीं चाहते। उनकी सौम्य प्रतिक्रिया का संदेश भी उतना ही राजनीतिक है। इसका अर्थ यह है कि रालोद अब सपा के साथ नहीं बल्कि एनडीए के साथ ही अपना भविष्य देख रहा है। बहरहाल,चवन्नी और रुपया की यह लड़ाई असल में पश्चिमी यूपी की उस सियासी तिजोरी की लड़ाई है, जिसकी चाबी जाट, मुस्लिम, दलित, गुर्जर और अन्य पिछड़े मतदाताओं के हाथ में है। देखा जाये तो चुनावी राजनीति में सवाल यह नहीं कि किसने किसे रुपया बनाया; असली सवाल यह है कि जनता की नजर में अब कौन कितने का है।

क्या जेन-जेड होना सुरक्षा नियम तोड़ने का लाइसेंस है? कारगिल में महिला पर्यटक के आचरण से उठे कई सवाल

सोशल मीडिया पर इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला पर्यटक भारतीय सेना के जवानों के साथ बहस कर रही है और खुद को "Gen-Z" बताकर सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रही है। शायद इस महिला को पता नहीं कि सीमा पर खड़े सैनिक की ड्यूटी कोई पर्यटन सेवा नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है जिसे किसी पर्यटक की सुविधा, बहस या अधिकारों के नाम पर दरकिनार कर दिया जाए। साथ ही वीडियो में महिला खुद को "Gen-Z" बताते हुए यह कहती सुनाई देती है कि वह यह बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी।

यहां सवाल यह उठता है कि क्या किसी पीढ़ी का टैग राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से ऊपर हो सकता है?बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखी घटना कारगिल सेक्टर के एक संवेदनशील हाई-एल्टीट्यूड चेक पोस्ट की है, जहां पर्यटकों के एक समूह को प्रतिबंधित दिशा में आगे बढ़ने से रोका गया। बताया जा रहा है कि संबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुमति और सुरक्षा नियम लागू थे। एक अन्य विवरण में इसे मिनामार्ग या मिनीमार्ग चेक पोस्ट के पास अस्थायी सड़क प्रतिबंध से जुड़ा बताया गया है। वीडियो में दिख रही तस्वीर बेहद स्पष्ट है। एक तरफ शांत रहकर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कराने की कोशिश करता जवान और दूसरी तरफ अपनी यात्रा, दूरी और अधिकारों का हवाला देकर बहस करता पर्यटक समूह। महिला पर्यटक का यह तर्क कि हम Gen-Z हैं, हम यह सब बर्दाश्त नहीं करेंगे, दरअसल उस मानसिकता को उजागर करता है जिसमें व्यक्तिगत सुविधा को व्यवस्था और सुरक्षा से ऊपर मान लिया जाता है। Gen-Z होना न कोई विशेष सुरक्षा पास है, न ही यह कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल को चुनौती देने का लाइसेंस है। सेना यह नहीं देखती कि सामने खड़ा व्यक्ति किस पीढ़ी का है; उसे यह देखना होता है कि सीमा सुरक्षित रहे, कोई संदिग्ध गतिविधि न हो और कोई नागरिक अनजाने में किसी खतरे की जद में न पहुंच जाए।

देखा जाये तो कारगिल और नियंत्रण रेखा के आसपास के इलाके सामान्य पर्यटन स्थल नहीं हैं। यह वही संवेदनशील भूभाग है जहां भारत ने युद्ध का सामना किया है, जहां घुसपैठ और आतंकी

गतिविधियों का इतिहास रहा है और जहां मौसम, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां तथा सैन्य गतिविधियां हर समय सुरक्षा की अलग चुनौतियां पैदा करती हैं। ऐसे में सड़क बंद होना, आवाजाही नियंत्रित होना, चेकिंग होना या किसी क्षेत्र में प्रवेश के लिए अनुमति मांगना कोई एंटी-टूरिस्ट रवैया नहीं, बल्कि एक जरूरी सुरक्षा व्यवस्था है।

सेना और सुरक्षा एजेंसियों को वहां इसलिए तैनात रहना पड़ता है क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में खतरे केवल दिखाई देने वाले नहीं होते। कई बार खुफिया सूचना के आधार पर तलाशी या घेराबंदी की जरूरत पड़ सकती है। कभी सैन्य काफिले की आवाजाही होती है, कभी खराब मौसम या भूस्खलन के कारण रास्ता असुरक्षित हो जाता है और कभी किसी संभावित खतरे को देखते हुए नागरिकों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोकी जाती है। ऐसे निर्णय किसी एक पर्यटक को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि दर्जनों या सैकड़ों लोगों की जान बचाने के लिए लिए जाते हैं। बर्फीली चोटियों, दुर्गम सड़कों और हर वक्त मौजूद संभावित खतरे के बीच जवान इसलिए तैनात है ताकि देश के नागरिक सुरक्षित रहें और पर्यटन जैसी सामान्य गतिविधियां भी संभव हो सकें। ऐसे में किसी पर्यटक का जवानों से यह पूछना कि रास्ता आखिर क्यों बंद किया गया है, हर परिस्थिति में उचित नहीं कहा जा सकता, क्योंकि सुरक्षा बलों के पास मौजूद खुफिया जानकारी, किसी विशेष इनपुट या चल रहे ऑपरेशन का कारण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। कई बार एक मामूली-सा खुलासा भी सुरक्षा अभियान और जवानों की जान को जोखिम में डाल सकता है। साथ ही वायरल हो रहे वीडियो में पर्यटक समूह के कुछ सदस्य यह कहते भी दिखाई देते हैं कि वे सैकड़ों किलोमीटर दूर से वहां पहुंचे हैं। लेकिन ऐसे लोगों को समझना होगा कि लंबी यात्रा किसी प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश का अधिकारपत्र नहीं बन जाती। यदि किसी क्षेत्र के लिए परमिट जरूरी है तो पहले उसकी जानकारी लेना और नियमों का पालन करना पर्यटक की जिम्मेदारी है। विशेष रूप से लद्दाख और अन्य संरक्षित सीमावर्ती क्षेत्रों में नियम परिस्थितियों और सुरक्षा स्थिति के अनुसार बदल सकते हैं। सैन्य प्रतिष्ठानों, चेक पोस्टों और रणनीतिक स्थानों पर फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी भी प्रतिबंधित हो सकती है। इस पूरे प्रकरण का सबसे चिंताजनक पहलू वह भाषा और रवैया है, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को व्यक्तिगत अधिकारों के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश दिखाई देती है। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार है, लेकिन संवेदनशील सैन्य चौकी पर ऑपरेशन या सुरक्षा प्रतिबंध के दौरान बहस करके आदेश बदलवाने का अधिकार किसी को नहीं है। संसद, टैक्स या किसी पीढ़ी का नाम लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरतों को चुनौती देना न तो लोकतंत्र को मजबूत करता है और न ही नागरिक अधिकारों की रक्षा करता है।

दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली जोकि स्वाभाविक है। लोगों ने महिला पर्यटक और उसके साथियों के रवैये को अहंकारी और गैर-जिम्मेदाराना बताया है। "Gen-Z" वाली टिप्पणी पर मीम्स भी बन रहे हैं, लेकिन इस घटना को केवल मनोरंजन के रूप में देखने की बजाय इससे एक गंभीर सबक लेने की जरूरत है। कैमरे के सामने हंगामा करके वायरल होना आसान है, लेकिन सीमा की सुरक्षा में एक छोटी-सी चूक की कीमत कितनी बड़ी हो सकती है, इसका अंदाजा वहां तैनात जवान को हमसे कहीं बेहतर है। यह चेतावनी केवल उस महिला पर्यटक के लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए है जो सोशल मीडिया की लोकप्रियता, व्यक्तिगत सुविधा या पीढ़ीगत पहचान के नाम पर सुरक्षा नियमों को हल्के में लेते हैं।

भारत में ग्लोबल वार्मिंग का असर कम, गर्मी बढ़ने की रफ्तार दुनिया में सबसे धीमी

नासा की रिपोर्ट में खुलासा

वाशिंगटन।

दुनिया भर में लगातार टूटते गर्मी के रिकॉर्ड्स के बीच नासा के शोध ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। जहां पूरी दुनिया इस समय ग्लोबल वार्मिंग की भयानक चपेट में है, वहीं भारत में गर्मी बढ़ने की रफ्तार बाकी देशों की तुलना में काफी धीमी बनी हुई है। इस खास प्राकृतिक घटना को जलवायु वैज्ञानिक वार्मिंग होल नाम दे रहे हैं, जो भारत को वैश्विक तापन के चरम प्रभाव से फिलहाल सुरक्षित रखे हुए है।

नासा के आंकड़ों के अनुसार, साल 1980 के बाद से पृथ्वी का औसत तापमान लगभग 1.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसके विपरीत, भारत में 20वीं सदी की शुरुआत से लेकर अब तक तापमान में यह बढ़ोतरी 0.9 डिग्री सेल्सियस से भी कम दर्ज की गई है।

नासा के नक्शे में जहां यूरोप, मध्य पूर्व और एशिया के कई देश भीषण गर्मी दर्शाने वाले गहरे लाल और नारंगी रंगों से तपते दिख रहे हैं, वहीं भारत का हिस्सा हल्के पीले और सफेद रंग में नज़र आता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में बड़े पैमाने पर की जाने वाली सिंचाई इस स्थिति का एक मुख्य कारण है। खेतों की सिंचाई से हवा में नमी की मात्रा बढ़ती है, जिससे स्थानीय स्तर पर तापमान कम रहता है।

इसके साथ ही, हवा में मौजूद प्रदूषण के कण सूर्य की किरणों को वापस परावर्तित करके अंतरिक्ष की ओर लौटा देते हैं, जिससे धरातल पर गर्मी का दबाव काफी हद तक दब जाता है।

जहां एक तरफ तापमान के आंकड़े कुछ राहत देते हैं, वहीं दूसरी तरफ देश के कई हिस्सों में मानसूनी आफत जारी है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के लगभग 18 राज्यों में आने वाले दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान इन इलाकों में 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएँ चलने और बादलों की गरज के साथ बिजली गिरने की आशंका है।

हाल के दिनों में मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और छत्तीसगढ़ में तेज बारिश दर्ज की गई है। लगातार हो रही इस बारिश के कारण मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के निचले एवं संवेदनशील इलाकों में अचानक बाढ़ आने का अलर्ट जारी किया गया है।

अमेरिका का कर्ज पहली बार 40 लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंचा

ईरान युद्ध और ट्रंप की नीतियां पड़ी भारी?

न्यूयॉर्क

अमेरिका का कर्ज पहली बार 40 लाख करोड़ डॉलर (40 ट्रिलियन डॉलर) के पार पहुंच गया है। पिछले एक दशक में यह दोगुना हो गया है। यह बढ़ोतरी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और जो बाइडन दोनों प्रशासनों के तहत भारी-भरकम खर्चों को दर्शाती है।

2016 में यह 20 लाख करोड़ डालर से नीचे था। वर्तमान में हालात यह हैं कि सरकार रोजाना ब्याज चुकाने में ही 3.80 अरब डॉलर खर्च कर रही है। इसके असर आने वाले दिनों में आम लोगों, कंपनियों और सरकार पर साफ दिखेगा।

2008 से देखा जाए तो अमेरिकी कर्ज लगभग 30 लाख करोड़ डॉलर से अधिक बढ़ चुका है। वर्तमान में हर अमेरिकी

नागरिक पर करीब 1,19,699 डॉलर का कर्ज है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पीटर जी. पीटरसन फाउंडेशन के सीईओ माइकल पीटरसन ने कहा कि अगर यही हाल रहा तो सिर्फ छह साल में अमेरिका का कर्ज 50 ट्रिलियन डॉलर पहुंच जाएगा।

कई कारक बढ़ते कर्ज के बोझ में योगदान दे रहे हैं। इनमें से एक प्रमुख कारण है देश की बढ़ती बुजुर्ग आबादी, जिसमें लगभग 10,000 बेबी बूमर्स प्रतिदिन सेवानिवृत्त हो रहे हैं और वरिष्ठ नागरिकों की उम्र भी बढ़ रही है।

इसका मतलब है कि संघीय सरकार सामाजिक सुरक्षा और मेडिकेयर पर लगातार अधिक खर्च कर रही है। लाभार्थियों की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए पर्याप्त कर्मचारियों के अभाव में ये मूलभूत कार्यक्रम और भी कमजोर वित्तीय स्थिति में हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि कर्ज की राशि और जिस गति से यह बढ़ रही है, वह चिंता का विषय है। वित्त विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच महीनों में ही राष्ट्रीय कर्ज 1 ट्रिलियन डॉलर बढ़ गया है।

वित्तीय निगरानी संस्था पीटर जी. पीटरसन फाउंडेशन के सीईओ माइकल पीटरसन ने कहा कि जिस तरह से हम आगे बढ़ रहे हैं, उससे हम मात्र छह वर्षों में 50 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंच जाएंगे। अगर आप पीछे मुड़कर देखें, तो 10 साल पहले हम 20 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े पर थे। हम वास्तव में अपनी अर्थव्यवस्था और अपने देश के भविष्य को खतरे में डाल रहे हैं।

दिल्ली के जेन-जी प्रदर्शन का असर अब वियतनाम तक, छात्रा की मौत पर इंसाफ के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे युवा

हनोई। दिल्ली में युवाओं के नेतृत्व में हुए हालिया विरोध प्रदर्शनों का असर अब वियतनाम तक देखने को मिल रहा है। वियतनामी राजधानी हनोई में एक छात्रा की सड़क हादसे में मौत के बाद इंसाफ की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ युवाओं का विरोध प्रदर्शन बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में वियतनाम सरकार ने घरेलू अशांति की आशंका से वहां के मीडिया को दिल्ली के इन प्रदर्शनों से जुड़ी खबरों के कवरेज पर कड़ी सावधानी बरतने के आंतरिक निर्देश जारी किए हैं। वियतनाम की राजधानी हनोई में कुछ महीने पहले एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ था। इस हादसे में एक रईस राजनेता की तेज रफ्तार कार ने 18 साल की छात्रा मीना को टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। परिवार और युवाओं का आरोप है कि रसूखदार होने की वजह से उस राजनेता को बचाने की कोशिश की जा रही है। इसी गुस्से में वहां के छात्र और युवा सरकार के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। इस विरोध प्रदर्शन की खास बात यह है कि बड़े दफ्तरों के बजाय, हनोई में युवाओं ने विरोध प्रदर्शन के लिए ट्री 55% नाम के एक पेड़ को चुना है।

अमेरिका के अलास्का में चार्टर्ड प्लेन क्रेश, दो पायलटों समेत सभी 8 लोगों की मौत

वाशिंगटन

अमेरिका के पश्चिमी अलास्का में बड़ा हादसा हो गया है, जहां 8 लोगों को ले जा रहा रिमोट रडार साइट के पास एक चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के हवाले से एसोसिएटेड प्रेस ने इस विमान हादसे की पुष्टि की है।

घटना के तुरंत बाद मौके पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अलास्का के नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड के अध्यक्ष क्लिंट जॉनसन के अनुसार, विमान में दो पायलट और 6 यात्री थे इस हादसे प्लेन में सवार पायलट समेत सभी 8 लोगों की मौत हो गई।

रडार साइट के पास क्रैश हुआ चार्टर प्लेन

NTSB बोर्ड के अध्यक्ष क्लिंट जॉनसन के अनुसार, आठ लोगों को ले जा रहा एक दो इंजन वाला सेसना चार्टर विमान गुरुवार को एंकोरेज से केप न्यूएनहैम जाते समय पश्चिमी अलास्का में एक दूरस्थ रडार साइट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

अमेरिकी सेना ने कहा कि इस चार्टर प्लेन हादसे में विमान सवार 2 पायलट समेत सभी 8 लोगों की मौत की पुष्टि की है। यह चार्टर प्लेन गुडन्यूज बे से लगभग 40 मील दक्षिण में स्थित केप न्यूएनहैम की ओर जा रहा था। यह एक वायु सेना की हवाई पट्टी है और लंबी दूरी के रडार स्टेशन तक पहुंच प्रदान करती है। उन्होंने आगे बताया कि एनटीएसबी, अलास्का स्टेट ट्रूपर्स और बचाव समन्वय केंद्र दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। जैसे-जैसे और जानकारी उपलब्ध होगी, उसे जारी किया जाएगा।

कार्यकर्ताओं की मेहनत, त्याग और समर्पण के कारण ही भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है : संजय सरावगी

खगड़िया, (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्षसंजय सरावगी ने गुरुवार को कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत, त्याग और समर्पण के कारण ही भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। खगड़िया जिला के नवनिर्मित जिला कार्यालय का आज भव्य समारोह के बीच विधिवत उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी विशेष रूप से मौजूद थे । उन्होंने नए कार्यालय को संगठन के लिए अपना घर बताते हुए कहा कि यह केवल एक भवन का उद्घाटन नहीं, बल्कि खगड़िया में भाजपा की विचारधारा, संगठनात्मक गतिविधियों और कार्यकर्ताओं की सक्रियता को नई मजबूती देने की शुरुआत है। श्री सरावगी ने कहा कि कार्यालय की चारदीवारी के निर्माण को भी जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सुविधा और संगठन की मजबूती के लिए कार्यालय का नियमित रूप से सक्रिय रहना जरूरी है। उन्होंने जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न भगत से आग्रह किया कि रोस्टर बनाकर प्रतिदिन जिला का कोई न कोई पदाधिकारी कार्यालय में मौजूद रहे, जिससे किसी भी कार्यकर्ता के आने पर उसकी बात सुनने और समस्या के समाधान के लिए पदाधिकारी उपलब्ध रहें। श्री सरावगी ने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता ही संगठन के प्राण हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत, त्याग और समर्पण के कारण ही भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। पार्टी के मनीषियों ने जो विचारधारा दी, उसे लेकर कार्यकर्ता गांव-गांव तक पहुंचे और संगठन को मजबूत किया।

यूपी और जापान ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में सहयोग की नई संभावनाएं तलाशीं

लखनऊ, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश और जापान ने खाद्य प्रसंस्करण, वैल्यू एडिशन तथा वैश्विक बाजारों तक पहुंच के क्षेत्र में सहयोग की नई संभावनाओं पर चर्चा की। जापान-भारत बिजनेस नेटवर्किंग कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में यामानाशी प्रीफेक्चर के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि उत्पादों को आधुनिक तकनीक और प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला के माध्यम से वैश्विक बाजार से जोड़ने पर विचार-विमर्श किया। 'फ्रॉम फार्म गेट टू ग्लोबल प्लेट - अनलॉकिंग यूपी ज फूड प्रोसेसिंग रिवॉल्यूशन' विषयक सत्र में सरकार और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश के विशाल कृषि आधार को आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण, जापानी तकनीक, मजबूत सप्लाई चेन अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने की संभावनाओं पर चर्चा की।

कानून का सम्मान नहीं करते हैं राहुल : रवि शंकर

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अराजकता की राजनीति करने और कानून का सम्मान नहीं करने का आरोप लगाया है। श्री प्रसाद ने शुक्रवार को संसद मार्ग थाने में धरने पर बैठने को लेकर श्री गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी अराजकता की राजनीति कर रहे हैं। वह बिना किसी इजाज़त या पूर्व सूचना के संसद मार्ग थाना के बाहर धरना पर बैठ गये। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उन्हें बताया है कि जिस घटना का वह ज़िक्र कर रहे हैं, उस पर पहले ही प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है और उसकी जांच चल रही है। सबसे अहम बात यह है कि जो लोग पीड़ित थे, वे

उच्चतम न्यायालय गये और शीर्ष अदालत ने इस मामले की जांच के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति बनायी है।

उन्होंने सवाल किया, श्री गांधी, क्या आप किसी भी कानून का सम्मान नहीं करना चाहते? हमें शक है और हमारा आरोप है कि कांग्रेस अब राष्ट्रगीत वंदे मातरम पर अपने रुख की वजह से मुश्किल में फंसी हुई है। श्री गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस अभी जो कर रही है, हम उसकी निंदा करते हैं।

तीन वर्ष बाद फिर शुरू हुई इंफाल-गुवाहाटी बस सेवा

इंफाल, (वार्ता)। नागालैंड के दीमापुर होकर जाने वाली इंफाल-गुवाहाटी बस सेवा तीन वर्ष से अधिक समय के बाद शुक्रवार को फिर शुरू हो गयी, जो लंबे समय से चले आ रहे जातीय संघर्ष के बाद सामान्य स्थिति बहाल करने और अंतरराज्यीय संपर्क को मजबूत करने के मणिपुर सरकार के प्रयासों में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री सचिवालय की विज्ञप्ति के अनुसार आज सुबह दो बसों और पांच विंगर गाड़ियों में कुल 125 यात्री इंफाल से असम के प्रमुख शहर गुवाहाटी के लिए रवाना हुए। मई 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर बस सेवाएं ठप थीं। यात्रियों और स्थानीय निवासियों ने बस सेवाएं फिर से शुरू करने के इस कदम को अंतरराज्यीय आवाजाही के लिए एक सकारात्मक शुरुआत मानते हुए इसका व्यापक स्वागत किया है।

सोमालिया में तुर्किए के हथियारों से लदा मालवाहक जहाज समुद्री लुटेरों ने हाईजैक किया

मोगादिशु। सोमालिया के पुंटलैंड तट के पास समुद्री डाकुओं ने कैमरून के ध्वज वाला मालवाहक जहाज का अपहरण कर लिया है। इस जहाज पर सवार 10 सदस्यीय क्रू में 6 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। सोमाली अधिकारी के अनुसार, जहाज को एइल जिले के मरराया से लगभग 3.5 समुद्री मील दूर से अगवा किया गया और बाद में इसे नुगल तट की ओर ले जाया गया। जहाज पर सवार 10 सदस्यों में 6 भारतीय नागरिकों के अलावा 1 तुर्की नागरिक, 1 जॉर्जियाई नागरिक और 2 सर्बियाई सुरक्षा गार्ड मौजूद हैं। पोलर मूवमेंट शिपिंग के स्वामित्व वाला यह जहाज मोगदिशु स्थित एक सैन्य प्रशिक्षण केंद्र के लिए तुर्किए के हथियार, संचार प्रणाली और उपग्रह उपकरण ले जा रहा था। अधिकारियों का मानना है कि इस घटना को अंजाम देने वाले आठ समुद्री डाकू उसी गिरोह से जुड़े हैं, जिसने 26 अप्रैल को जहाज का अपहरण किया था। घटना के बाद तुर्किए के दो जहाज हाइजैक किए गए पोत के करीब पहुंचे, जबकि तुर्किए के हेलीकॉप्टरों और ड्रोन ने इलाके पर नजर बनाए रखी। मंगलवार को दो लोगों के साथ एक छोटी नाव जहाज के पास पहुंची और उसने वहां सोमालिया में इस्तेमाल होने वाला एक उत्तेजक पदार्थ खाट पहुंचाया। नाव के तट पर लौटने के बाद हुए एक हवाई हमले में चार लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। हालांकि, यह हमला किसने किया और मारे गए लोग अपहरण में शामिल थे या नहीं, इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

कुब्रा सैत ने शुरू की 'फर्जी 2' की शूटिंग, फिर सायरा के किरदार में आएंगी नजर

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले सीजन में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली कुब्रा एक बार फिर सायरा के किरदार में नजर आएंगी।कुब्रा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन के बाहर की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में वैनिटी वैन पर 'सायरा' और 'फर्जी 2' लिखा नजर आ रहा है। तस्वीरों के साथ उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, क्या ये झूठी खबर है? इसके बाद उन्होंने खुद ही इसकी पुष्टि करते हुए लिखा, हाँ यार! आखिरकार बेहद उत्साहित हूं... तो चलिए, 'फर्जी 2' की शुरुआत करते हैं! कुब्रा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, चलिए, अब इस ढेर सारी खुशी की शुरुआत करते हैं! उनकी पोस्ट से शो के दूसरे सीजन को लेकर उत्साह साफ नजर आ रहा है। कुब्रा पहले भी बता चुकी हैं कि जब उन्हें 'फर्जी' की पेशकश हुई थी, तब उन्होंने दोनों सीजन के लिए एक साथ प्रतिबद्धता जताई थी। उनकी हालिया पोस्ट लंबे इंतजार के बाद दूसरे सीजन की शूटिंग शुरू होने की पुष्टि करती है।

राज और डीके द्वारा निर्मित 'फर्जी' में कुब्रा सैत के अलावा शाहिद कपूर, विजय सेतुपति, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा, केके मेनन और जाकिर हुसैन अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पहले सीजन में कुब्रा ने सायरा का किरदार निभाया था, जो केके मेनन के किरदार मंसूर दलाल से जुड़ी हुई थी। दूसरे सीजन में उनके किरदार की कहानी किस दिशा में आगे बढ़ेगी, इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत पिछले वर्ष फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आई थीं। इस वर्ष वह निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा की वेब सीरीज 'संकल्प' में भी दिखाई दीं, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों की सराहना मिली। अभिनय के साथ लेखन, होस्टिंग और स्टैंड-अप कॉमेडी में भी अपनी पहचान बना चुकी कुब्रा सैत की 'फर्जी 2' में वापसी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

जेनिफर एनिस्टन के सामने परफॉर्म करने का अनुभव विधात्री बंदी ने किया साझा

अभिनेत्री विधात्री बंदी ने 'फ्रेंड्स' की स्टार जेनिफर एनिस्टन के सामने परफॉर्म करने का अपना यादगार अनुभव साझा किया है। विधात्री बंदी ने बताया कि एक मास्टरक्लास के दौरान 45 छात्रों में से उन्हें एनिस्टन के सामने सीन परफॉर्म करने के लिए चुना गया था। वह अपनी बैच की सबसे कम उम्र की और इकलौती भारतीय छात्रा थीं। विधात्री ने बताया कि उनके प्रोफेसर एंड्रिया बैंडवॉल्ड और निक्की डेलोच ने उन्हें एनिस्टन के सामने परफॉर्म करने के लिए चुना था। उन्होंने कहा कि शुरुआत में वह काफी नर्वस थीं, क्योंकि उन्हें सबसे पहले परफॉर्म करना था।उन्होंने कहा, फिर मैंने ऊपर देखा और जेनिफर एनिस्टन को सामने बैठे देखा। जिस अभिनेत्री को मैंने बचपन से 'रेचल ग्रीन' के रूप में देखा था, वह अब मुझे परफॉर्म करते हुए देख रही थीं। कुछ सेकंड के लिए मुझे समझ ही नहीं आया कि यह सच में हो रहा है। लेकिन मैंने गहरी सांस ली और परफॉर्म करना शुरू कर दिया। जैसे ही मैंने अपनी पहली लाइन बोली, बाकी सब कुछ भूल गई। वह पूरा अनुभव मेरे लिए अविश्वसनीय था। विधात्री ने बताया कि एनिस्टन ने उनके परफॉर्मेंस पर उन्हें कुछ सुझाव दिए, उनके काम की तारीफ की और उन्हें गले भी लगाया।उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने उन्हें अभिनय को लेकर अपने भीतर चल रहे सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने बताया कि इसके महज चार महीने पहले वह यह सोचकर असमंजस में थीं कि क्या अभिनय उनके लिए सही करियर है और क्या वह इंडस्ट्री में अपनी जगह बना पाएंगी। विधात्री ने कहा कि लॉस एंजिल्स में यूसीएलए में 45 छात्रों के बीच जेनिफर एनिस्टन के सामने परफॉर्म करने के लिए चुना जाना उनके लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं था। इस अनुभव ने उन्हें यह भरोसा दिया कि वह इस क्षेत्र में अपनी जगह बना सकती हैं और आगे बढ़ सकती हैं।

रिश्ते को सुधारने से पहले उसके दर्द को समझना जरूरी है : करुणा पांडे

सोनी सब का लोकप्रिय शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' जटिल रिश्तों और भावनात्मक पारिवारिक रिश्तों की कहानी को आगे बढ़ा रहा है। शो में पुष्पा का किरदार निभा रहीं करुणा पांडे अब चिराग और शनाया की शादी को टूटने से बचाने की कोशिश करती नजर आएंगी।

शो की मौजूदा कहानी में चिराग और शनाया तलाक के करीब पहुंच चुके हैं। पुष्पा यह समझने की कोशिश कर रही है कि आखिर शनाया के दर्द की असली वजह क्या है। वह मानती है कि किसी रिश्ते को बचाने से पहले उसके पीछे छिपे दर्द को समझना जरूरी है।

चिराग मनवा के जाने के सदमे से जूझ रहा है और धीरे-धीरे सभी से दूर होता जा रहा है। यहां तक कि वह नौकरी छोड़ने के बारे में भी सोच रहा है। दूसरी ओर, दिल टूटने के बावजूद शनाया अपनी शादी खत्म करने के फैसले पर कायम है। जब चिराग तलाक के कागजों पर हस्ताक्षर करने की तैयारी करता है, तब पुष्पा को पता चलता है कि शनाया ने घर बचाने के लिए बड़ा त्याग किया था। यह जानकर पुष्पा का नजरिया बदल जाता है और वह दोनों को एक और मौका देने का फैसला करती है। हालांकि, चिराग तलाक के कागजों पर हस्ताक्षर कर देता है और दोनों को कोर्ट में प्रक्रिया पूरी करने के लिए बुलाया जाता है। ऐसे में पुष्पा को एहसास होता है कि मामला उसके अनुमान से कहीं ज्यादा गंभीर हो चुका है। चिराग और शनाया को फिर से साथ लाने की कोशिश में पुष्पा शनाया के दर्द की गहराई को समझने लगती है और उसकी मां को खोजने का फैसला करती है। क्या चिराग और शनाया की शादी टूटने से पहले पुष्पा उसकी मां को खोज पाएगी, यह देखना दिलचस्प होगा। आगामी ट्रैक के बारे में करुणा पांडे ने कहा, पुष्पा देख सकती है कि चिराग और शनाया दोनों ही आहत हैं, लेकिन उनमें से कोई भी पीछे हटकर अपने मतभेद सुलझाने को तैयार नहीं है। उसे यह भी पता है कि शनाया के अतीत के बारे में बहुत कुछ ऐसा है, जिसे वे अभी तक नहीं जानते। पुष्पा के लिए अब यह सिर्फ तलाक रोकने की बात नहीं रह गई है। वह शनाया को बेहतर समझना चाहती है और जानना चाहती है कि उसे आज का इंसान किसने बनाया है। मेरा मानना है कि कभी-कभी रिश्ते को ठीक करने से पहले उसके पीछे का दर्द समझना जरूरी होता है।

राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का 2 दिवसीय आयोजन संपन्न

मेहनत, अनुशासन एवं आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी : उदयप्रताप सिंह

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

बीते शुक्रवार को साईखेड़ा के सांदीपनी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में विज्ञान, गणित, पर्यावरण, एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 के राज्य स्तरीय आयोजन का समापन हो गया। प्रदर्शनी का समापन कार्यक्रम विद्यालय परिसर में अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की पूजन अर्चना से किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों के स्वागत उपरांत छात्राओं द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की वह कुंजी है, जो विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुँचाती है। आज इन युवाओं के चेहरों पर ही मुझे भारत का उज्वल भविष्य दिखाई देता है। उन्होंने कहा कहा कि विद्यार्थी पढ़-लिखकर जीवन में उन्नति करें, देश सेवा में योगदान दें और स्वावलंबी बनकर रोजगार के नए अवसर सृजित करें। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों को इन मूल्यों के प्रति निरंतर प्रेरित करें, ताकि वे सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का नया मानक स्थापित कर

रहे हैं। ड्रॉपआउट दर शून्य होना और मेरिट में सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसी परिवर्तन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा एवं ज्ञान को प्रदर्शित करने का अच्छा अवसर मिला ।

छात्र छात्राओं ने हड़प्पा, मोहन जोदड़ो संस्कृतियों के अलावा अनेक उपयोगी मॉडल बनाये इनको तैयार करवाने में उनके मार्गदर्शी शिक्षकों की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व जनपद अध्यक्ष मुकेश मरैया ने कहा कि विद्यार्थियों ने इस प्रदर्शनी में अपने कौशलो का बेहतर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम मे राज्य शिक्षा केंद्र से डॉ विपिन वर्मा एवं डीपीसी प्रदीप कुमार द्विवेदी ने प्रतिवेदन में राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी से जुडी जानकारी प्रस्तुत करते हुए सहयोगियो के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन मनीष शंकर तिवारी एवं आभार प्रदर्शन नगर परिषद अध्यक्ष स्वाति सचिन अग्रवाल ने किया। समापन कार्यक्रम के पूर्व, मंत्री श्री सिंह ने विज्ञान एवं इतिहास विषयों के मॉडलों को देखा। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं रचनात्मकता की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। इस आयोजन की मॉडल विधा अंतर्गत विज्ञान विषय में नर्मदापुरम संभाग से अदिति लौवंशी ने प्रथम, ग्वालियर से लवली लोधी, जबलपुर से आर्यन वर्मा ने द्वितीय, रीवा से नंद जी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, गणित विषय में जबलपुर संभाग से अम्बिका साहू ने प्रथम, जबलपुर से प्रफुल्ल मिश्रा, सागर से राज बाई, उज्जैन से करन भूरिया ने द्वितीय, ग्वालियर से समर बघेल ने तृतीय, इतिहास में ग्वालियर से सायनी जाटव ने प्रथम, जबलपुर से आयुषी प्रजापति ने द्वितीय, नर्मदापुरम से कविता ने तृतीय, पर्यावरण विषय में सागर संभाग से दिव्या पटैल ने प्रथम, नीरज प्रजापति ने द्वितीय, अरुणा अग्रवाल ने द्वितीय, जबलपुर से शिवानी रजक ने तृतीय स्थान, भूगोल विषय में उज्जैन संभाग से अर्शल्म मंसूरी ने प्रथम, सागर से अम्बिका पाठक ने द्वितीय, इंदौर से परवेश आर्य ने तृतीय स्थान, राजनीति विषय में ग्वालियर से सहज़वीर कौर ने प्रथम, इंदौर से उर्वशी ने द्वितीय, भोपाल से पूजा यादव ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसी प्रकार सेमिनार, पर्यावरण गीत, लघुनाटिका एवं प्रश्न विधा में भी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान वाले विद्यार्थियो एवं शिक्षक आकांक्षा राजोरिया को भी स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र मंत्री श्री सिंह सहित अतिथियों ने प्रदान किये। इस अवसर पर पूर्व विधायक नरेश पाठक, नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, मिनेन्द्र डागा,डॉ योगेश कौरव, ऋचा स्थापक, अंजू शुक्ला,धनंजय पटैल, गौरीशंकर खेमरिया, धर्मपाल सिँह,चंद्रकांत शर्मा, दिग्विजय सिंह ,कीरत सिंह पटैल, सुरेश मामूलिया, पंचम सिंह पटेल, अशोक भार्गव,स्मृति जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं एसडीएम प्रगति वर्मा,संयुक्त संचालक घनश्याम सोनी, एनसीईआरटी से पी वी राघवेंद्रा, राज्य शिक्षा केंद्र से सुनील श्रीवास्तव, विपिन वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, डीपीसी प्रदीप कुमार द्विवेदी,बीईओ सीमा डोंगरे, वीरेंद्र राजपूत, एपीसी मनीष चौकसे, समीर त्यागी, बीआरसी डी के पटैल,बंटी जाट, प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा,बीएसी मनीराम मेहरा, पवन राजोरिया सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, प्रदेश के विद्यालयों से आए छात्र छात्रायें उपस्थित रहे ।

छात्र छात्राओं को विधिक सेवाएं, एसिड अटैक, छेड़छाड़, पॉक्सो अधिनियम की जानकारी दी गई

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। शासकीय महिला पालीटेक्निक कॉलेज नरसिंहपुर में छात्र छात्राओं को विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण माननीय श्री अखिलेश शुक्ला के निर्देशन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिनेश मीणा एवं विधिक सहायता अधिकारी श्री राजेश कुमार सक्सेना के मार्गदर्शन में पैरा लीगल वालिटीयर आशुतोष स्वामी ने छात्र छात्राओं को निशुल्क वकील की सहायता ऐसा व्यक्ति जिसकी वार्षिक आय दो लाख रुपये से कम है उनको निशुल्क सरकारी वकील मिलता है न्याय सब के लिए एक जैसा है, इसमें नागरिकों को शीघ्र, सस्ता, सुलभ न्याय उपलब्ध कराया जाता है एवं समय समय पर नेशनल लोक अदालत का आयोजन होता है अगले माह 12 सितंबर 2026 दिन शनिवार को नेशनल लोक अदालत आयोजन होगा इसमें सभी प्रकार के प्रकरण हल किये जाते है छात्र छात्राओं को न्यायालय की कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी एवं मौलिक अधिकार कर्तव्य, बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवायें एवं उनके सरंक्षण के लिए योजना की जानकारी दी गई, नालसा (एसिड हमलों के पीड़ितों को विधिक सेवाएं) योजना 2016 एवं पॉक्सो अधिनियम 2020 इसके अलावा आशुतोष स्वामी ने छात्र छात्राओं से कहा आजकल हर व्यक्ति के पास मोबाइल है इसका दुरुपयोग करने लगे हैं छोटे बच्चे ऑनलाइन गेम खेलते हैं इससे पैसा, समय बर्बाद होता है पूरा दिन मोबाइल में सोशल मीडिया, रील बनाने व्यतीत करते हैं एवं गलत साइट ओपन करते हैं जालसाज में फस जाते हैं अतः हमें मोबाइल से दूरी बना लेना चाहिए, हमें अभी से पढ़ाई, खेलकूद पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए मोबाइल से आजकल साइबर अपराध इसी से ज्यादा होने लगे हैं इसके अलावा आजकल ऑनलाइन शॉपिंग का चलन आम बात हो गई है कई विदेशी कंपनी जैसे अमेजन, फिल्पकार्ट, मिशो अन्य साइट से कोई वस्तु बुलाते हैं तो कई कंपनियां छूट, प्रलोभन देती है इससे भी आप फस जाते हैं अतः कोई भी वस्तु ऑनलाइन बुलाते हैं तो बिल लेना जरूरी है अगर बिल नहीं देता है, तो आप उपभोक्ता फोरम में शिकायत कर सकते हैं वर्तमान समय में हर काम ऑनलाइन होने लगा है चाहे बैंक से जुड़ा काम हो या फिर सरकारी सेवाओं का लाभ उठाना हो तो लोग ज्यादातर काम के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल करने लगे हैं इसी से बढ़ते डिजिटल इस्तेमाल के साथ साइबर ठक भी नये नये तरीके अपनाकर लोगों को अपनी जाल में फंसाकर उन्हें ठगी का शिकार बनाते हैं इसके लिए ठग असली बेबसाइट तरह नजर आने वाली नकली बेबसाइट बनाकर लोगों की बैकिंग जानकारी, पासवर्ड और निजी डेटा को चुरा लेते हैं ऐसे में आवश्यक है कि समय रहते आप किसी भी वेबसाइट पर अपनी जानकारी दर्ज करने से पहले उसकी अच्छी तरह से पहचान कर लें तो ही बचा जा सकता है इसके अलावा छात्र छात्राओं को कई सरकारी विभागों के हेल्पलाइन नंबर बताये गए जैसे विधिक सेवा का हेल्पलाइन नंबर 15100 है साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी गई एवं केंद्र सरकार राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई, साथ ही अच्छा व्यक्ति बनने के गुण बताये गए एवं शपथ ली गई दहेज न लेंगे न ही देंगे इसके अलावा घरेलू हिंसा, बाल मजदूरी, बाल विवाह, एवं महिलाओं को छेड़ता है टच करता है बलात्कार करता है तो तत्काल थाने में रिपोर्ट करें अथवा अपने मोबाइल से एफआईआर दर्ज करें जिससे वह व्यक्ति को सजा मिल सके इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ बीएम बघेल जी एवं पैरा लीगल वालिटियर आशुतोष स्वामी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों से चर्चा कर पंजीयन में तेजी लाने के दिए निर्देश, राशन दुकान में खराब गेहूं अलग रखने को कहा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

डिंडौरी एसडीएम रामबाबू देवांगन ने शुक्रवार को ग्राम धुर्रा माल में आयोजित फार्मर रजिस्ट्री कैंप का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की जानकारी ली और ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें समय पर पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया। एसडीएम ने पटवारी को फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र किसानों का पंजीयन समयसीमा में सुनिश्चित हो सके। इसके बाद एसडीएम ने ग्राम की उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से राशन वितरण की स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि दुकान निर्धारित समय पर खुलती है तथा पात्र हितग्राहियों को नियमित रूप से राशन का वितरण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान गेहूं की कुछ बोरियों की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाए जाने पर एसडीएम ने सेल्समैन को संबंधित बोरियों को अलग रखने के निर्देश दिए। एसडीएम ने ग्राम के खेल मैदान में स्थित ट्रांसफार्मर को अन्य सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने के संबंध में विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने गांवों में पहुंचकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

नरसिंहपुर स्वतंत्रमत।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जिले में ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर सुनकर उनके त्वरित निराकरण तथा शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत हीरापुर में अभियान का तीसरा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में शामिल होने के लिए विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी वाहन पूल के माध्यम से रवाना हुए।

रवाना होने से पहले कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अधिकारियों की बैठक लेकर मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के उद्देश्यों और शिविर के दौरान किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने, पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने तथा लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्राम पिठेहरा में ग्रामीणों से किया संवाद

शिविर स्थल पर पहुंचने से पहले कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने ग्राम पिठेहरा पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने गांव में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।इस दौरान उन्होंने शासकीय विद्यालय का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया। कलेक्टर ने गांव में संचालित शासकीय भवनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को बेहतर शासकीय सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। ग्रामीणों ने कलेक्टर को बताया कि कई परिवारों के सदस्यों के नाम राशन कार्ड में दर्ज नहीं हैं। इसके अलावा कुछ बच्चों के आधार कार्ड,ई केवायसी एवं संबल कार्ड भी नहीं बने हैं। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गांव में विशेष आधार शिविर आयोजित कर लोगों के आधार कार्ड बनवाए जाएं।

इसके बाद कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने शासकीय प्राथमिक शाला बंधी का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कक्षा में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया और उनसे पढ़ाए जा रहे अध्याय का पाठ भी सुना। विद्यालय की शिक्षिका ने बताया कि स्कूल में तीन शिक्षक कार्यरत हैं तथा कुल 50 विद्यार्थी पंजीकृत हैं।कलेक्टर ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक स्थिति की जानकारी लेते हुए शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित अध्यापन और विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता में सुधार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान ग्राम बिचुआ के ग्रामीणों ने कलेक्टर से मुलाकात कर गांव के पहुंच मार्ग की खराब स्थिति तथा मार्ग पर किए गए अतिक्रमण की समस्या से अवगत कराया। कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित तहसीलदार को राजस्व अमले के साथ मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने तथा पहुंच मार्ग से संबंधित आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जन सेवा अभियान के अंतर्गत ग्राम खन्नौधी में शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनकर पुलिस अधीक्षक ने मौके पर ही किया निराकरण

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के अंतर्गत को थाना गोहपारू अंतर्गत ग्राम खन्नौधी में पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल द्वारा जनसुनवाई की गई। इस दौरान शिकायतकर्ताओं की समस्याओं एवं सी.एम. हेल्पलाइन शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा संबंधित प्रकरणों में मौके पर ही आवश्यक कार्यवाही करते हुए निराकरण किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा शिकायतकर्ताओं की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के संबंध में थाना प्रभारी गोहपारू को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही आमजन की शिकायतों पर संवेदनशीलता एवं तत्परता से कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डीएसपी महिला अपराध प्रकोष्ठ शिवाली चतुर्वेदी, थाना प्रभारी गोहपारू एवं थाना प्रभारी जयसिंहनगर द्वारा जनसुनवाई में उपस्थित नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में सहयोग प्रदान किया गया।

थाना प्रभारी गोहपारू को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान: समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण अवसर : मंत्री पटेल

मंत्री श्री पटेल ग्राम हीरापुर में आयोजित जन संवाद शिविर में शामिल हुए

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

राज्य शासन के पंचायत एवं ग्रामीण व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत हीरापुर में आयोजित जन-संवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने और अपनी समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान नागरिकों के लिए अपनी व्यक्तिगत और गांव से जुड़ी समस्याओं को सामने रखने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस दौरान ग्रामीण अपनी समस्याओं के साथ-साथ पात्रतानुसार शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी आवेदन करें। यह ऐसा अवसर है, जहां नागरिकों की समस्याओं का सुविधाजनक एवं त्वरित समाधान किया जा सकता है और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जा सकता है।

हीरापुर-सांकल के बीच नर्मदा नदी पर बनेगा पुल

कैबिनेट मंत्री श्री पटेल ने कहा कि राजा हिरदेशाह की जन्मभूमि व कर्मभूमि को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि हीरापुर से उनका गहरा रिश्ता है। हीरापुर से जुड़ी अपनी स्मृतियां भी साझा की। उन्होंने बताया कि ग्राम सांकल और ग्राम हीरापुर के बीच नर्मदा नदी पर करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण का टेंडर स्वीकृत हो गया है। इसमें हीरापुर का पुराना रास्ता भी शामिल है, जो मुख्य मार्ग से जुड़ेगा। इसी प्रकार ग्राम हीरापुर के समीप हिरन नदी पर करीब 16 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पुल का टेंडर भी स्वीकृत हो गया है। इन दोनों महत्वपूर्ण पुलों के 2 सालों में निर्माण कार्य पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों के आवागमन में सुविधा होगी।

भूमि अधिग्रहण पर किसानों को मिलेगा गाइडलाइन का चार गुना मुआवजा

कैबिनेट मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2015 के नियमों में संशोधन किया है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण होने पर किसानों को गाइडलाइन के चार गुना तक मुआवजा मिल सकेगा।

पात्र श्रमिक भवन संनिर्माण कर्मकार मंडल का कार्ड बनवाएं

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सड़क निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाने वाले श्रमिक एवं मिस्त्री तथा मनरेगा में कार्य करने वाली पात्र श्रमिक श्रेणियों के लोगों का भी भवन संनिर्माण कर्मकार मंडल का कार्ड बनाया जा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से इसके लिए आवेदन करने का आग्रह किया।उन्होंने सरपंच एवं पंचायत सचिव से कहा कि गांव के पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उनके भवन संनिर्माण कर्मकार मंडल के कार्ड बनवाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस कार्ड के माध्यम से हितग्राहियों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकता है। बीमारी, पेंशन, बच्चों की पढ़ाई सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कार्डधारी श्रमिकों

के बच्चों को शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति सहित अन्य लाभ भी मिलते हैं।मंत्री श्री पटेल ने बताया कि जिले के भवन संनिर्माण कर्मकार मंडल परिवार के एक विद्यार्थी का विदेश में अध्ययन के लिए चयन हुआ है, जिसके अध्ययन का खर्च लगभग 7 करोड़ रुपये श्रम मंत्रालय द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे जागरूक बनें और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर पात्रतानुसार उनका लाभ जरूर लें।

नर्मदा तट पर पौधरोपण कर आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित करें पर्यावरण-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमें अपनी आने वाली पीढ़ी के भविष्य के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बच्चों को बुरी आदतों से दूर रखने के साथ उन्हें स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण देना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हम नर्मदा जी से सिंचाई सहित अनेक सुविधाओं के लिए जल लेते हैं, इसलिए हमारी आस्था के साथ नर्मदा नदी के संरक्षण की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने ग्रामीणों से नर्मदा नदी के किनारे पौधरोपण करने का आव्हान करते हुए कहा कि नर्मदा नदी से लगी शासकीय भूमि पर भी अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएं। नर्मदा तट पर परिक्रमावासियों की सुविधा के लिए भी आवश्यक कार्य किए जाएं, ताकि उन्हें आवागमन में किसी प्रकार की बाधा न हो।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि यदि गांव के नागरिक एकजुट होकर प्रयास करें, तो नशे जैसी बुराइयों को गांव में प्रवेश करने से रोका जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से परिश्रम एवं श्रम को जीवन का हिस्सा बनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि श्रम करते रहने से शरीर स्वस्थ रहता है और हम स्वयं के साथ-साथ दूसरों की भी मदद करने में सक्षम बनते हैं। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के दौरान ग्राम हीरापुर में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने विभिन्न हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से हितलाभ वितरित कर उन्हें लाभांवित किया। मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने 40 स्वसहायता समूह की महिलाओं को एक करोड़ 7 लाख रुपये का चैक सौंपा।

इसके अलावा पशु पालन विभाग द्वारा संचालित आचार्य विद्या सागर योजना के तहत श्री अभिषेक लोधी को स्वीकृति पत्र सौंपा गया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मरीजों को फूड बास्केट भी वितरित किए।

हीरापुर शिविर में ग्रामीणों को मौके पर ही मिली विभिन्न शासकीय सेवाओं की सुविधा

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ग्राम हीरापुर में आयोजित शिविर में नागरिकों को उपलब्ध कराई गई सेवाओं एवं लाभों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि शिविर के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को मौके पर ही आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं तथा पात्र हितग्राहियों के आवेदन एवं दस्तावेज संबंधी कार्यवाही की गई। कलेक्टर ने बताया कि शिविर में 48 किसानों में से 31 किसानों की फार्मर आईडी बनाई गई तथा 6 फौती दर्ज की गई। समग्र ई-केवायसी के तहत 8 नागरिकों के कार्य पूर्ण किए गए, जबकि राशन पात्रता पर्ची में 8 नाम जोड़े गए। सहकारिता विभाग के माध्यम से 12 किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 2 लाड़ली बहना योजना के आवेदन भरवाए गए।

श्रम विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के लिए 15 हितग्राहियों के आवेदन दर्ज किए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बताया कि शिविर में लगाए गए आधार सेंटर के माध्यम से 36 लोगों के आधार संबंधी कार्य किए गए। इनमें 20 नए आधार कार्ड बनाए गए तथा 16 आधार कार्ड अपडेट किए गए। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में 48 लोगों के एक्स-रे किए गए। इसके अलावा 100 से अधिक नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यकतानुसार दवाइयां वितरित की गईं। पशुपालन विभाग द्वारा शिविर में पशुओं के टीकाकरण का कार्य भी किया गया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, राजा कौशलेंद्र सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्री सीताराम नामदेव, श्री देवी सिंह पटेल, श्री महेश राव, श्री वीरेंद्र पटेल, श्री दीपक राय, श्री मनमोहन साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत हीरापुर में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जन संवाद कार्यक्रम में शामिल होने से पूर्व मां नर्मदा समृद्धि योजना के अंतर्गत ग्राम बंदरोहा में पौधारोपण किया।

महापौर ने ली लोक निर्माण विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक

वार्डवार विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों को गति देने तथा नागरिकों को समय पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महापौर प्रीति संजीव सूरी ने गुरुवार को निगम के लोक निर्माण विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में नगर में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति, प्रगति एवं कार्य पूर्ण होने की स्थिति की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए महापौर ने अधिकारियों से प्रत्येक कार्य की जानकारी लेते हुए कार्यों में आ रही बाधाओं तथा उनकी प्रगति के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर दिशा-निर्देश दिए।

भूमि पूजन के बाद प्रारंभ हुए विकास कार्यों की प्रगति की ली जानकारी-महापौर ने नगर के विभिन्न क्षेत्रों एवं वार्डों में जिन विकास कार्यों का भूमि पूजन किया जा चुका है, उनकी स्थिति की समीक्षा करते हुए जानकारी ली कि कितने कार्य प्रारंभ हो चुके हैं, कितने कार्य प्रगतिरत हैं तथा कितने कार्य पूर्ण हो चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन हो चुका है, लेकिन अभी तक कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, उन्हें किसी भी स्थिति में लंबित न रखा जाए। ऐसे सभी कार्यों को एक सप्ताह के भीतर प्रारंभ कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब से नागरिकों को असुविधा होती है, इसलिए कार्य प्रारंभ करने से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण की जाएं।

चल रहे निर्माण कार्यों की भी हुई विस्तृत समीक्षा-बैठक में नगर के विभिन्न क्षेत्रों में वर्तमान में चल रहे एवं निर्माणाधीन बड़े विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। महापौर ने कार्यवार प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जाए तथा कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्य केवल निर्धारित समय में पूर्ण होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका गुणवत्तापूर्ण होना भी आवश्यक है।

सेल्फी प्वाइंट के कार्यों को प्राथमिकता से कराएं पूर्ण-महापौर ने नगर में बरगवां स्थित सेल्फी प्वाइंट संबंधित विकास कार्य की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सेल्फी प्वाइंट डेवलपमेंट के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए, ताकि नगर में आकर्षक एवं आधुनिक सार्वजनिक स्थलों का विकास हो सके। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थलों के निर्माण के साथ-साथ उनकी सुंदरता, आकर्षक डिजाइन एवं आसपास की व्यवस्थाओं का भी विशेष ध्यान रखा जाएए जिससे नागरिकों के लिए यह आकर्षण का केंद्र बन सकें।

मुख्य मार्गों के विकास के प्रस्ताव पूर्व से तैयार करने के निर्देश-महापौर ने नगर के प्रमुख एवं मुख्य मार्गों से संबंधित विकास कार्यों के प्रस्ताव पूर्व से तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के बाद जैसे ही निर्माण कार्य प्रारंभ करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनेंए उस समय प्रस्ताव एवं आवश्यक प्रक्रियाओं के कारण कार्यों में देरी न हो। इसके लिए संबंधित अधिकारी अभी से आवश्यक सर्वेए प्रस्ताव एवं अन्य प्रक्रियाएं पूर्ण कर तैयारियां सुनिश्चित करें, ताकि बारिश उपरांत मुख्य मार्गों के विकास एवं सुधार कार्य तत्काल प्रारंभ किए जा सकें।

डिवाइडर एवं चौराहों के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष जोर-बैठक में नगर के प्रमुख डिवाइडरों एवं चौराहों के सौंदर्यीकरण को लेकर भी चर्चा की गई। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों को व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने के लिए सौंदर्यीकरण कार्ययोजना अनुसार डिवाइडरों, चौराहों एवं प्रमुख स्थानों पर हरियाली, आकर्षक संरचनाओं एवं आवश्यक सुविधाओं के माध्यम से नगर की सुंदरता बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर का सौंदर्यीकरण नागरिकों की सुविधा के साथ-साथ नगर की बेहतर पहचान स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निर्धारित समयावधि में पूर्ण हों सभी कार्य-महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विकास एवं निर्माण कार्यों को निर्धारित समयावधि का ध्यान रखते हुए पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है, उनमें आवश्यक समन्वय स्थापित कर गति लाई जाए। साथ ही निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाली सामग्री एवं निर्माण की गुणवत्ता की लगातार जांच सुनिश्चित की जाए।

नागरिकों को समय पर मिले विकास कार्यों का लाभ-महापौर ने बैठक में कहा कि नगर में कराए जा रहे विकास कार्य सीधे तौर पर नागरिकों की सुविधाओं और शहर के विकास से जुड़े हैं। इसलिए प्रत्येक कार्य को प्राथमिकता के साथ समय सीमा में पूर्ण कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए जहां भी कोई समस्या सामने आए, उसका तत्काल निराकरण किया जाए, ताकि नागरिकों को विकास कार्यों का लाभ समय पर मिल सके। बैठक के दौरान सहायक यंत्री सुनील सिंह सहित सभी क्षेत्रीय उपयंत्रियों तथा लिपिको की मौजूदगी रही।

क्रूरता पूर्वक एवं बिना परमिट 263 पशुओं का परिवहन करते 2 आरोपी गिरफ्तार, 01 ट्रक जब्त

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक जिला कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा जिले में अवैध शराब के विक्रय एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा जिले में पशुओं के अवैध एवं क्रूरता पूर्वक परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक अजाक शिवा पाठक के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी माधव नगर शैलेन्द्र सिंह यादव के नेतृत्व में चौकी प्रभारी झिंझरी उनि राजेश कुमार दुबे सउनि. शशिभूषण सिंह द्वारा हमराही स्टाफ व थाना यातायात स्टाफ के साथ मुखबिर सूचना पर कार्रवाई की गई। 20 अगस्त को चौकी झिंझरी मे सूचना प्राप्त हुई की यातायात पुलिस स्टाफ द्वारा एक ट्रक मे भरी भेड बकरी गुलबारा ब्रीज के ऊपर एन.एच. 30 रोड पर पकडे है कि सूचना पर चौकी झिंझरी पुलिस व्दारा मौके पर पाया गया कि ट्रक क्रमांक एम.एच. 31 एफ.बी. 8433 मे बहुत अधिक संख्या में क्रूरता पूर्वक बकरा, बकरी एवं भेड भरे हुये थे। ट्रक क्रमांक एम.एच. 31 एफ.बी. 8433 के चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम शिवा कुशवाहा पिता राजकुमार कुशवाहा उम्र 29 साल निवासी श्यामनगर थाना नागौद जिला सतना का रहने वाला बताया चालक शिवा कुशबाहा से ट्रक मे बकरा बकरी भेड का परिवहन किये जाने के बैध दस्तावेज मागा गया जो कोई दस्तावेज का होना नही बताये जाने पर शिवा कुशबाहा के कब्जे से ट्रक क्रमांक एम.एच. 31 एफ.बी. 8433 मय कागजात एवं ट्रक एम.एच. 31 एफ.बी. 8433 मे भरी कुल बकरा बकरी भेड 263 नग जप्त कर आरोपी शिवा कुशबाहा एवं बाहन स्वामी अनूप जनार्दन भैसारे के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम व एमव्ही एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत कार्यवाही करते हुए अपराध पंजीबद्ध किया गया।

शिव भक्ति से सराबोर हुआ नई बस्ती, कथा का पूर्णाहुति दिवस

कटनी (स्वतंत्रमत)

सावन मास के पावन अवसर पर नई बस्ती स्थित केडीसी सिलिकोबाइट परिसर में चल रही नौ दिवसीय सार्वजनिक संगीतमय शिव महापुराण कथा का 21 अगस्त को धार्मिक विधि-विधान के साथ समापन होगा। 13 अगस्त से चल रहे आयोजन में प्रतिदिन श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन रहे। कथा के साथ पार्थिव शिवलिंग निर्माण और रुद्राभिषेक में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। कथा व्यास आचार्य पुष्पेंद्र महाराज द्वारा शिव महापुराण के प्रसंगों का संगीतमय वाचन किया गया। आयोजन स्थल पर प्रतिदिन भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना कर सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। आयोजन समिति के अनुसार कथा के अंतिम दिन श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक कार्यक्रम होंगे। 22 अगस्त को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समिति ने शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं से कथा के समापन अवसर पर पहुंचने और अगले दिन भंडारा प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। हर-हर महादेव और ओम नमः शिवाय के जयघोष से आयोजन स्थल गूंजता रहा।

नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा का होगा समापन, पार्थिव शिवलिंग निर्माण और रुद्राभिषेक में उमड़ी श्रद्धाय कल भंडारा

पुलिस अधीक्षक ने ली अपराध समीक्षा बैठक

ग्राउंड पुलिसिंग मजबूत करने, तकनीकी अनुसंधान एवं अपराध नियंत्रण पर दिया जोर

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम कटनी में जिले के समस्त थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अपराध की स्थिति, लंबित प्रकरणों, कानून व्यवस्था तथा पुलिसिंग से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने थाना एवं चौकी प्रभारियों को ग्राउंड लेवल पर पुलिस की विजिबिलिटी बढ़ाने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना और पुलिस के प्रति विश्वास को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सामाजिक एवं असामाजिक तत्वों पर प्रभावी निगरानी रखते हुए उनके विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई करने तथा क्षेत्र में निरंतर प्रभावी ग्राउंड पुलिसिंग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। पुलिस अधीक्षक ने संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं विवेचना में टेक्निकल एवं एक्सपर्ट आधारित अनुसंधान को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। अपराधों के खुलासे के लिए सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य एवं अन्य उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए वैज्ञानिक पद्धति से अनुसंधान करने के निर्देश दिए गए। यातायात व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस अधीक्षक ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध अधिक से अधिक कार्रवाई करने तथा धारा 185 मोटरयान अधिनियम सहित संबंधित प्रावधानों के तहत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वाहन चेकिंग के दौरान दो पहिया, चार पहिया एवं अन्य सभी प्रकार के वाहनों की सघन एवं निष्पक्ष जांच करने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि मादक पदार्थों की कमर्शियल मात्रा में बरामदगी वाले प्रकरणों में विधि-सम्मत एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े नेटवर्क की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए अपराध नियंत्रण की दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। लोक शांति एवं कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध अधिक से अधिक प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने तथा ऐसे व्यक्तियों को अंतिम रूप से बाउंड ओवर कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले तत्वों पर समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जाए। पुलिस अधीक्षक

ने सीसीटीएनएस, ई-एफआईआर एवं टैब के माध्यम से पुलिस अनुसंधान एवं विवेचना तथा अन्य पुलिस कार्यवाहियों को प्रभावी रूप से संपादित करने के निर्देश दिए। डिजिटल माध्यमों के अधिकतम उपयोग से अनुसंधान की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं कार्यवाही की गति बढ़ाने पर जोर दिया गया। एसी-एसटी एक्ट से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि ऐसे प्रकरणों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान पूर्ण कर चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए। प्रकरणों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ सुनकर उनका समयबद्ध निराकरण करने तथा शिकायतों की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में पुलिस कर्मचारियों के अनुशासन एवं व्यवहार को लेकर भी निर्देश दिए गए। सभी पुलिस कर्मचारियों को निर्धारित अनुशासनात्मक वर्दी धारण करने, ड्यूटी के दौरान बॉडी वार्न कैमरा एवं रिफ्लेक्टर का आवश्यकतानुसार उपयोग करने तथा आमजन से बेहतर एवं विनम्र संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराध नियंत्रण के साथ-साथ आमजन को बेहतर पुलिसिंग का अनुभव कराना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए थाना स्तर पर पुलिस की सक्रिय उपस्थिति, त्वरित कार्रवाई, तकनीकी संसाधनों का उपयोग एवं आमजन से बेहतर संवाद को लगातार मजबूत किया जाए। बैठक के दौरान जिले में अपराध नियंत्रण, लंबित अपराधों, गुम बालक/बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु विशेष अभियान चलाए जाने एवं शिकायतों के निराकरण तथा आगामी कानून व्यवस्था संबंधी चुनौतियों को लेकर भी थाना एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। अपराध समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा, डीएसपी अजाक शिवा पाठक, एसडीओपी विजयराघवगढ़ वीरेंद्र धार्वे, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी, रक्षित निरीक्षक संध्या राजपूत सहित सभी थानों के थाना प्रभारी चौकी प्रभारी एवं विवेचक उपस्थित रहे।

पूजन-अर्चन से धर्ममय दिखाई देगा देवाधिदेव महादेव का कैलाश पर्वत

कटनी (स्वतंत्रमत)। 24 अगस्त दिन सोमवार समय दोपहर 1 बजे जगन्नाथ मंदिर से प्रारंभ होकर मधई मंदिर पहुंचेगी। कैलाश मानसरोवर मुक्ति संकल्प यात्रा नगर के वरिष्ठ प्रबुद्ध नागरिकों ने, समस्त संगठनों ने लिया निर्णय संकल्प यात्रा मार्ग में होगा देवाधिदेव महादेव के धाम कैलाश पर्वत का पूजन अर्चन धर्म मय होगा वातावरण, लाभान्वित होंगे नगर के श्रद्धालु जन 19 अगस्त बुधवार को जगन्नाथ मंदिर में सामाजिक, सांस्कृतिक, स्वयंसेवी, धार्मिक सभी संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक सांय 4 बजे से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक विपिन तिवारी के मुख्याथित्य एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व विधायक गिरिराज किशोर राजू पोद्दार, महाकौशल प्रांत मंत्री दयाशंकर कनकने, कैलाश मानसरोवर मुक्ति संकल्प यात्रा के संयोजक गायत्री परिवार के प्रमुख वरिष्ठ सदस्य जगदीश सिंह भदोरिया की विशिष्ट उपस्थिति एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के जिलाअध्यक्ष रामदयाल गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। भगवान

जगन्नाथ जी के जयकारों से एवं शंकर भगवान पार्वती जी की मूर्ति के सामने दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण कर बैठक प्रारंभ हुई। रवि उरमालिया द्वारा रुद्राष्टक पाठ किया गया राम दयाल गुप्ता ने भारत तिब्बत सहयोग मंच के विषय में कटनी जिले की गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी। जगदीश सिंह भदोरिया द्वारा कैलाश मानसरोवर मुक्ति संकल्प यात्रा के मार्ग और अन्य विवरण की जानकारी दी गई। विपिन तिवारी ने राष्ट्रीय चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में कैलाश मानसरोवर मुक्ति संकल्प यात्रा में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता की आवश्यकता बताइ दयाशंकर कनकने ने शहर के वरिष्ठ प्रबुद्ध धार्मिक जन से आह्वान किया की अधिकतम सहभागिता संकल्प यात्रा में प्रदान करें गिरिराज किशोर पोद्दार ने राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय संदर्भों का विस्तृत विवेचन करते हुए बताया कि जैसे सनातन के लिए राम मंदिर का मुद्दा महत्वपूर्ण था वर्तमान में मथुरा, काशी का मुद्दा महत्वपूर्ण है इसी तरह से कैलाश मानसरोवर मुक्ति का मुद्दा भी हमारे लिए अत्यंत महत्व का है जिसके लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भरपूर कार्य किया जा रहा है शहर के वरिष्ठ, प्रबुद्ध, सनातनी धर्म प्रेमियों की बैठक में उपस्थिति, सहभागिता ने 24 अगस्त सावन मास के अंतिम सोमवार को दोपहर 1 बजे जगन्नाथ मंदिर से प्रारंभ होने वाली कैलाश मानसरोवर मुक्ति संकल्प यात्रा की भव्यता और दिव्यता की पृष्ठभूमि का निर्धारण किया।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान में डुड़सरा पहुंचकर कलेक्टर ने जानी गांव की नब्ज

श्मशान भूमि से अतिक्रमण हटाने और बीपीएल कार्ड सहित अन्य मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

गांव की चौपाल हो या स्कूल की कक्षा, आंगनवाड़ी के नन्हे बच्चे हों या अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे ग्रामीण- मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी का ग्राम डुड़सरा का दौरा जनसंवाद और संवेदनशील प्रशासन की तस्वीर बन गया। विकासखंड बहोरीबंद के ग्राम डुडसरा में कलेक्टर ने शासकीय प्राथमिक शाला और आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई-लिखाई जानी, उनकी प्रतिभा को परखा और ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर और एसडीएम बहोरीबंद प्रदीप कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। आंगनवाड़ी केंद्र में कलेक्टर ने बच्चों की गतिविधियों को करीब से देखा।

नन्ही बालिका अर्पिता ने जब पूरे आत्मविश्वास के साथ कलेक्टर को कविता सुनाई तो उन्होंने उसकी प्रतिभा की सराहना की। वहीं बच्चों ने कौआ की कहानी पर अभिनय प्रस्तुत किया। बच्चों की सहजता, उत्साह और रचनात्मकता देखकर कलेक्टर ने उनकी खूब प्रशंसा की और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के लिए इसी तरह नियमित गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र में गर्भवती महिलाओं के ऑनलाइन पंजीयन, पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड और बच्चों के टीकाकरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे और बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। शासकीय प्राथमिक शाला में कलेक्टर ने बच्चों की पढ़ाई का सहज तरीके से परीक्षण किया। कक्षा 4 की छात्रा भागवती से उन्होंने 6 का पहाड़ा और कक्षा 5 की छात्रा तनु से 11 का पहाड़ा सुनाने को कहा। दोनों छात्राओं ने सही-सही पहाड़े सुनाकर अपनी तैयारी का परिचय दिया। इसके बाद कलेक्टर ने बच्चों से विलोम शब्द पूछे। इस दौरान कुछ बच्चों को जवाब देने में कठिनाई हुई। कलेक्टर ने शिक्षकों को बच्चों की बुनियादी शैक्षणिक दक्षताओं को और मजबूत करने तथा नियमित अभ्यास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कक्षा 3 की छात्रा आराध्या दाहिया ने जब हिंदी की कहानी मैं हूं नीम पढ़कर सुनाई तो कलेक्टर ने उसकी वाचन क्षमता और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उसे शाबाशी दी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने श्मशान भूमि पर अतिक्रमण की समस्या सामने रखी। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम बहोरीबंद को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी दौरान सरिता बाई के बीपीएल कार्ड से संबंधित आवेदन पर भी कलेक्टर ने शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। एक अन्य ग्रामीण द्वारा रिकॉर्ड में सुधार का आग्रह किए जाने पर संबंधित अधिकारी को प्रकरण का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

15 साल बाद विमेंस डबल्स में भारत का मेडल पक्का

त्रिसा-गायत्री वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में, सात्विक-चिराग हारे

नई दिल्ली।

15 साल बाद बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के विमेंस डबल्स में भारत का मेडल पक्का हुआ है। त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने शुक्रवार को वर्ल्ड नंबर-4 चीन की जिया यी फान और झांग शु शियान को 16-21, 21-15, 21-13 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों जोड़ियों या खिलाड़ियों को ब्रॉन्ज मेडल दिया जाता है। इसके लिए अलग से तीसरे स्थान का मुकाबला नहीं कराया जाता। चीन की जोड़ी ने मुकाबले की शुरुआत तेज की और भारतीय जोड़ी को 4-0 से पीछे कर दिया। त्रिसा और गायत्री ने वापसी करते हुए अंतर कम किया, लेकिन जिया और झांग ने दबाव बनाए रखा और पहला गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने अपना खेल पूरी तरह बदल दिया। बेहतर डिफेंस, तेज स्मैश और नेट पर आक्रामक खेल के दम पर उन्होंने मुकाबले पर पकड़ बनाई। दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन त्रिसा-गायत्री ने 21-15 से गेम जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। त्रिसा और गायत्री की जोड़ी ने टूर्नामेंट के इस एडिशन में भी एक मेडल पक्का कर दिया। तीसरे गेम में भी चीन ने शुरुआत में बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय जोड़ी ने जल्द ही लय हासिल कर ली। ब्रेक तक त्रिसा-गायत्री 11-5 से आगे थीं। इसके बाद उन्होंने लगातार दबाव बनाए रखा और 21-13 से गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि ट्रीसा और गायत्री इससे पहले जिया यी फान और झांग शु शियान के खिलाफ तीनों मुकाबले हार चुकी थीं।

जापानी जोड़ी को सीधे गेम में हराया था

क्वार्टर फाइनल से पहले ट्रीसा और गायत्री ने राउंड ऑफ-16 में जापान की 7वीं सीड रिन इवानागा और की नाकानिशी को सीधे गेम में 21-16, 21-12 से हराया था। त्रिसा के चोट से वापसी के बाद यह जोड़ी शानदार फॉर्म में है। दोनों 2022 और 2023 में लगातार दो साल ऑल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल तक भी पहुंच चुकी हैं और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं।ट्रीसा-गायत्री के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ भारत के वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल की संख्या 16 हो गई है। इनमें एक गोल्ड, 4 सिल्वर और 11 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत के लिए पहला मेडल 1983 में प्रकाश पादुकोण ने ब्रॉन्ज के रूप में जीता था, जबकि एकमात्र गोल्ड पीवी सिंधु ने दिलाया है। भारत ने 2011 से लगातार 11 वर्ल्ड चैंपियनशिप एडीशन में कम से कम एक मेडल जीता है।

बीसीबी को हुआ 40 करोड़ का नुकसान, बीपीएल का आयोजन रुका

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी)आर्थिक संकटों में फंस गया है। इससे घरेलू टी20 प्रीमियर लीग (बीपीएल) का आयोजन भी रुक गया है। बीसीबी के अध्यक्ष और पूर्व क्रिकेटर तमीम इकबाल ने भी माना है कि बोर्ड को नुकसान हुआ है। साथ ही कहा कि जब तक बोर्ड की वित्तीय स्थिति में सुधार नहीं हो जाता लीग शुरु नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पिछले दो संस्करणों में हुए 40 करोड़ बांग्लादेशी टका का हमें नुकसान हुआ है।

साथ ही कहा कि जब तक इसकी भरपाई नहीं हो जाती, तब तक बीपीएल का आयोजन संभव नहीं है। इससे उभरते हुए क्रिकेटरों का करारा झटका लगा है। तमीम ने कहा कि बोर्ड घाटे के साथ लीग की मेजबानी के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैंने कई बार कहा है कि मैं लीग को इस तरह से आयोजित नहीं करना चाहता। पिछले दो सालों में एक टूर्नामेंट में बीसीबी को लगभग 40 करोड़ टका का नुकसान हुआ है।

सिनसिनाटी में अमेरिका की अमांडा एनीसिमोवा अमेरिका की जैसिका पैगुला की ओर रिटर्न शॉट लगाती हुईं।

दलीप ट्रॉफी फाइनल अब बेंगलुरु की जगह चेन्नई में खेला जाएगा

अधिक से अधिक दर्शकों को मिलेगा मैच देखने का अवसर

मुम्बई। घरेलू क्रिकेट के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी 2026-27 के फाइनल का मैच स्थल बदल दिया गया है। अब फाइनल बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की जगह पर चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि यह फैसला अधिक से अधिक क्रिकेट प्रेमियों को इस अहम मुकाबले को स्टेडियम में बैठकर देखने का अवसर प्रदान करने के लिए लिया गया है। ये खिताबी मुकाबला 6 से 10 सितंबर तक खेल जाएगा। माना जा रहा है कि बोर्ड ने ये कदम घरेलू क्रिकेट को प्रशंसकों के करीब लाने के लिए उठाया है। इसका कारण ये है कि सीओईमुख्य रूप से प्रशिक्षण और विकास पर केंद्रित है और इसमें दर्शकों के बैठने की क्षमता सीमित है। वहीं विपरीत, चेन्नई का एमए चिदंबरम स्टेडियम बड़े आयोजनों की मेजबानी करने और हजारों दर्शकों को समायोजित करने में सक्षम है।

इस बदलाव से न केवल खिलाड़ियों को एक बड़े और अनुभवी मैदान पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा, बल्कि प्रशंसकों को भी घरेलू क्रिकेट की भव्यता और उत्साह का अनुभव करने का अवसर मिलेगा।

फाइनल का स्थल बदल गया है पर टूर्नामेंट के अन्य मुकाबले अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही बेंगलुरु के सीओई में ही खेले जाएंगे। दलीप ट्रॉफी का यह सत्र 23 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें शुरुआती दिन पूर्वी क्षेत्र का सामना पूर्वोत्तर क्षेत्र से होगा।

विश्व पैरा टेबल टेनिस में मप्र के ओम-जयेश को बड़ी जिम्मेदारी

फिनलैंड में 28 सदस्यीय दल लेगा हिस्सा

इंदौर। विश्व पैरा टेबल टेनिस के अंतरराष्ट्रीय मंच पर मध्यप्रदेश की अहम मौजूदगी रहेगी। फिनलैंड के लाहटी में 28 से 30 अगस्त तक होने वाली आईटीटीएफ विश्व पैरा फ्यूचर टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2026 के लिए भारतीय टेबल टेनिस महासंघ ने मध्यप्रदेश के ओम सोनी को दल प्रमुख और जयेश आचार्य को मुख्य प्रशिक्षक नियुक्त किया है। भारतीय दल 26 अगस्त को दिल्ली से हेलसिंकी रवाना होगा। पैरा टेबल टेनिस प्रमोशन एसोसिएशन के महासचिव प्रमोद गंगराड़े ने बताया कि प्रतियोगिता में भारत का 28 सदस्यीय दल हिस्सा लेगा। दल में विश्व की वर्तमान तीसरी वरीयता प्राप्त और ओलंपियन सोनल पटेल तथा एशियन चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता जे.डी. मदान सहित विश्व वरीयता प्राप्त अन्य खिलाड़ी शामिल होंगे।

ओम सोनी और जयेश आचार्य इससे पहले भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय पैरा टेबल टेनिस दल के साथ जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। इस बार रिंकु आचार्य सहयोगी प्रशिक्षक और पवन कारपेंटर फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में भारतीय दल के साथ रहेंगे।

सोनी और आचार्य की नियुक्ति को प्रदेश के पैरा टेबल टेनिस के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

मानव सुथार से बोले पुजारा, आईपीएल के लिए अपनी शैली न बदलें

प्रबंधन इस गेंदबाज को टेस्ट के लिए बचाये

मुम्बई ।

दिग्गज टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने उभरते हुए स्पिन ऑलराउंडर मानव सुथार की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे सीमित ओवरों के क्रिकेट खासकर आईपीएल को देखते हुए अपनी गेंदबाजी की मूल ताकत और शैली में बदलाव नहीं करना चाहिए। साथ ही कहा कि उसे टेस्ट के लिए बचाकर रखना चाहिए। सुधार ने श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में कुल 10 विकेट लिए थे। ये श्रीलंका की धरती पर किसी भारतीय गेंदबाज का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। वह श्रीलंका में एक टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले केवल तीसरे भारतीय गेंदबाज बने।

उन्होंने विदेशी टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया, जो इससे पहले दिग्गज भारतीय स्पिनर बिशन सिंह बेदी के नाम था। पुजारा ने कहा कि आजकल सभी युवा खिलाड़ी स्वाभाविक रूप से छोटे फॉर्मेट और आईपीएल में खेलना चाहते हैं पर सुथार जैसे विशेष प्रतिभा वाले खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए। उन्होंने टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं को भी सलाह दी है कि सुथार को टेस्ट क्रिकेट के लिए ही रखा जाये। पुजारा ने कहा, उसे बचाकर रखने करने की कोशिश करें। हमने पहले भी इस बारे में बात की है कि युवा खिलाड़ी छोटे प्रारुप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत को उसे टेस्ट प्रारुप के लिए बचाकर रखना चाहिए।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर सुथार को आईपीएल में खेलने का मौका मिलता है तो उन्हें जरूर खेलना चाहिए, लेकिन अपनी ताकत से समझौता नहीं करना चाहिए। गौरतलब है कि मानव सुथार को गुजरात टाइटंस ने 2025 की मेगा नीलामी में उनके बेस प्राइस 30 लाख रुपये पर खरीदा था। उन्होंने 2024 में आईपीएल में डेब्यू किया था पर सफल नहीं रहे।

ग्रामीण भारत में इंटरनेट क्रांति की तैयारी में स्टारलिंक ?

भारतीय गांवों में कम इंटरनेट पहुंच को देखते हुए मस्क ने जताई उम्मीद

वॉशिंगटन।

अमेरिकी वैमानिकी एवं उपग्रह सेवा कंपनी स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क ने एक बार फिर भारत के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी उपग्रह इंटरनेट सेवा स्टारलिंक लाने की प्रबल इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि स्टारलिंक भारत के सबसे कम सेवा वाले क्षेत्रों, विशेषकर ग्रामीण इलाकों को महत्वपूर्ण मदद दे सकता है। यह टिप्पणी भारत में इंटरनेट पहुंच की व्यापक असमानता को रेखांकित करती है, जिस पर एक सोशल मीडिया पोस्ट ने ध्यान आकर्षित किया था। इस पोस्ट में बताया गया था कि मई 2026 तक हजारों भारतीय गांव अभी भी 4जी सेवा से वंचित थे और ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट सदस्यता घनत्व शहरी इलाकों की तुलना में काफी कम है। स्पेसएक्स द्वारा संचालित स्टारलिंक, जो निम्न-पृथ्वी कक्षा (एलईओ) उपग्रहों के माध्यम से इंटरनेट प्रदान करता है, भारत में अपनी सेवाओं के लिए नियामकीय मंजूरियां हासिल करने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) ने स्टारलिंक के जेन-2 उपग्रह नेटवर्क के आवेदन को भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप न होने के कारण खारिज कर दिया था।

कोलगेट-पामोलिव इंडिया को मिला नया नेतृत्व

नई दिल्ली।

मौखिक स्वच्छता उत्पाद बनाने वाली प्रमुख कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया में बड़ा नेतृत्व परिवर्तन होने जा रहा है। मौजूदा प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) प्रभा नरसिम्हन को वैश्विक भूमिका में पदोन्नत किया गया है, जबकि उनके स्थान पर मनीष आनंदानी को कंपनी का नया एमडी व सीईओ नियुक्त किया गया है। कंपनी के बयान के अनुसार नरसिम्हन, जिन्होंने भारत में चार साल तक कारोबार संभाला, 28 सितंबर, 2026 से कोलगेट-पामोलिव के एशिया-प्रशांत प्रभाग में कार्यकारी उपाध्यक्ष (विपणन) का पद ग्रहण करेंगी।

इसी तारीख से कंपनी के निदेशक मंडल ने मनीष आनंदानी को पांच साल के लिए नया प्रबंध निदेशक एवं सीईओ नियुक्त करने की मंजूरी दी है।

निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में मामूली सुधार

अगस्त में कंपोजिट पीएमआई बढ़कर 54.6 हुआ, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में आई सुस्ती

नई दिल्ली। भारत के निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में अगस्त में मामूली सुधार दर्ज किया गया है। जुलाई में चार साल के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद यह सुधार सेवा क्षेत्र की मजबूत रफ्तार से संभव हुआ, जिसने विनिर्माण क्षेत्र की धीमी पड़ती गतिविधियों को काफी हद तक संतुलित किया। एक सर्वे के मुताबिक अगस्त में कंपोजिट पीएमआई बढ़कर 54.6 पर पहुंच गया, जबकि जुलाई में यह 54.3 था। जारी सर्वे के अनुसार अगस्त में निजी क्षेत्र की गतिविधियों में विस्तार लगातार 61वें महीने बना रहा, हालांकि कंपोजिट पीएमआई मार्च 2022 के बाद दूसरा सबसे कमजोर आंकड़ा रहा। इस दौरान सेवा क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियां जुलाई के 53.3 से बढ़कर 54.5 हो गईं, जो वृद्धि को प्रमुख सहारा मिला। इसके विपरीत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ और धीमी पड़ गई। पीएमआई जुलाई के 53.5 से घटकर अगस्त में 52.9 रह गया। एक अर्थशास्त्री ने बताया कि विनिर्माण ग्रोथ पांच साल में सबसे धीमी रही। नए ऑर्डर में सुधार हुआ, लेकिन उसकी गति उम्मीद से कम रही। कंपनियों की इनपुट लागत सात महीनों की सबसे धीमी रफ्तार से बढ़ी, फिर भी उन्होंने ग्राहकों से वसूले जाने वाले अंतिम बिक्री मूल्य में तेजी से बढ़ोतरी की। अगस्त में कुल रोजगार सृजन में सुधार हुआ, जिसका मुख्य कारण सेवा क्षेत्र में कर्मचारियों की भर्ती थी। हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में ढाई साल में पहली बार कर्मचारियों की संख्या में कमी दर्ज की गई।

महाराष्ट्र में खुले खाद्य तेल की बिक्री पर प्रतिबंध

अब पैकिंग में ही खरीदना होगा तेल

मुंबई। महाराट्र सरकार ने खुले खाद्य तेल की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) आयुक्त तुकाराम मुंढे ने स्पष्ट किया है कि अब दुकानदार बड़े डिब्बे या कंटेनर से ग्राहक की जरूरत के अनुसार तेल निकालकर नहीं बेच सकेंगे। इस नए नियम के तहत, ग्राहकों को अब सिर्फ अनुमत पैकिंग में उपलब्ध खाद्य तेल ही खरीदना होगा, जिससे कम मात्रा में खुला तेल खरीदने की पुरानी सुविधा समाप्त हो जाएगी। इस फैसले का सबसे सीधा असर दुकानदारों पर पड़ेगा। जिन दुकानों पर बड़े कंटेनरों से तेल बेचा जाता था, उन्हें अब अपनी बिक्री व्यवस्था में बदलाव करना होगा। एफडीए के निर्देशों के अनुरूप उन्हें केवल अनुमत पैकिंग में उपलब्ध खाद्य तेल ही रखना और बेचना होगा। छोटे दुकानदारों के लिए यह बदलाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा। ग्राहकों के लिए भी खरीदारी का तरीका बदल जाएगा। उन्हें अब निर्धारित पैकिंग के अनुसार ही तेल लेना होगा और पैकेट पर उत्पाद का विवरण देखना जरूरी होगा। यह बदलाव उन लोगों के लिए असुविधाजनक हो सकता है जो अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से कम मात्रा में खुला तेल खरीदते थे। हालांकि, कई सवाल अभी अनुत्तरित हैं। पुराने खुले तेल के स्टॉक, नियम के लागू होने की तारीख और उल्लंघन पर कार्रवाई को लेकर एफडीए के विस्तृत आदेश का इंतजार है। फिलहाल, इस घोषणा को महाराष्ट्र में खुले खाद्य तेल की बिक्री पर रोक लगाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

पीएनबी की चेतावनी, निष्क्रिय खाते बंद होने का खतरा

बैंक ने ग्राहकों को सितंबर तक केवायसी अपडेट करने या लेनदेन करने की चेतावनी दी

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने लाखों ग्राहकों के लिए एक अहम चेतावनी जारी की है। बैंक ने ऐसे निष्क्रिय खातों को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान किया है जिनमें लंबे समय से कोई लेनदेन नहीं हुआ है और जिनका बैलेंस शून्य है। ग्राहकों को सितंबर तक कार्रवाई करने की सलाह दी गई है, ताकि उनके खाते बंद होने से बच सकें। पीएनबी के अनुसार, ऐसे बैंक खाते जिनमें पिछले तीन साल से कोई लेनदेन दर्ज नहीं हुआ है और खाते में कोई राशि भी नहीं है, उन्हें बंद किया जा सकता है। बैंक ने यह कदम खातों के गलत इस्तेमाल और उनसे जुड़े जोखिमों को रोकने के लिए उठाया है। पीएनबी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों पर भी यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है, जिसमें खाताधारकों को सचेत किया गया है। निष्क्रिय खाताधारक अपने खाते को बंद होने से बचाने के लिए सितंबर तक संबंधित बैंक शाखा में अपने केवायसी दस्तावेज जमा कराकर इसे दोबारा सक्रिय करवा सकते हैं। केवायसी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ग्राहक बैंक की सेवाओं का इस्तेमाल जारी रख सकेंगे। बैंक ने यह भी सलाह दी है कि कोई भी ग्राहक अपना खाता बंद करने का निर्णय लेने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि यह पेंशन, सब्सिडी, लोन, बीमा या किसी अन्य महत्वपूर्ण भुगतान से जुड़ा न हो। पीएनबी ने ग्राहकों से समय-समय पर अपने खाते में लेनदेन करने और अपनी केवायसी जानकारी अपडेट रखने का आग्रह किया है।

अपस्टॉक्स आईपीओ की तैयारी में 40 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य

निवेश बैंकों से प्रारंभिक चर्चा शुरू, 2 करोड़ ग्राहक का आंकड़ा पार कर कंपनी का विस्तार पर जोर

मुंबई। प्रमुख निवेश मंच अपस्टॉक्स ने अपने महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए निवेश बैंकों के साथ शुरुआती चर्चा शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 35-40 करोड़ डॉलर (लगभग 3,351-3,829 करोड़ रुपये) जुटाने की योजना बना रही है, ऐसे समय में जब इसने अपने केवाईसी पंजीकृत ग्राहकों की संख्या 2 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित आईपीओ में नए शेयर जारी करने के साथ ही मौजूदा निवेशकों की ओर से बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल होगी। अपस्टॉक्स ने अब तक छह वित्त पोषण दौरों के माध्यम से करीब 22 करोड़ डॉलर जुटाए हैं और 2021 में 3.5 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया था। इस बीच कंपनी ने हाल ही में घोषणा की है कि उसके केवाईसी पंजीकृत ग्राहकों की संख्या 2 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। अपस्टॉक्स का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में अपने उपयोगकर्ता आधार को बढ़ाकर 10 करोड़ तक पहुंचाना है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस उपलब्धि पर कहा कि उनका ध्यान ग्राहकों को बेहतर वित्तीय निर्णय लेने और वित्तीय बाजारों तक उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर केंद्रित है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही उतार-चढ़ा हावी रहने से बाजार पर अंकुश लगा रहा। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में उछाल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण से भी बाजार पर दबाव आया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से भी घरेलू बाजार पर दबाव बना। दिनभर के कारोबार के बाद दोनों प्रमुख सूचकांक सपाट बंद हुए। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स केवल 3.11 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 77,540.83 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी केवल 20.15 अंक बढ़कर 24,252.00 के स्तर पर बंद हुआ। आज बड़े शेयरों में कमजोरी रही पर छोटे और मध्यम शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली।

निफ्टी मिडकैप सूचकांक में 0.1 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक 0.69 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इससे साफ है कि खुदरा निवेशकों का भरोसा छोटे शेयरों में बना हुआ है।

आज के कारोबार में धातु और निजी बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा चमक रही। इन दोनों सेक्टरों ने बाजार को सहारा देने का काम किया जबकि , एफएमसीजी, ऑटो और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव रहा और इन्होंने बाजार के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन किया। आज सबसे अधिक गिरावट मारुति सुजुकी और इंटरग्लोब एविएशन के शेयरों में रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 82.30 अंक बढ़कर 77,620.02 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी भी 18.65 अंक की बढ़त के साथ 24,250.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ब्रॉडर मार्केट में मिलाजुला रुख दिखा। निफ्टी मिडकैप में 0.04 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.44 फीसदी की अच्छी बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

स्थानीय संसाधनों, पारंपरिक हुनर और नवाचारों को बढ़ावा देकर रोजगार के नए अवसर किए जाएं सृजितः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जिला विकास सलाहकार समिति स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास की प्राथमिकताएं तय करने में निभाएगी महत्वपूर्ण भूमिका

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए उद्योग, व्यापार, कृषि, पशुपालन सहित सभी क्षेत्रों में स्थानीय संभावनाओं का प्रभावी उपयोग किया जाए। जिले के पारंपरिक कौशल एवं स्थानीय उत्पादों को प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' के सिद्धांत के अनुरूप राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए रोडमैप तैयार किया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को टीकमगढ़ में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिले की स्थानीय आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों, पारंपरिक कौशल, नवाचारों और जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न हितधारकों के सुझावों को विकास की कार्य योजना में शामिल करते हुए स्थानीय संभावनाओं को रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों के अवसरों में परिवर्तित किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवीन उद्योग नीतियों एवं ऋण आधारित योजनाओं का लाभ लेने के लिए इच्छुक उद्यमियों को आगे आने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्थानीय स्तर पर किए जा रहे सफल प्रयासों और नवाचारों को चिन्हित कर उन्हें योजनाबद्ध रूप से क्रियान्वित किया जाये, ताकि जिले की अर्थव्यवस्था को और अधिक गति मिल सके। पीतल की मूर्तियों सहित स्थानीय कला एवं हुनर को प्रोत्साहित करने, उनके विक्रय के लिये बाजार उपलब्ध कराने तथा स्थानीय प्रतिभाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पशुपालन को लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में भी विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने सहकारी क्षेत्र से अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादकों एवं गोपालकों को जोड़ने तथा गौशालाओं में अच्छी नस्ल के पशुओं के संवर्धन एवं नस्ल सुधार के लिए समुचित प्रयास करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अच्छी नस्ल की बछियों की उपलब्धता बढ़ने से गोपालकों को लाभ मिलेगा और कृषि के साथ पशुपालन को भी आय का बेहतर माध्यम बनाया जा सकेगा।

धार्मिक एवं पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने पर चर्चा

टीकमगढ़ जिले में धार्मिक एवं पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने पर भी चर्चा हुई। कुंडेश्वर धाम के विकास एवं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने तथा स्थानीय स्तर पर पर्यटन गतिविधियों को आर्थिक अवसरों से जोड़ने की दिशा में कार्य किए जाने पर जोर दिया गया। टीकमगढ़ जिला विकास सलाहकार समिति द्वारा उद्योग, व्यापार, कृषि, जल संरचनाओं के संरक्षण, निर्यात, खनिज, पर्यावरण, रोजगार एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जिले की दीर्घकालीन विकास कार्य योजना को लेकर सुझाव दिए जाएंगे। समिति स्थानीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और संभावनाओं के आधार पर विकास की प्राथमिकताएं निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास केवल वृहद कार्यों तक सीमित नहीं है। जनभागीदारी, सामुदायिक भावना और स्थानीय ज्ञान एवं अनुभव के प्रभावी उपयोग से भी विकास को नई गति मिलती है। उन्होंने समाज के विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी करने, सामुदायिक विवाहों को प्रोत्साहित करने तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को आपसी सौहार्द्र के साथ मनाने का आह्वान किया।

बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा जिले के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सुझाव दिये। जिला प्रशासन द्वारा समिति के माध्यम से प्राप्त सुझावों एवं अनुशंसाओं को विभिन्न विकास योजनाओं एवं कार्यों में शामिल करने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित समिति की बैठक जिले के विकास को स्थानीय आवश्यकताओं, जनभावनाओं, संसाधनों और नवाचारों से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान से मजबूत होगा जनता और सरकार के बीच विश्वासः खाद्य मंत्री

जैसीनगर में जनसमस्या समाधान शिविर

मंत्री श्री राजपूत की मौजूदगी में सुनी गई क्षेत्रवासियों की समस्याएं

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं को सीधे सुनने और उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जैसीनगर में जन विश्वास अभियान के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम एवं जनसमस्या समाधान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, जिला कलेक्टर, एस.पी.,जिला पंचायत सीईओ सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सरकार में जनसेवा और जनकल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान केवल समस्याएं सुनने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह जनता के विश्वास को मजबूत करने का माध्यम है। आम नागरिक अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखें और संबंधित विभाग उन समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता से कार्य करें, यही इस अभियान की भावना है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि हर शुक्रवार को यह शिविर लगाये जायेंगें तथा समस्त विभागों के अधिकारी लोगों की समस्या का निदान करेंगें।

यह क्रम जनवरी तक जिला स्तर से लेकर खण्ड स्तरीय शिविरों के माध्यम से चलता रहेगा। आयुष्मान कार्ड, संबल कार्ड, लाडली बहना, प्रधानमंत्री आवास, 181 की शिकायतों का निराकरण इसी शिविर के माध्यम से किया जा सकेगा। श्री राजपूत ने कार्यकर्ताओं का आव्हान करते हुए कहा कि जरूरतमंद लोगों को शिविर तक पहुंचाये ताकि उनकी समस्याओं का निराकरण कर सकें।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना के साथ देश में विकास और जनकल्याण की नई दिशा तय की है। इसी भावना को मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगे बढ़ा रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचे और लोगों को अपने छोटे-बड़े कामों के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

मिलादुन्नवी, रक्षाबंधन और जन्माष्टमी पर्वो की व्यवस्थाओं को लेकर शांति समिति की बैठक

हटा (स्वतंत्र मत)। आगामी जश्ने ईद मिलादुन्नवी, रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमी पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की बैठक एसडीएम राकेश मरकाम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पर्वों के दौरान सुरक्षा, यातायात, विद्युत व्यवस्था, जुलूस मार्ग सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि 26 अगस्त को जश्ने ईद मिलादुन्नवी का विशाल जुलूस निकाला जाएगा। जुलूस थाना मंदिर चौराहा, रतन बजरिया, चंडी जी चौराहा सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर भ्रमण करेगा। आयोजनों का क्रम 28 अगस्त तक चलेगा और इस दौरान की गई साज.सज्जा भी 28 अगस्त तक रहेगी। बैठक में स्पष्ट किया गया कि 27 एवं 28 अगस्त को दिन के समय किसी प्रकार का आयोजन प्रस्तावित नहीं है। एसडीओपी केपी सिंह ने जुलूस एवं पर्वों के दौरान डीजे की संख्या निर्धारित करने तथा डीजे संचालकों की अलग से बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा निर्देश देने की बात कही। जुलूस मार्ग पर जगह.जगह लगे जिलेटिन वायर एवं अन्य अवरोधों को हटाने की मांग भी बैठक में रखी गई। विद्युत व्यवस्था को लेकर एसडीओपी ने लोहे के खंभों पर बिजली के तार लगाने में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए ताकि बारिश के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

मध्यप्रदेश की कृषि उपज मंडियों का हुआ 10 वर्ष बाद नवीन वर्गीकरण

मंडियों की आय-आवक के आधार पर वर्गीकरण, 54 मंडियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

कृषक कल्याण वर्ष के चलते प्रदेश में किसान कल्याण गतिविधियों की श्रृँखला निरंतर जारी है। किसानों और कृषि को समृद्ध बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंसाना के निर्देशन में मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड ने दस वर्ष के अंतराल के बाद प्रदेश की कृषि उपज मंडी समितियों का नवीन वर्गीकरण किया है। मंडी समितियों का यह नवीन वर्गीकरण विगत तीन वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 की औसत कृषि उपज आवक तथा औसत आय के आधार पर किया गया है। औसत आय में मंडी शुल्क एवं लायसेंस शुल्क से प्राप्त वास्तविक आय को आधार बनाया गया है। वर्तमान में मध्यप्रदेश में 259 कृषि उपज मंडी समितियां तथा 298 उपमंडियां किसानों की सेवा में कार्यरत हैं। वर्ष 2016 में किए गए पूर्व वर्गीकरण के बाद

पिछले दस वर्षों में मंडियों की आय, आवक और विपणन गतिविधियों में हुए परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए नवीन वर्गीकरण की आवश्यकता महसूस की गई। नवीन वर्गीकरण से प्रदेश की मंडी व्यवस्था को वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप और अधिक प्रभावी एवं सक्षम बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

नवीन वर्गीकरण के अंतर्गत प्रदेश की 259 मंडी समितियों को चार वर्गों में वर्गीकृत किया गया है। इनमें 47 मंडी समितियां 'ए' वर्ग, 63 मंडी समितियां 'वी' वर्ग, 81 मंडी समितियां 'सी' वर्ग तथा 68 मंडी समितियां 'डी' वर्ग में रखी गई हैं। इस नवीन वर्गीकरण से मंडी समितियों की प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। मंडियों की श्रेणी के अनुरूप अधिकारी-कर्मचारियों के सेटअप में आवश्यक परिवर्तन, वित्तीय अधिकारों में वृद्धि तथा मंडी समितियों की कार्यक्षमता में विस्तार किया जा सकेगा। इससे मंडी समितियां स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप किसानों को मंडी क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में अधिक सक्षम होंगी।

नवीन वर्गीकरण का सकारात्मक प्रभाव मंडी की विपणन व्यवस्था पर भी पड़ेगा। मंडी प्रांगणों में हम्माल एवं तुलावटी सहित अन्य आवश्यक लाइसेंसों के सुव्यवस्थित विस्तार, व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि तथा कृषि उपज के विपणन की प्रक्रिया को अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। इसका सीधा लाभ किसानों, व्यापारियों, हम्मालों, तुलावटियों तथा मंडी से जुड़े अन्य हितधारकों को मिलेगा।

प्राणवान कार्यकर्ता शिविर में मथुरा पहुंचे परिजन का हुआ सम्मान

नारी सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ा कदम

हटा (स्वतंत्र मत)।

गायत्री शक्तिपीठ में प्राणवान कार्यकर्ता शिविर मथुरा में शामिल हुए 72 भाई और बहिनों को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। 1 अगस्त से 3 अगस्त तक गायत्री तपोभूमि मथुरा में राष्ट्रीय प्राणवान कार्यकर्ता शिविर आयोजित हुआ था जिसमें हटा क्षेत्र से भागीदारी करने 60 बहिनें और 12 भाई पहुंचे थे।

गायत्री शक्तिपीठ हटा के परिव्राजक रामकिशोर दुबे ने सभी से पूर्व में संपर्क कर इस शिविर में शामिल होने से मिलने वाले लाभ को विस्तार से समझाया था जिसके फलस्वरूप इतनी बड़ी संख्या में जिले से पहली बार इतनी बहिनें एक साथ शामिल हुई। इन्हीं के उत्साहवर्धन और सम्मान के लिए जिले के वरिष्ठ परिजन शक्तिपीठ हटा पधारे। भोजनोपरान्त आयोजित सम्मान समारोह में मंचासीन एडवोकेट पंकज हर्ष श्रीवास्तव व्यवस्थापक गायत्री शक्तिपीठ दमोह ने कहा कि यह एक अनोखा प्रयास है, जिसको पंडित दुबे के सतत प्रयास से संभव किया जा सका। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि बहिनों ने जो तपोभूमि में युग निर्माण के लिए उनकी भूमिका बतलाई गई है, उसी के अनुरूप अपने आप को ढालते हुए स्वयं सांचा बनना होगा तभी अपने अनुरूप आप अपने आसपास के लोगों को ढाल पाएगी। वरिष्ठ गायत्री परिजन पंडित बीपी गर्ग ने बहिनों के इस साहस की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी बहिनें परम सौभाग्यशाली है जो इतनी जल्दी आप लोगों को इस राष्ट्रीय शिविर में सम्मिलित होने का अवसर मिला।

संत रावतपुरा सरकार ने भगवान जागेश्वरनाथ का किया जलाभिषेक

दमोह (स्वतंत्र मत)। श्रीदेव जागेश्वरनाथ धाम में शुक्रवार को संत रावतपुरा सरकार का आगमन हुआ। संत श्री ने श्रीदेव जागेश्वरनाथ के पावन दरबार में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का विधिवत दर्शन एवं जलाभिषेक कर देश.प्रदेश में सुखए शांतिए समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की संत श्री के आगमन से मंदिर परिसर में श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण भक्तिमय हो गया संत रावतपुरा सरकार के श्री देव जागेश्वरनाथ धाम पहुंचने पर लोकसभा सांसद राहुल सिंह एवं मंदिर ट्रस्ट की ओर से उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट की उपाध्यक्ष राजकुमारी सिंह लोधी, मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक आचार्य रामकृपाल पाठक शास्त्री, मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, लोकसभा सांसद राहुल सिंह लोधी सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सर्पदंश से 10 वर्षीय बालक की गई जान

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा थाना क्षेत्र के ढोलियाखेड़ा में सर्पदंश से 10 वर्षीय बच्चे की दु:खद मौत का मामला सामने आया। बताया जा रहा चंद्रेश पिता राजेंद्र रजक उम्र 10 वर्ष अपने घर मे लेटा था तभी अचानक सांप ने काट लिया। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे घटना के बाद परिजन सिविल हॉस्पिटल हटा लेकर पहुंची यहां ड्यूटी डॉक्टर ने मृत घोषित किया तथा शव पंचनामा कार्यवाही की गई।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्धि पत्र-11/2026

निविदा सं. 50265207 जिसके खुलने की तिथि 15/09/2026 थी. जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/26/2026 के तहत प्रकाशित की गई थी. इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं- **निविदा संख्या एवं संक्षिप्त विवरण निविदा खुलने की तिथि:** 50262027 विवरण: 25 वाट VHF सेट- सप्लाई ऑफ ट्रांस रिसीवर VHF डिजिटल रेडियो **Description: From:** 25 Watt VHF Set- Supply of Trans receiver VHF digital radio set 25 Watt as per RDSO specification No RDSO/SPN/TC/107/2018 Version 2.1 or latest, synthesized configuration VM4 Band 146- 174 MHz channel spacing 12.5 kHz with power supply unit SMPS 12 volt power equipment: trans Receiver VHF, mobile /static, output current 15 Amps. Charging float and boost accessories and addons for base/mobile. Trans receiver description (1) 30 Mtrs., RG, 213 Co- Axial cable with both end connector. (2) 6 dB Gain GP Antenna VHF. scanning with overriding of Operating (driver guard) frequency features to be programmed as per requirement of Division along with DTMF MIC, mic hanger, DC cable, mounting bracket user manual, power supply unit (12 Volt/ 15 Amp) cum charger (float cum boost) diamond 6.5 dB gain VHF GP antenna model CP -22E and Surge Arrester Unit (to be connected between Antenna cable and radio). VHF shall be Digital Set make Kenwood OR Motorola similar to model: Motorola XIRM-6660i. To: 25 Watt VHF Set- Supply of Trans receiver VHF digital radio set 25 Watt as per RDSO specification No RDSO/SPN/TC/107/2018 Version 2.1, synthesized configuration VM4 Band 146- 174 MHz channel spacing 12.5 kHz with power supply unit SMPS 12 volt power equipment: trans Receiver VHF, mobile/ static, output current 15 Amps. Charging float and boost accessories and addons for base/ mobile. Trans receiver description (1) 30 Mtrs., RG, 213 Co- Axial cable with both end connector. (2) 6 dB Gain GP Antenna VHF. scanning with overriding of Operating (driver guard) frequency features to be programmed as per requirement of Division along with DTMF MIC, mic hanger, DC cable, mounting bracket user manual, power supply unit (12 Volt /15 Amp) cum charger (float cum boost) diamond 6.5 dB gain VHF GP antenna model CP -22E and Surge Arrester Unit (to be connected between Antenna cable and radio). VHF shall be Digital Set make Kenwood OR Motorola similar to model: Motorola XIRM-6660i. [Warranty Period: 60 Months after the date of delivery]. अद्यतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट https://ireps.gov.in देखें।

(हस्ता.)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

न्यायालय पंकज मिश्रा, सक्षम प्राधिकारी
म.प्र. प्रकोष्ठ स्वामित्व नियम 2000/2019 एवं अनुविभागीय अधिकारी, आधारताल जिला जबलपुर
राजस्व प्रकरण क्रमांक //बी-113/2026-2027
प्रारूप
(सूचना पत्र)

म.प्र. प्रकोष्ठ स्वामित्व नियम 2019 की धारा 4 के अंतर्गत चूंकि आवेदक सिल्वर पार्क रेजिडेण्ट वेलफेयर एसोसिएशन सिल्वर पार्क कंटगी बाइपास रोड जबलपुर म.प्र. द्वारा अध्यक्ष सुनीता विश्वकर्मा पति श्री शैलेन्द्र विश्वकर्मा निवासी आलोक नगर चिंतरंजनदास वार्ड आनंद नगर अंधुआ अधारताल व अन्य पदाधिकारी द्वारा रहवासियो के कल्याण (रख रखाव) एवं मूलभूत सुविधाओं हेतु म.प्र.प्रकोष्ठ स्वामित्व नियम 2000 (क्रमांक 15 सन 2001) की धारा 42 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति एवं म.प्र. प्रकोष्ठ स्वामित्व नियम 2018 की धारा 18 के तहत प्रारूप च मे प्रस्तुत आवेदन (नियम 9 के उपनियम (1)) के तहत आवेदक का आवेदन स्वीकार कर के अंतर्गत सिल्वर पार्क रेजिडेण्ट वेलफेयर एसोसिएशन सिल्वर पार्क कंटगी बाइपास रोड जबलपुर म.प्र. के पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः एतद् द्वारा आम जनता एवं समस्त रहवासी शताब्दीपुरम फेस-2 वेलफेयर एसोसिएशन को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदन पर संधारित प्रकरण मेरे न्यायालय में दिनांक 10/09/2026 को विचार के लिए नियत है। कोई भी व्यक्ति / संस्था उक्त न्यास या सम्पत्ति में हित रखता हो और उसके बारे में कोई आपत्ति प्रस्तुत करने या सुझाव देने का विचार रखता हो उसे इस सूचना प्रकाशन मे नियत दिनांक 10/9/2026 भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन/ दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, अथवा उक्त नियत दिनांक को न्यायालय में मेरे समक्ष स्वयं या अपने अभिभाषक या अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों / दावों / सुझावों पर कोई विचार के लिए ग्राहय नहीं किया जावेगा।

जारी दि.-12/08/2026
पेशी दि.-10/09/2026

(पंकज मिश्रा)
सक्षम प्राधिकारी म.प्र.प्र.स्वा.अधि. 2000
एवं अनुविभागीय अधिकारी
अनुभाग अधारताल जबलपुर

सील

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत मंत्री पटेल ने सुनी विधानसभा वासियों की समस्याएं

पथरिया (स्वतंत्र मत)। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत विशेष जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्यमंत्री लखन पटेल ने विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। मंत्री लखन पटेल ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकार द्वारा बनाई जा रही योजनाएं कागजों से निकलकर सीधे धरातल तक पहुंच रही हैं या नहीं। विशेष रूप से गरीब तबके के जो लोग शासन की विभिन्न योजनाओं के वास्तविक पात्र हैं, उन्हें बिना

किसी बाधा के लाभ दिलाना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। इसी के साथ क्षेत्र के अन्नदाताओं को संबल प्रदान करने के उद्देश्य से कार्यक्रम के मंच से किसानों को कृषि उपयोगी पंपों का वितरण किया गया। मंत्री पटेल ने पात्र हितग्राही किसानों को पंप सौंपते हुए कहा कि उन्नत कृषि और सिंचाई की सुलभता ही किसानों की आय बढ़ाने का मुख्य आधार है। शासन किसानों की हर जरूरत को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

44 ग्राम पंचायतों में लगेंगे ट्रांसफार्मर - जनसंवाद के दौरान मंत्री लखन पटेल ने आमजन की एक-एक शिकायत को गंभीरता से सुना और मौके पर ही संबंधित विभागों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। बिजली संकट को लेकर उन्होंने विद्युत मंडल के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामीण इलाकों में जरूरत के अनुसार तत्काल नए ट्रांसफार्मर रखवाए जाएं। इसके लिए क्षेत्र की 44 ग्राम पंचायतों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित किया गया है। साथ ही प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए मंत्री पटेल ने निर्देश दिया कि सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को सभी प्रशासनिक अधिकारी अनिवार्य रूप से अपने अपने कार्यक्षेत्र की फील्ड में जाएं और संचालित योजनाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-13
नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र. संभा. अधि./13/ मुख्यालय/ 2026-27/एम/148 दिनांक 21/8/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रोहित भल्ला पिता श्री कृष्ण गोपाल भल्ला (2) श्रीमती गौरी भल्ला पति श्री रोहित भल्ला ने मकान नं. 305/1 ए वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती क्षेत्रफल 1458 व.फु. भूतल 1200 व.फु. प्रथम तल 1200 व.फु. दानपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा पदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है । जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर कार्यालय संभाग क्रमांक - 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें ।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय
नगर निगम जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन/भूखण्ड हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुनीत नगर कंचनपुर जबलपुर भवन क्रमांक एम.आई.जी. -09 श्रीमती माधुरी शर्मा पति स्व. श्री प्रकाश चंद शर्मा को आंवटित है। आवंटी श्रीमती माधुरी शर्मा पति स्व. श्री प्रकाश चंद शर्मा से प्राप्त आवेदन / संयुक्त शपथ पत्र एवं निधारित दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्रीमती विनीता विश्वकर्मा पति श्री कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के नाम हस्तांतरण कि कार्यवाही की जाना है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन हस्तांतरण बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर पुनीत नगर कंचनपुर जबलपुर भवन क्रमांक एम.आई.जी. 09 श्रीमती विनीता विश्वकर्मा पति श्री कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति / दावा मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर में भवन क्रमांक 42 श्रीमति पलक बत्रा पति श्री रविन्द्र कुमार बत्रा के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 12.04.2016 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्रीमति पलक बत्रा पति श्री रविन्द्र कुमार बत्रा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 18.10.2022 के माध्यम से श्रीमति कामायिनी चतुर्वेदी पिता श्री अमेले प्रसाद चतुर्वेदी को विक्रय किया है। अतः श्रीमति कामायिनी चतुर्वेदी पिता श्री अमेले प्रसाद चतुर्वेदी द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/ आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जायेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज़ हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में भूखण्ड क्रमांक 346 श्री कलीराम वर्मा पिता स्व. श्री ललता प्रसाद वर्मा के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 10.07.1996 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्री कलीराम वर्मा पिता स्व.श्री ललता प्रसाद वर्मा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 26.12.2000 के माध्यम से श्री तुलसीराम जैन पिता श्री पुत्तीलाल जैन को विक्रय किया है। अतः श्री तुलसीराम जैन पिता श्री पुत्तीलाल जैन द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

घमापुर और अधारताल थाना क्षेत्र में वारदातें

सूने मकान से सोने-चांदी के जेवर ले उड़े चोर

जबलपुर (स्वतंत मत)। घमापुर थाने में कांचघर हनुमान टोरिया निवासी 45 वर्षीय सुमन चौधरी ने बताया कि वह अपने बेटे अखिलेश चौधरी के साथ गत दोपहर मायके गई थी। लौटकर देखा तो घर का ताला टूटा देख उसके होश उड़ गए। इसी तरह अधारताल में आनंद नगर निवासी 32 वर्षीय प्लाईबोर्ड व हार्डवेयर व्यापारी इरशाद हसन गत दिवस परिवार सहित घर में ताला लगाकर मुंबई गया था। वापस आने पर देखा कि घर के अंदर से लाखों का सामान चोरी हो गया। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

चरगवां थानाक्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

खेत में संदिग्ध परिस्थितियों में मजदूर की मौत

जबलपुर (स्वतंत मत)। चरगवां थानाक्षेत्र के ग्राम तूमरहार निवासी दीनदयाल गौड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शुक्रवार सुबह उनका शव गांव के एक खेत में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार दीनदयाल गौड़ 20 अगस्त को दोपहर करीब 2.30 बजे बाजार करने चरगवां गए थे, लेकिन इसके बाद घर नहीं लौटे। शुक्रवार सुबह प्रीतम बर्मन ने उनके बेटे शिवकुमार गौड़ को फोन कर दीनदयाल के खेत में पड़े होने की सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे तो उनकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद शव को घर लाया गया।

सेवानिवृत्ति के कई वर्ष बाद वेतन विसंगति के नाम पर पेंशन से वसूली नहीं की जा सकती

मप्र हाईकोर्ट का अहम फैसला, सेवानिवृत्त पुलिस कर्मचारियों को राहत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त पुलिस कर्मचारियों को राहत देते हुए स्पष्ट किया कि सेवानिवृत्ति के कई वर्ष बाद वेतन विसंगति या तदर्थ वेतन वृद्धि के नाम पर पेंशन से वसूली नहीं की जा सकती। इस मामले में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने राज्य सरकार की दो पुनर्विचार याचिकाएं निरस्त कर दीं। सब इंस्पेक्टर के पद से वर्ष 2017 में सेवानिवृत्त हुए थे।

ये है पूरा मामला- दरअसल यह मामला भोपाल निवासी रामराव भीमटे व रामायण सिंह तिवारी का है। दोनों पुलिस विभाग में सब इंस्पेक्टर के पद से वर्ष 2017 में सेवानिवृत्त हुए थे। करीब सात वर्ष बाद 26 सितंबर 2024 को डीआईजी भोपाल ने सेवाकाल में दी गई तदर्थ वेतन वृद्धि को गलत बताते हुए अतिरिक्त भुगतान की राशि पेंशन से वसूलने का आदेश दिया। कर्मचारियों ने आदेश को मप्र हाईकोर्ट में चुनौती दी। एकलपीठ और बाद में युगलपीठ ने कर्मचारियों के पक्ष में फैसला दिया। सरकार की एसएलपी पर सुप्रीम कोर्ट ने एक दिसंबर, 2025 को हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। इसके बाद सरकार ने मप्र हाईकोर्ट में पुनर्विचार याचिकाएं दाखिल कीं, जिन्हें युगलपीठ ने निरस्त कर दिया। कर्मचारियों की ओर से अधिवक्ता अतुल कुमार राय ने पैरवी की।

जबलपुर मास्टर प्लान 2047 पर हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट ने जबलपुर के मास्टर प्लान 2047 के प्रकाशन में हो रही देरी को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने कहा कि हमारे आदेश के बावजूद मास्टर प्लान पब्लिश नहीं किया गया। इस वजह से उन्होंने नगर तथा ग्राम निवेश विभाग के आयुक्त एवं संचालक कौशलेंद्र विक्रम सिंह को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस विवेक जैन की सिंगल बेंच ने यह कार्रवाई क्रेडाई जबलपुर बिल्डर्स एसोसिएशन के दीपक अग्रवाल द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इस मामले में क्रेडाई की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता दिनेश कुमार उपाध्याय ने कोर्ट को बताया कि 18 अप्रैल को हाई कोर्ट ने संबंधित आवेदन पर 8 सप्ताह के भीतर निर्णय लेने के निर्देश दिए थे। आदेश की प्रति 18 मई 2026 को ही संबंधित अधिकारियों को सौंप दी गई थी। इसके बावजूद तय समय-सीमा बीत जाने पर भी मास्टर प्लान का राजपत्र में प्रकाशन नहीं कराया गया। मामले की अगली सुनवाई 5 सितंबर को तय की गई है।

बालाघाट में हुई मौतों के बाद जबलपुर में अलर्ट

उल्टी-दस्त से लेकर डेंगू-मलेरिया का खतरा मंडराया

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

लगातार बारिश, जगह-जगह जमा पानी और दूषित पेयजल की आशंका के बीच जबलपुर में मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। उल्टी, दस्त, पेचिश, हैजा, पीलिया और टाइफाइड जैसी जलजनित बीमारियों के साथ मलेरिया और डेंगू की आशंका ने भी स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति इसलिए भी गंभीर मानी जा रही है क्योंकि पड़ोसी जिला बालाघाट में मौसमी और संक्रामक बीमारियों के बीच कई लोगों की मौत की खबरों के बाद प्रशासनिक अमला अधिक सतर्क हो गया है। शहर में लगातार बीमारियों से जुड़ी शिकायतें सामने आने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में मौसमी बीमारियों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। बैठक में बीमारियों की रोकथाम के लिए तैयार की गई सूक्ष्म कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

खान-पान से लेकर साफ-सफाई बरतने की अपील- कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी ने नागरिकों से अपील की है कि घरों की छत, कूलर और अन्य स्थानों पर अनावश्यक पानी जमा न होने दें। जमा पानी मच्छरों के पनपने का कारण बन सकता है और मलेरिया व डेंगू का खतरा बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से साफ-सफाई के साथ खान-पान और पेयजल को लेकर विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि बरसात के मौसम में दूषित पानी और अस्वच्छ भोजन के कारण जलजनित बीमारियां तेजी से फैल सकती हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि शौचालय के उपयोग के बाद तथा भोजन बनाने और खाने से पहले साबुन और साफ पानी से हाथ धोना जरूरी है। बासी और लंबे समय से रखे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचने की भी सलाह दी गई है।

फोटो एआई

अधिक किराया वसूलने पर परमिट होगा निरस्त

बसों की ओवरचार्जिंग पर आरटीओ सख्त

आईएसबीटी पर चस्पा हुई नई किराया सूची

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन परिवहन विभाग द्वारा हाल ही में बसों के किराए में वृद्धि की अधिसूचना जारी किए जाने के बाद भी यात्रियों से अधिक किराया वसूलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय जबलपुर में बस ऑपरेटरों की एक अहम बैठक बुलाई गई। बैठक में परिवहन अधिकारियों ने बस संचालकों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि शासन द्वारा निर्धारित दरों से अधिक किराया वसूलना परमिट की शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा। ऐसा पाए जाने पर संबंधित बस ऑपरेटर के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उनका परमिट रद्द कर दिया जाएगा। समस्याओं के समाधान का आश्वासनबैठक के दौरान बस ऑपरेटरों ने के फॉर्म, वी.एल.टी.डी. प्रणाली और वाहन स्क्रैपिंग योजना के तहत पंजीकृत वाहनों पर मिलने वाली मासिक टैक्स छूट जैसी व्यावहारिक समस्याओं को भी अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकारियों ने इन मुद्दों के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित स्टाफ व विभागों को निर्देश दिए। चस्पा की गई किराया सूचीबैठक के बाद अधिकारियों ने आईएसबीटी बस ऑपरेटर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री कमल किशोर तिवारी और अन्य ऑपरेटरों के साथ आईएसबीटी बस स्टैंड का निरीक्षण किया। वहां यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी मार्गों की नई किराया सूची चस्पा कराई गई। बैठक में आईएसबीटी बस ऑपरेटर एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल किशोर तिवारी, नसीम बेग, अजय पाठक, संजय शर्मा, ओमकार सिंह ठाकुर, कृष्णकुमार खंपरिया, दिपेन्द्र डोंगरे, जितेन्द्र रोहाणी, संजय समाधिया, पहलाद छुगानी और राजबिहारी यादव सहित कई बस संचालक उपस्थित रहे।

जगह-जगह जलभराव, विद्यार्थियों का स्कूल तक पहुंचना हुआ दूभर

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। खितौला के वार्ड नंबर 12 स्थित पालीवाल कॉलोनी में बारिश के बाद सड़क पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। सड़क पर पानी भर जाने से स्थानीय रहवासियों के साथ-साथ स्कूल जाने वाले बच्चों और बुजुर्गों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तस्वीर में सड़क पर घुटनों तक पानी भरा दिखाई दे रहा है, वहीं लोगों को इसी पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। बाइक सवार भी जलभराव के बीच से निकलने को मजबूर हैं। कॉलोनी के रहवासियों का कहना है कि बारिश के दौरान यहां हर बार ऐसी स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नगर पालिका द्वारा सड़क पर मुरम ही डलवा दी जाती तो कम से कम रास्ता चलने लायक हो जाता और लोगों को इस तरह पानी में होकर आवागमन नहीं करना पड़ता। रहवासियों ने नगर पालिका से मांग की है कि जलभराव वाले मार्ग पर तत्काल मुरम डलवाकर रास्ते को दुरुस्त कराया जाए तथा भविष्य में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था की जाए।

जबलपुर में होगा अमृत भारत ट्रेन का ठहराव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेल मंत्रालय द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु गाड़ी संख्या 22363/22364 धनबाद-कोयंबटूर-धनबाद के मध्य अमृत भारत एक्सप्रेस साप्ताहिक नई ट्रेन सेवा चलाने का निर्णय लिया गया था। इस नई अमृत भारत ट्रेन का नियमित संचालन 22 अगस्त से धनबाद से और 25 अगस्त 2026 से कोयंबटूर स्टेशन से प्रारम्भ हो रहा है। इस नई अमृत भारत ट्रेन का पश्चिम मध्य रेल के सतना, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया एवं इटारसी स्टेशनों पर भी ठहराव दिया गया हैं। गाड़ी संख्या 22363 धनबाद-कोयंबटूर नई अमृत भारत एक्सप्रेस साप्ताहिक ट्रेन प्रत्येक शनिवार को प्रारम्भिक स्टेशन धनबाद से शाम 16.10 बजे रवाना होकर मार्ग से होते हुए दूसरे दिन सतना में भोर 04.50 बजे, कटनी 06.13 बजे, जबलपुर 07.50 बजे, नरसिंहपुर 08.58 बजे, पिपरिया 10.03 बजे, इटारसी 12.35 बजे, पहुँचकर और तीसरे दिन सोमवार को शाम 18.30 बजे कोयंबटूर पहुंचेगी।

गाय को बचाते-बचाते विद्युत पोल से टकराई वैन, एक की मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

सिहोरा थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 30 ग्राम में महगवां मोड पर शुक्रवार को कटनी से जबलपुर जा रही वेन के सामने एक गाय आ गई गाय को बचाने के चक्कर में वैन चालक अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से टकराकर पलट गया।

इस हादसे में एक वृद्ध की मौत हो गई, वहीं तीन लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक विजय कोल पिता हरि प्रसाद कोल उम्र 60 वर्ष निवासी बाबू वंश स्वरूप वार्ड गड्ढाटोला थाना रंगनाथ जिला कटनी की हादसे में मौत हो गई। जबकि चालक सहित मानो बाई, वर्षा कोल का घायल हो गई घायलों को सिहोरा के शासकीय सिविल अस्पताल लाया गया जहां पर गंभीर व्यवस्था को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जबलपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं से हो रहा पुलिस में शव का पीएम करवाते हुए मामले को जांच में लिया है।

भू-माफिया से मुक्त कराई गई 1.50 करोड़ रुपये की शासकीय भूमि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर कटंगी बायपास क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 1.50 करोड़ रुपये मूल्य की शासकीय भूमि को सुरक्षित कराया गया। कॉलोनी सेल प्रभारी सुनील दुबे ने बताया कि वार्ड क्रमांक 72 दादा ठनठन पाल वार्ड अंतर्गत मटर मण्डी के सामने, नन्दनी, कटंगी बायपास क्षेत्र में खसरा नंबर 366 एवं 367, रकबा 1.1800 हेक्टेयर पर बिना वैध अनुमति के विकसित की जा रही अनाधिकृत कॉलोनी के निर्माण को हटाया गया। उन्होंने बताया कि कॉलोनी के पहुंच मार्ग के रूप में उपयोग की जा रही शासकीय भूमि खसरा नं. 370/1, रकबा लगभग 650 वर्ग मीटर को अतिक्रमण मुक्त कराया गया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 1.50 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि निर्माणकर्ताओं को पूर्व में नियमानुसार कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। संतोषजनक व वैधानिक जवाब न मिलने पर सक्षम स्वीकृति के बाद यह सुधारात्मक कदम उठाया गया। कार्यवाही स्थल पर कॉलोनी सेल प्रभारी दुबे के साथ नगर निगम की अतिक्रमण शाखा की पूरी टीम उपस्थित रही।

व्यक्तित्व निर्माण, ज्ञान विकास और आत्मनिर्भर बनने का महत्वपूर्ण चरण है महाविद्यालयीन जीवन

हितकारिणी महाविद्यालय में तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी विज्ञान, वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय, देवताल गढ़ा में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत और उन्हें महाविद्यालयीन वातावरण से परिचित कराने के उद्देश्य से तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। महाविद्यालय के चेयरमैन पं. शिवदत्त मिश्रा ने अपने प्रबोधन में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और चरित्र निर्माण पर जोर दिया। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. निलेश पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालय जीवन केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, ज्ञान विकास और आत्मनिर्भर बनने का महत्वपूर्ण चरण है। उन्होंने छात्रों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने और संस्थान की गरिमा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के महत्व, अनुशासन, नियमित उपस्थिति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, क्रेडिट प्रणाली, परीक्षा व्यवस्था, खेलकूद, पुस्तकालय एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई।

तीन दिवसीय आयोजन की प्रमुख गतिविधियां- प्रथम दिवस मां सरस्वती पूजन के साथ अतिथियों व प्राध्यापकों द्वारा छात्रों का स्वागत, नियम-सुविधाओं की जानकारी, शपथ ग्रहण एवं प्रेरणादायी गतिविधियों का आयोजन। द्वितीय दिवस परिचय सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा विभिन्न विभागाध्यक्षों ने अपना परिचय देते हुए अपने विषयों की जानकारी प्रदान की।

तृतीय दिवस प्राचार्य की पहल पर विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु सीबीसी (कम्प्लीट ब्लड काउंट) कैंप का सफल आयोजन किया गया, जिसमें समस्त छात्र-छात्राओं का ब्लड टेस्ट किया गया।

विद्यार्थियों का किया आभार- कार्यक्रम को सफल बनाने में उपप्राचार्य डॉ. ममता पाठक, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. संगीता शुक्ला, डॉ. पुष्पा शुक्ला, प्रो सरिता शर्मा, प्रो अंजना मिश्रा, प्रो अंकिता चंचोरिया, डॉ. वर्षा दुबे एवं प्रो. संदीप परिहार की गरिमामय उपस्थिति एवं विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. पुष्पा शुक्ला द्वारा उपस्थित अतिथियों, प्राचार्य, उपप्राचार्य, समस्त प्राध्यापक वर्ग एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया गया। इस उन्मुखीकरण कार्यक्रम ने नवप्रवेशित छात्रों को महाविद्यालय परिवार से आत्मीयता से जोड़ने और उनके शैक्षणिक सफर की सकारात्मक शुरुआत करने का सुंदर अवसर प्रदान किया।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**